महिला आरक्षण का विरोध कर.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 27 | गाजियाबाद / शुक्रवार 01 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

जबलपुर के बरगी डैम में बड़ा हादसा

30 पर्यटकों से भरा क्रूज डूबा 4 शव बरामद

कई अब भी लापता, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, 15 को बचाया

भोपाल/जबलपुर (एजेंसी)। मप्र के जबलपुर के प्रमुख पर्यटन स्थल बरगी डैम से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां नर्मदा नदी के बैकवाटर में पर्यटकों से भरा एक क्रूज

अचानक डूब गया. हादसे के वक्त क्रूज पर करीब 30 लोग सवार बताए जा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, जब क्रूज नर्मदा के गहरे बैकवाटर में था, तभी अचानक मौसम बदला और तेज हवाएं चलने लगीं। पानी की ऊंची लहरों और तेज हवा के दबाव के कारण क्रूज अपना संतुलन खो बैठा और देखते ही देखते पानी में समा गया। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय नाविकों और प्रशासन ने बचाव कार्य शुरू किया। अब तक करीब 15 लोगों को सुरक्षित पानी से बाहर निकाल लिया गया है। राहत और बचाव दल ने 4 शव बरामद कर लिए हैं. अभी भी कुछ लोग लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश के लिए गोताखोर और एसडीआरएफ की टीमें जुटी हुई थीं।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए थे। घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, अचानक आए तूफान की वजह से क्रूज चालक को संभलने का मौका नहीं मिला. फिलहाल प्राथमिकता लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढने की है।

यह रेप का मामला है गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए

- 15 साल की नाबालिग की गर्भावस्था पर सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप से इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 15 वर्षीय रेप पीड़िता की 30 हफ्ते की अनचाही गर्भावस्था को समाप्त करने की अनुमति देने वाले अपने 24 अप्रैल के आदेश को पलटने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची की पीठ ने सुनाया। एम्स ने 15 वर्षीय लड़की की 30 सप्ताह की गर्भावस्था समाप्त करने की अनुमति देने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ उपचारात्मक याचिका दायर की है। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में कहा कि अगर मां को कोई स्थायी विकलांगता नहीं है तो गर्भपात की अनुमति दी जानी चाहिए। यह रेप का मामला है और

पीड़िता को जीवन भर मानसिक आघात झेलना पड़ सकता है। इसलिए अदालत ने इसे बच्ची के सर्वोत्तम हित में बताया। वहीं, एम्स ने अदालत में तर्क दिया कि अगर गर्भपात कराया जाता है तो नाबालिग मां को जीवन भर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एम्स को निर्देश दिया कि वह माता-पिता की काउंसलिंग करे और यह सुनिश्चित किया जाए कि आखिरी फैसला स्वयं उस बच्ची का ही हो। एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि हमें एम्स की इस उपचारात्मक याचिका का उल्लेख करना है। गर्भावस्था समाप्त करना संभव नहीं है। इससे एक जीवित शिशु पैदा होगा जिसमें गंभीर विकृतियां होंगी। नाबालिग मां को जीवनभर स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं रहेंगी भविष्य में संतान पैदा करने में सक्षम नहीं होगी। मुझे खेद है कि मैं स्वयं को संयत नहीं रख पा रही हूं।

भारत के लिए 'होर्मुज स्ट्रेट' में कोई भी प्रतिबंध नहीं

अमेरिकी धमकी के बीच ईरान बोला-आगे भी नहीं रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच फिर से बढ़ते तनाव की वजह से पश्चिम एशिया संकट में अनिश्चितताएं और बढ़ गई हैं। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप धमकी पर धमकी दिए जा रहे हैं, दूसरी तरफ ईरान अपने स्टैंड से टस से मस नहीं हो रहा। लेकिन, इन्हीं अनिश्चितताओं के बीच ईरान ने भारत को फिर से भरोसा दिलाया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में उसके जहाजों के लिए उसकी ओर से कोई रोक नहीं है। भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फथाली ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान पर भयानक हमले की धमकियों के बीच फिर से दावा किया है कि भारतीय व्यापारिक जहाजों और तेल-गैस के टैंकरों के लिए होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से खुला हुआ है। मोहम्मद फथाली ने एक इंटरव्यू में यह दावा किया है।

भारत को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की प्रक्रिया भविष्य में भी - इस इंटरव्यू में ईरानी राजदूत ने कहा, हमनें कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिका-ईरान के

आक्रमण में जिन देशों ने भागीदारी नहीं की है, वे होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजर सकते हैं। उनके अनुसार उनका देश अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इशारों में यह बताने की कोशिश की है कि हाल के दिनों में जो रुकावटें आई हैं, वह बदले हालातों की वजह से पैदा हुई हैं। उनके अनुसार, स्वभाविक तौर पर हालात से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्ट्रेट से गुजरने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं और सभी जहाजों को उसका पालन करने की आवश्यकता है।

अमेरिकी नाकेबंदी के बाद होर्मुज से नहीं निकले भारतीय जहाज- ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले शुरू होने के बाद 10 भारतीय जहाज और टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित निकल चुके हैं। 13 अप्रैल, 2026 को जबसे अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट बंद करने के नाम पर ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी की, तब से एक भी भारतीय जहाज के वहां से सुरक्षित निकलने की आधिकारिक जानकारी नहीं है। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार अभी भी होर्मुज स्ट्रेट के उस पार फारस की खाड़ी में 14 भारतीय जहाज मौजूद हैं। अमेरिकी नाकेबंदी के बाद दो भारतीय जहाजों ने होर्मुज से निकलने की कोशिश की थी, लेकिन ईरानी सुरक्षा बलों ने उन्हें चेतावनी देकर वापस भेज दिया।

यूपी और बिहार में

आंधी-बारिश का 'आतंक'

- 18 लोगों की मौत, बांदा में पारा 45 डिग्री के पार
- राजस्थान-दिल्ली में आधे दिन लू

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पिछले 24 घंटे के अंदर अलग-अलग मौसम देखने को मिला। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में कई जगह पारा 40 से 46 डिग्री के बीच रहा। हालांकि, आंधी और हल्की बारिश से कई इलाकों में तापमान 2 से 3 डिग्री तक घट भी गया। दिल्ली में दोपहर बाद ओले गिरे। उत्तर प्रदेश में आंधी-बारिश से 13 लोगों की मौत हो गई। सुल्तानपुर में

सबसे ज्यादा 7 मौतें हुईं। वहीं, बिहार में भी 5 लोगों की मौत हुई है। पटना में आंधी से दीवार गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। कई जिलों में पेड़ गिर गए। उत्तराखंड के मसूरी में गुरुवार को ओले गिरे। यूपी का बांदा लगातार भीषण गर्म रहा।

पीपा पुल टूटा, शादी के टेंट आंधी से उखड़े

मौसम विभाग ने पहले ही बता दिया था कि आने वाले दिन बिहार पर भारी पड़ सकते हैं। बुधवार की शाम से ऐसा होना शुरू भी हो गया। राजधानी पटना में अचानक से तेज आंधी आई। बिहार के लगभग ज्यादातर जिलों में ऐसा ही माहौल बना। इसके बाद कई जिलों में आसमानी बिजली ने भी कहर बरपा दिया। आंधी और बारिश इतनी तेज थी कि एक पीपा पुल 3 भागों में टूट गया। बिहार में मौसम के बदले मिजाज ने बुधवार को जमकर कहर बरपाया। लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत तो मिली लेकिन इसकी कीमत बिहार को चुकानी पड़ी। कई जिलों में इतनी तेज आंधी चली कि शादियों के लिए लगाए गए टेंट ही उखड़ गए। एकाध जगहों पर बिजली का खंबा ही आ गिरा। 20 जिलों मेंलोगों को हलाकान कर दिया।

मिजोरम के कई जिलों में स्कूल बंद रहे

पटना मौसम विज्ञान केंद्र से जारी ताजा अपडेट के अनुसार अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट की संभावना है, इसके बाद अगले 48 घंटों में 3-4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि का पूर्वानुमान है। वहीं अगले 48 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर के सभी 7 राज्यों में भी बारिश हुई। मिजोरम में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण कई जिलों में स्कूल दूसरे दिन भी बंद रहे। खराब मौसम के चलते केदारनाथ धाम, फाटा, सोनप्रयाग, सर्सी और गुप्तकाशी में हेलीकॉप्टर सेवाएं रोक दी गई हैं। मौसम विभाग ने बिहार, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश में आंधी, बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

वीआईपी कल्चर छोड़ जनता से संवाद करें कांग्रेस नेता

पंजाब, जेके और हिमाचल कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को दी ट्रेनिंग

राहुल ने दी सलाह, संगठन मजबूत बनाने के टिप्स भी दिए

कांगड़ा (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार कांगड़ा में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और जम्मू कश्मीर के 80 कांग्रेस अध्यक्षों को ट्रेनिंग दी। राहुल गांधी ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वीआईपी कल्चर छोड़कर आम जनता से सीधे संवाद करना होगा। राहुल गांधी ने जनता से जुड़े मुद्दे उठाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के नैरेटिव का जवाब मीडिया के साथ सोशल मीडिया के माध्यम से दिया जाए। राहुल ने अपने साढ़े चार घंटे के ट्रेनिंग कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूत करने, मीडिया प्रबंधन, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और विपक्ष के नैरेटिव का जवाब देने के टिप्स दिए।

राहुल ने जिला अध्यक्षों के साथ किया लंच

राहुल गांधी ने दोपहर डेढ़ बजे के करीब कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के साथ लंच किया और दोपहर सवा दो बजे वह कांगड़ा से वापस दिल्ली लौट गए। दरअसल, कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम के तहत ट्रेनिंग कैंप हिमाचल के कांगड़ा में रखा गया था। इसमें तीन प्रदेशों के 80 जिला अध्यक्षों को 10 दिन तक ट्रेनिंग दी गई। आज ट्रेनिंग कैंप खत्म हो गया है। इसी तरह के कैंप कांग्रेस दूसरे राज्यों में भी लगा चुकी है।

सीएम बनने के बाद ऐक्शन में सम्राट चौधरी

- सभी डीएम-एसपी से वन-टू-वन चर्चा, 10 से 2 बजे वाला दिया अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पदभार संभालने के बाद राज्य की प्रशासनिक और कानून-व्यवस्था को लेकर अपनी प्राथमिकताएं साफ कर दी। गुरुवार को सभी जिलों के डीएम और एसपी के साथ हुई उनकी पहली औपचारिक बैठक में विकास और सुरक्षा का 'ब्लूप्रिंट' साझा किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण तैयार करना और अपराधियों में कानून का खौफ पैदा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ये बैठक मुख्य रूप से औद्योगिक विस्तार, गंभीर अपराधों पर त्वरित कार्रवाई और सरकारी सेवाओं को जनता तक सुगम बनाने जैसे अहम मुद्दों पर केंद्रित रही।

निवेशकों को मिलेगी पूरी सुरक्षा- मुख्यमंत्री ने बिहार के औद्योगिक विकास के लिए 'इंडस्ट्री हब' की योजना पर जोर दिया। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में उद्योगों के लिए जमीन और संसाधन चिन्हित करें। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में निवेश करने वाले कारोबारियों को सुरक्षा का पूरा भरोसा मिलना चाहिए। निवेशकों की मदद के लिए हर जिले में एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करेगा। **10-2 बजे तक कार्यालय में**

मौजूदगी- जनता और सरकार के बीच की दूरी कम करने के लिए मुख्यमंत्री ने एक बड़ा प्रशासनिक सुधार लागू किया है। उन्होंने सभी डीएम,एसपी और अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे रोज सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक ऑफिस में उपस्थित रहें।

डायल 112 सेवा को मजबूती पर जोर

कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सीएम ने पुलिस अधीक्षकों को डायल 112 सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्रतिक्रिया समय को कम किया जाए ताकि संकट के समय जनता को तुरंत मदद मिल सके। अपराध नियंत्रण के लिए तकनीकी निगरानी और गश्त बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्य में महिला सुरक्षा, विशेषकर बच्चियों के खिलाफ होने वाले गंभीर अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने को कहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में पुलिस को तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कार्रवाई करनी होगी। अनुसंधान को समय पर पूरा कर स्पीडी ट्रायल के जरिए दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलवाई जाए। महिला थानों और हेल्पडेस्क को और अधिक संवेदनशील और सक्रिय बनाया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-न्यूक्लियर हमले से नहीं डरे
- भारत आईटी का हब जबकि पाकिस्तान इंटरनेशनल टेररिज्म का

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर को अपनी मर्जी और अपनी शर्तों पर रोका था।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो देश पाकिस्तान के खिलाफ लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ से परमाणु हमले की धमकी दी गई थी, लेकिन भारत इससे नहीं डरा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की सर्ज कैपेसिटी (अचानक ताकत बढ़ाने की क्षमता) पहले से ज्यादा मजबूत है। राजनाथ ने कहा- भारत आज इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के लिए जाना जाता है जबकि पाकिस्तान को आईटी यानी इंटरनेशनल टेररिज्म का केंद्र माना जाता है।

राजनाथ बोले- आतंकवाद की जड़ उसकी विचारधारा- सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक टर्निंग पॉइंट था, जिसने दुनिया को दिखाया कि भारत अब सिर्फ बयान देने वाला देश नहीं है, बल्कि सीधे कार्रवाई करता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार की नीति साफ है।

बंगाल में चुनाव आयोग की सख्त रणनीति का दिखा व्यापक असर

50 साल में तीसरी बार 'शांतिपूर्ण' मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल ने 2026 के विधानसभा चुनाव में एक ऐतिहासिक मिसाल पेश की है। लगभग पांच दशकों में यह तीसरी बार है जब राज्य ने पूरी तरह शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव देखा। इससे पहले वर्ष 1971 और 2011 के विधानसभा चुनाव में ऐसी स्थिति देखने को मिली थी। इस बार चुनाव के दौरान न केवल मतदान के दिन, बल्कि पूरे प्रचार अभियान में भी किसी प्रकार की हिंसा या जानमाल के नुकसान की घटना सामने नहीं आई। चुनाव आयोग की सख्त निगरानी और रणनीतिक फैसलों को इस सफलता का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। दो चरणों में हुए मतदान में वोटिंग प्रतिशत 92.93 फीसद रहा, जो यह

दर्शाता है कि मतदाता बिना किसी भय के मतदान केंद्रों तक पहुंचे। अगर पिछले चुनावों से तुलना करें, तो 2021 के विधानसभा चुनाव में 24 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 2016 में सात लोगों की जान गई थी। इसके विपरीत, 2026 में यह संख्या शून्य रही। इतना ही नहीं, इस बार बमबाजी जैसी घटनाएं भी पूरी तरह से नदारद रहीं, जबकि 2021 में 60 से ज्यादा बमबाजी की घटनाएं दर्ज की गई थीं। **चुनाव आयोग के अधिकारियों की अहम भूमिका-** इस बदलाव के पीछे चुनाव आयोग के अधिकारियों की अहम भूमिका रही। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल, विशेष पर्यवेक्षक सुब्रत गुप्ता और विशेष पुलिस पर्यवेक्षक एनके मिश्रा की रणनीति और प्रशासनिक नियंत्रण को निर्णायक माना जा रहा है।

अन्य राज्यों के लिए मॉडल बन सकता है यह चुनाव

इतिहास के नजरिए से देखें तो बंगाल में चुनावी हिंसा और धांधली लंबे समय से एक बड़ा मुद्दा रहा है। 1972 के चुनाव को राज्य के इतिहास का सबसे विवादित चुनाव माना जाता है, जबकि 1977 में सत्ता परिवर्तन हुआ था। हालांकि, 2026 का चुनाव इन सभी विवादों से अलग एक नई दिशा दिखाता है। राजनीतिक विश्लेषकों और विभिन्न दलों के नेताओं ने भी इस चुनाव को शांतिपूर्ण मानते हुए चुनाव आयोग, प्रशासन, केंद्रीय बलों और राजनीतिक दलों सभी को इसका श्रेय दिया है। यह चुनाव आने वाले समय में देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल बन सकता है।

डीजे का शोर नहीं सह पाईं मुर्गियां, 140 की जान गई, पोल्ट्री फार्म संचालक ने डीजे कराई एफआईआर

सुल्तानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले से एक ऐसा हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के जश्न में बज रहे तेज डीजे की आवाज बेजुबान पक्षियों के लिए काल बन गई। बल्दीराय थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव में एक पोल्ट्री फार्म के पास से गुजर रही बारात के डीजे की कानफोड़ू आवाज के कारण कथित तौर पर 140 मुर्गियों की दहशत से मौत हो गई। इस अनोखी घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पूरी घटना 25 अप्रैल की रात की है। गांव के निवासी बब्बन विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी, जिसकी बारात कुड़वार के पूरे राम भद्र पुरवा से आई थी। बारात जब पूरे गाजे-बाजे और डीजे के साथ गांव की गलियों से गुजर रही थी, तभी रास्ते में साबिर अली का पोल्ट्री फार्म पड़ा। साबिर का आरोप है कि रात करीब 9:30 बजे जब डीजे उनके फार्म के सामने पहुंचा, तो उसकी ध्वनि सीमा इतनी अधिक थी कि मुर्गियों के दबड़े में अचानक अफरा-तफरी मच गई। तेज धमक और शोर के कारण मुर्गियां दहशत में आ गईं और देखते ही देखते 140 मुर्गियों ने दम तोड़ दिया। पीड़ित साबिर अली ने बताया कि उन्होंने डीजे ऑपरेटर से आवाज कम करने का अनुरोध भी किया था, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। मुर्गियों की मौत के बाद हुए आर्थिक नुकसान से आहत साबिर ने बल्दीराय थाने में न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता और पशु क्रूरता के पहलुओं को देखते हुए परसीपुर निवासी डीजे संचालक कवि यादव के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक एमडी ताहुर खान यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या डीजे निर्धारित डेसिबल मानकों का उल्लंघन कर रहा था। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज ध्वनि तरंगें और भारी बेस छोटे पक्षियों के दिल की धड़कन को अनियंत्रित कर देते हैं, जिससे उन्हें कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) पड़ने का खतरा रहता है। इस घटना ने एक बार फिर शादियों और अन्य समारोहों में ध्वनि प्रदूषण के नियमों की अनदेखी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल, गांव में यह मामला चर्चा का केंद्र बना हुआ है।

बीजेपी नेता अग्रवाल ने की पायलट पर अपमानजनक टिप्पणी, कांग्रेस ने फूंका पुतला

बहरोड़ (एजेंसी)। राजस्थान में बीजेपी प्रदेश प्रभारी राधा मोहन अग्रवाल ने कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट के खिलाफ की गई अपमानजनक और अनर्गल टिप्पणी ने सियासी पारा चढ़ा दिया है। इस बयान के विरोध में बहरोड़ के कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और बीजेपी प्रभारी का पुतला दहन कर कड़ा विरोध जताया। पीसीसी महासचिव डॉ. आरसी यादव के नेतृत्व में हुए इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस ने बीजेपी को सीधी चेतावनी दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. यादव ने साफ कहा कि बीजेपी का यह कृत्य बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और राधा मोहन अग्रवाल को अपने शब्द वापस लेते हुए सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि माफी नहीं मांगी गई, तो आगामी चुनावों में राजस्थान की जनता बीजेपी को ऐसा सबक सिखाएगी कि उन्हें कहीं मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। पायलट को बाहरी बताने के तर्क पर डॉ. यादव ने तीखा हमला करते हुए बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल खड़े किए। उन्होंने सवाल उठाया कि सचिन पायलट को बाहरी बताने वाली बीजेपी बताए कि क्या पीएम नरेंद्र मोदी बनारस में पैदा हुए थे? डॉ. यादव ने कहा कि बनारस से प्रधानमंत्री का क्या रिश्ता है, फिर भी वे वहां से सांसद हैं। उन्होंने बीजेपी को नसीहत दी कि वे अपने गिरेबान में झांककर देखें।

उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड में मुठभेड़, तीन दुर्दांत बदमाश ढेर, पुलिस चला रही रही ऑपरेशन प्रहार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार आधी रात से लेकर गुरुवार सुबह तक उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड की पुलिस अपराधियों के लिए काल बनकर टूटी। अलग-अलग राज्यों में हुई जबरदस्त मुठभेड़ों में तीन इनामी और दुर्दांत अपराधियों को ढेर कर दिया गया है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मच गया है। मुठभेड़ का सिलसिला उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से शुरू हुआ। यहां पुलिस ने जिम में हुए ट्रिपल मर्डर केस के मुख्य आरोपी और 50 हजार के इनामी बदमाश जीतू सैनी को मार गिराया। खुर्जा नगर क्षेत्र में हुई इस मुठभेड़ के दौरान जीतू सैनी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसमें स्वाट टीम प्रभारी और एक हेड कांस्टेबल घायल हो गए। हालांकि, बुलेट प्रूफ जैकेट की वजह से खुर्जा कोतवाल और एक अन्य पुलिसकर्मी की जान बच गई। पुलिस के मुताबिक, जीतू ने पिछले दिनों एक जिम में घुसकर तीन लोगों की हत्या की थी। इस मामले में अब तक 11 आरोपी नामजद हैं, जिनमें से पांच पहले ही पकड़े जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बिहार में भी गोलियों की तड़तड़ाहट गूंजी। सीवान जिले में भाजपा नेता व पूर्व एमएलसी मनोज सिंह के भांजे हर्ष सिंह की हत्या के मुख्य आरोपी छोटू कुमार यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में घायल कर दबोच लिया। गुरुवार सुबह करीब 3 बजे हुई इस कार्रवाई में आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जिसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। आरोपी के पैर में गोली लगी है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। गौरतलब है कि बुधवार शाम गाड़ी सटने के मामूली विवाद में हर्ष सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वहीं, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में भी पुलिस ने साहस का परिचय दिया। प्रेमनगर इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर से दो लाख रुपये और मोबाइल लूटकर भाग रहे बदमाशों को पुलिस ने घेरा, तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश मारा गया, जबकि अंधेरे का फायदा उठाकर दो फरार हो गए। इस मुठभेड़ में प्रेमनगर इंस्पेक्टर नरेश राठौर के हाथ में दो गोलियां लगी हैं। फिलहाल पुलिस फरार बदमाशों की तलाश में सघन कॉम्बिंग अभियान चला रही है। तीनों राज्यों में हुई इन कार्रवाइयों ने साफ कर दिया है कि कानून व्यवस्था को चुनौती देने वालों के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है।

दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में डाल रखा

भदौही पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विरोधियों पर बोला हमला

भदौही (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने अपने पहले भदोही दौरे के दौरान विपक्ष की महिला विरोधी राजनीति पर जमकर हमला किया। अपने रोड शो के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नबीन ने सीधे तौर पर सपा, कांग्रेस और टीएमसी को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि जो राजनैतिक पार्टियां दशकों तक महिला आरक्षण बिल को संसद में लटकाते और फाड़ते रहे, आज उन्हें नारी शक्ति का वंदन करने का कोई हक नहीं है।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य कार्यक्रम के बाद सीधे भदौही पहुंचे बीजेपी अध्यक्ष नबीन ने महिलाओं के सम्मान को आस्था से जोड़ा। भीड़ में उन्होंने कहा कि मैं उस आदि शक्ति माँ विंध्यवासिनी के चरणों में शीश नवाने जा रहा हूं, जिनसे यह पूरी सृष्टि संचालित होती है। माता विंध्यवासिनी गवाह हैं कि नारी है तब ही यह संसार है। जो लोग महिलाओं का अपमान करते हैं, वे दरअसल इस संसार के अस्तित्व को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने महिला आरक्षण को ठंडे बस्ते में डाल रखा था। सदन में बिल की प्रतियां फाड़ने वाले लोग आज किस मुंह से महिलाओं की बात करते हैं? लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कर दिखा दिया कि भाजपा कथनी में नहीं, करनी में विश्वास रखती है। बात दें कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन का यह जनपद में पहला दौरा था, जिसे कार्यकर्ताओं ने यादगार बना दिया। औराई चौराहे पर स्वागत का आलम यह था कि सैकड़ों लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को गुलाब के फूलों की बारिश से नहला दिया, जिससे पूरा मार्ग फूलों की चादर से ढक गया। कार्यकर्ताओं के भारी हुजूम और गगनभेदी नारेबाजी के चलते अध्यक्ष का काफिला बमुश्किल आगे बढ़ा।

ऑस्ट्रेलिया से डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया से नियमों के उल्लंघन के आरोप में डिपोर्ट हुए 15 भारतीयों का जत्था दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुँच गया है, जिसमें से 11 व्यक्ति पंजाब के विभिन्न जिलों से संबंधित हैं। इन सभी यात्रियों के दिल्ली पहुँचते ही सुरक्षा एजेंसियों और इमिग्रेशन अधिकारियों ने करीब पाँच घंटे तक गहन पूछताछ की, ताकि डिपोर्ट किए जाने के वास्तविक कारणों और उनकी गतिविधियों का पूरा ब्यौरा जुटा सके। पंजाब सरकार ने मामले को गंभीरता से लेकर अपने प्रतिनिधियों और विशेष वाहनों का दल दिल्ली भेजा है, ताकि इन लोगों को सुरक्षित उनके गृह जिलों तक पहुँचाया जा सके। इसके लिए एक टेंपो ट्रैवलर और अन्य गाड़ियों का प्रबंध हवाई अड्डे पर ही किया गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, डिपोर्ट किए लोग जालंधर, होशियारपुर, खन्ना, मोगा, नवांशहर, गढ़शंकर, तरनतारन, फिरोजपुर और रूपनगर जैसे इलाकों के निवासी हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि इन नागरिकों ने ऑस्ट्रेलिया में प्रवास के दौरान वहां के स्थानीय नियमों का उल्लंघन किया था, जिसके परिणामस्वरूप ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने उन्हें वापस भारत भेजने का कठोर निर्णय लिया। वापस लौटे व्यक्तियों में जसवंत सिंह, अंग्रेज सिंह, सतिंदरजीत सिंह शेरगिल, गुरप्रीत सिंह संधू, जगजीत सिंह, जसप्रत सिंह, निर्मल सिंह, श्रुति शर्मा, रणजी सिंह, हरप्रीत सिंह और गगनदीप सिंह शामिल हैं, जिनकी उम्र 25 से 41 वर्ष के बीच है। यह घटनाक्रम पिछले साल अमेरिका द्वारा 104 अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किए जाने की याद दिलाता है, जिन्हें अमेरिकी वायुसेना के विमान से अमृतसर लाया गया था। अवैध इमिग्रेशन और विदेशी कानूनों की अनदेखी के कारण पंजाब के युवाओं का इस तरह डिपोर्ट होना एक चिंताजनक विषय बन गया है। फिलहाल, दिल्ली में औपचारिक कागजी कार्रवाई और वेरिफिकेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद इन सभी को पंजाब पुलिस और सरकारी टीम की निगरानी में उनके गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया है। राज्य सरकार अब इन मामलों के मूल कारणों की जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोका जा सके।

केजरीवाल के बाद अब पाठक ने किया जस्टिस शर्मा के सामने पेश होने से इनकार

-पत्र में लिखा- वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की जताई चिंताओं से सहमत

नई दिल्ली(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद पार्टी नेता दुर्गेश पाठक ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में आबकारी 'घोटाला' मामले की सुनवाई में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। पाठक ने जस्टिस शर्मा को एक पत्र भेजा है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि वह सुनवाई के सिलसिले में केजरीवाल की ओर से जताई गई चिंताओं से सहमत हैं। केजरीवाल ने जस्टिस शर्मा पर हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए घोषणा की है कि वह आबकारी मामले की सुनवाई में व्यक्तिगत स्तर पर या किसी वकील के जरिए हिस्सा नहीं लेंगे। पाठक, सिसोदिया और केजरीवाल सीबीआई की ओर से दायर उस पुनर्विचार याचिका में पक्षकार हैं, जिसमें आबकारी नीति मामले में उन्हें आरोपमुक्त किए जाने के फैसले को चुनौती गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाठक ने पत्र में कहा कि यह पत्र उस पुनर्विचार याचिका के सिलसिले में है, जो वर्तमान में इस कोर्ट के समक्ष विचाराधीन है। पाठक ने लिखा कि उन्होंने केजरीवाल के 27 अप्रैल के पत्र को पढ़ने के बाद यह फैसला लिया, जिसमें सुनवाई में निष्पक्षता और पारदर्शिता की कमी को लेकर चिंता जताई गई थी। इसी के मद्देनजर उन्होंने भी वर्तमान सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से या किसी वकील के जरिए हिस्सा न लेने का संकल्प लिया है। इस मामले में मेरी ओर से पेश वकालतनामा, यदि कोई हो तो, उसे विधिवत रूप से वापस लिया हुआ माना जाए।

पाठक ने कहा कि उनके पत्र कोर्ट के प्रति अनादर के संकेत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने संविधान और न्यायपालिका में अपनी आस्था दोहराई। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर भारत के संविधान और इस देश की न्यायपालिका की संस्थागत अखंडता में अपनी अटूट आस्था रखता हूं। उन्होंने अनुरोध किया कि पत्र को रिकॉर्ड में लिया जाए और कोर्ट की ओर से उचित एवं न्यायसंगत समझे जाने वाले तरीके से सुनवाई की जाए।

इस बीच दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने सवाल उठाया कि केजरीवाल के चिंता जताने के बाद जस्टिस शर्मा ने खुद को आबकारी मामले की सुनवाई से अलग क्यों नहीं कर लिया। आतिशी ने दावा किया कि जस्टिस शर्मा ने हाल में अन्य मामलों में ऐसा किया था। उन्होंने पूछा कि मौजूदा मामले में ऐसा क्या अलग है कि सुनवाई से अलग होने पर विचार नहीं किया गया।

महिला आरक्षण का विरोध कर कांग्रेस और सपा ने महिला-विरोधी अपनी मानसिकता को उजागर किया

-ईवीएम में पार्टी सिंबल के सामने की बटन को टेप से ब्लॉक करने का है आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला कर उन्हें महिला-विरोधी बताया। मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि संसद में महिला आरक्षण से जुड़े संवैधानिक संशोधन बिल का विरोध करके विपक्षी दलों ने अपनी असल मानसिकता देश के सामने ला दी है। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के विशेष सत्र की शुरुआत से पहले सीएम योगी ने विपक्षी इंडी गठबंधन पर देश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप भी लगाया।

विशेष सत्र शुरू होने से पहले यूपी विधानमंडल के बाहर एक प्रेस ब्रीफिंग में सीएम योगी ने कहा कि इंडिया गठबंधन महिला आरक्षण बिल का विरोध करके भारत में अस्थिरता पैदा करना चाहता था। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में समाजवादी पार्टी के शासन के दौरान महिलाएं पूरी तरह से असुरक्षित थीं। उन्होंने कहा कि यह विशेष सत्र विपक्ष द्वारा संसद में महिला आरक्षण बिल का समर्थन न करने के कदम पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

सीएम योगी ने कहा, हर व्यक्ति सपा के खिलाफ लगे नारों से वाकिफ है... समाजवादी पार्टी और कांग्रेस महिला-विरोधी हैं, यह बात हर कोई जानता है। उन्होंने कहा, उनके पास महिला आरक्षण बिल का समर्थन करके अपनी छवि सुधारने का अच्छा मौका था, लेकिन उन्होंने इसका विरोध किया। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने महिला आरक्षण का विरोध सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए अपनी सरकार द्वारा की गई पहलों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, हम महिलाओं को सशक्त बनाने की उनकी पहलों के लिए पीएम मोदी को भी धन्यवाद दे रहे है। उनके नेतृत्व में, बीजेपी और एनडीए ने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

बात दें कि गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा का दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया है, जिसका मुख्य विषय महिला आरक्षण है। वहीं समाजवादी पार्टी ने सत्र को लेकर बीजेपी की आलोचना कर कहा है कि भगवा पार्टी संसद में पारित न हो सके संवैधानिक संशोधन बिल को लेकर सदन में एक असंवैधानिक निंदा प्रस्ताव पेश करना चाहती है। पार्टी ने कहा कि बीजेपी लोगों को, और विशेष रूप से महिलाओं को भड़काने की कोशिश कर रही है। हम उस प्रस्ताव की कड़ी निंदा करते हैं जिसे वे लाना चाहते हैं।

शिमला में भारी ओलावृष्टि, 3 इंच मोटी परत बिछी : अगले 6 दिन बारिश के आसार

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और इसके आसपास के क्षेत्रों में 30 अप्रैल को हुई भीषण ओलावृष्टि ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है, जिससे कुफरी और ठियोग जैसे इलाकों में जमीन पर ओलों की तीन इंच मोटी सफेद चादर बिछ गई है। गुरुवार को दोपहर के समय अचानक हुए मौसमी बदलाव के कारण राजधानी में दिन में ही अंधेरा छा गया और सड़कों पर भारी फिसलन होने से यातायात बाधित हुआ। इस प्राकृतिक आपदा का सबसे दर्दनाक पहलू कृषि क्षेत्र पर पड़ा है, जहाँ सेब के बागानों के साथ-साथ मटर और फूलगोभी की नकदी फसलें पूरी तरह तबाह हुई हैं, जिससे बागवानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखकर शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों के लिए तत्काल तूफान और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है, जबकि चंबा, कांगड़ा और कुल्लू जैसे क्षेत्रों को भी येलो अलर्ट पर रखा गया है। आगामी छह दिनों तक राज्य में मौसम के इसी तरह खराब रहने के आसार हैं, जिसमें 40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चलने वाली हवाएं और रुक-रुक कर होने वाली बारिश शामिल है। विशेष रूप से 3 और 4 मई को पूरे प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

केजरीवाल के शीशमहल-2 की तस्वीरें आई सामने, भाजपा के आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल हाल ही में अपने नए सरकारी आवास में शिफ्ट हुए हैं। उनके इस नए पते को लेकर राजनीतिक गलियारों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। जहां एक ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केजरीवाल के इस नए बंगले को शीशमहल-2 करार देते हुए इसकी साज-सज्जा पर भारी खर्च के आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सोमनाथ भारती ने केजरीवाल के साथ उनके आवास के भीतर की एक नई तस्वीर साझा कर इन दावों पर पलटवार किया है।

सोमनाथ भारती द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई इस तस्वीर में केजरीवाल एक बेहद सामान्य कमरे में बैठे नजर आ रहे हैं। तस्वीर में दोनों नेता एक सोफे के पास खड़े हैं और सामने एक छोटी स्टूल पर डायरी व पेन रखा हुआ है। भारती ने इस तस्वीर के साथ लिखा कि वह अपने नेता की इस बात के प्रशंसक हैं कि वे हर विचार को तुरंत नोट करते हैं और उस पर काम शुरू कर देते हैं। उन्होंने एक दिलचस्प टिप्पणी करते हुए यह भी कहा कि केजरीवाल को आवंटित होने वाला हर नया घर प्रधानमंत्री आवास के और करीब होता जा रहा है, जो भविष्य के राजनीतिक संकेतों की ओर इशारा करता है। आम आदमी पार्टी ने इन आरोपों का कड़ा खंडन किया है। पार्टी की मुख्य प्रवक्ता ने भाजपा द्वारा दिखाई गई तस्वीरों को इंटरनेट से डाउनलोड की गई फर्जी तस्वीरें बताया है। आप ने पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा झूठ और भ्रम फैलाकर जनता को गुमराह कर रही है। सोमनाथ भारती द्वारा साझा की गई नई तस्वीर को पार्टी ने यह दिखाने के प्रयास के तौर पर पेश किया है कि केजरीवाल का जीवन और आवास साधारण है। फिलहाल, इस नए आवास को लेकर दिल्ली की राजनीति में जुबानी जंग तेज हो गई है। केजरीवाल अब 95, लोधी एस्टेट स्थित टाइप-7 सरकारी बंगले में रह रहे हैं, जो उन्हें एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष होने के नाते केंद्र सरकार द्वारा आवंटित किया गया है। भाजपा ने इस बंगले की विलासिता को लेकर हमला बोला है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि इस घर में सुविधाओं के लिए निजी धन खर्च किया गया है और इसकी साज-सज्जा किसी आम आदमी की नहीं बल्कि उच्चवर्गीय व्यक्ति की पसंद है। उन्होंने कुछ फर्नीचर की तस्वीरें साझा कर इसे शीशमहल के पुराने विवाद से जोड़ने की कोशिश की।

पुरी जगन्नाथ मंदिर में लागू होगा सख्त ड्रेस कोड

जींस-पैंट पहनकर महिलाओं के प्रवेश पर लग सकती है रोक

पुरी (एजेंसी)। दक्षिण भारत के प्रसिद्ध मंदिरों की तर्ज पर अब ओडिशा के विश्वप्रसिद्ध 12वीं शताब्दी के श्री जगन्नाथ मंदिर में भी श्रद्धालुओं के लिए औपचारिक पोशाक नियम (ड्रेस कोड) लागू करने की तैयारी तेज हो गई है। ओडिशा राज्य विधि आयोग ने राज्य सरकार को सिफारिश भेजी है कि मंदिर की पवित्रता और हिंदू सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए एक विशिष्ट ड्रेस कोड को कानूनी रूप दिया जाए। इस सिफारिश में विशेष रूप से महिलाओं के जींस, पैंट या शर्ट पहनकर मंदिर में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया गया है।

न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता वाली विधि समिति ने सुझाव दिया है कि श्री जगन्नाथ मंदिर अधिनियम में संशोधन कर पोशाक संहिता की स्पष्ट परिभाषा जोड़ी जानी चाहिए। आयोग के अनुसार, मंदिर में प्रवेश करने वाले श्रद्धालुओं का पहनावा हिंदू संस्कृति के अनुरूप होना चाहिए। प्रस्तावित नियमों के तहत, पुरुष तीर्थयात्रियों के लिए धोती-कुर्ता, पैंट-कमीज, चूड़ीदार-पजामा या कंधे पर गमछा रखना निर्धारित किया गया है। वहीं, 10 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए साड़ी-ब्लाउज या सलवार-कमीज अनिवार्य करने का सुझाव है। 10 वर्ष से कम आयु की लड़कियां फ्रॉक या गाउन पहन सकेंगी, लेकिन महिलाओं के लिए पश्चिमी परिधानों जैसे जींस और शर्ट पर पूरी तरह रोक की सिफारिश की गई है।

हालांकि, मंदिर प्रशासन ने 1 जनवरी 2024 से ही हाफ पैंट, फटी जींस और बिना आस्तीन के कपड़ों पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी, लेकिन कानूनी प्रावधानों की कमी के कारण इसे प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया जा सका। शोधकर्ताओं का मानना है कि अधिनियम में संशोधन होने से मंदिर की मर्यादा और आध्यात्मिक वातावरण को बल मिलेगा। पूर्व मंदिर प्रशासक प्रदीप दास के अनुसार, शालीन वस्त्र केवल दिखावा नहीं, बल्कि भक्त के भीतर विनम्रता और शांति का भाव जागृत करते हैं, जिससे वे आध्यात्मिक रूप से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। दूसरी ओर, कुछ विद्वानों का मत है कि इस नियम को बदलते सामाजिक परिवेश और विदेशी पर्यटकों की जरूरतों को देखते हुए संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाना चाहिए। मंदिर प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उनका उद्देश्य किसी को रोकना नहीं, बल्कि मंदिर की गरिमा बनाए रखना है। वर्तमान में राज्य का विधि विभाग इन सिफारिशों पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। यदि इसे मंजूरी मिलती है, तो पुरी आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए यह एक बड़ा बदलाव होगा।

विजय क्या केजरीवाल जैसी सफलता हासिल करेंगे या प्रशांत की तरह होगा हश्र?

तमिलनाडु विधानसभा के एग्जिट पोल के नतीजों ने छेड़ दी राजनैतिक बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं। इन अनुमानों ने तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) को लेकर सबसे दिलचस्प सवाल खड़ा हो गया है कि क्या विजय थलपति दिल्ली में अरविंद केजरीवाल जैसी बड़ी सफलता हासिल करने वाले हैं या फिर उनका हश्र प्रशांत किशोर के बिहार प्रयोग जैसा होगा। इसका जवाब, कम से कम आज के लिए इस बात पर निर्भर करता है कि कोई किस एग्जिट पोल पर भरोसा कर रहा है। ज्यादातर अनुमान टीवीके को 10-24 सीटें मिलने का लगा रहे हैं, जो कि एक शानदार शुरुआत है।

ज्यादातर एक्जिट पोलों के मुताबिक विजय की पार्टी मुख्य दावेदार होने के बजाय खेल बिगाड़ने की भूमिका में हो सकती है। कुछ पोलों ने टीवीके के लिए 10-12 सीटों का अनुमान लगाया है, जबकि पीपुल्स प्लस इसे 18-24 सीटों के साथ ज्यादा मजबूत स्थिति में बता रहा है। एग्जिट पोल्स के नतीजे बता रहे हैं कि शहरी और युवा वोटरों के बीच विजय की पार्टी की अच्छी पकड़ है। इस स्थिति में विजय की पार्टी मौजूदा सरकार के खिलाफ पड़ने वाले वोटों को बांट सकती है, जिससे परोक्ष रूप से डीएमके को फायदा हो सकता है, लेकिन एक ऐसा अनुमान भी सामने आया जो सबसे अलग है। एक्सिस माय इंडिया ने टीवीके की सीटों में जबरदस्त उछाल का अनुमान लगाया है, जिसके मुताबिक विजय की पार्टी को 98-120 सीटें मिल सकती हैं। अगर 4 मई को ये आंकड़े सच साबित होते हैं, तो विजय रातों-रात तमिलनाडु की राजनीति के केंद्र में आ जाएंगे। ऐसा होने पर विजय, केजरीवाल की लीग में शामिल हो जाएंगे। एक ऐसा नया चेहरा जो न सिर्फ अपनी जगह बनाता है, बल्कि राज्य की राजनीति का केंद्र बन जाता है और विजय के पास अपनी सुपरस्टार थलाइवर वाली छवि भी है। एक ऐसी चीज जो तमिलनाडु में सालों से काम करती आई है, जैसा कि एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता के उभार के समय देखा गया था।

हालांकि 2013 के दिल्ली चुनाव के विपरीत जहां केजरीवाल सिर्फ भ्रष्टाचार-विरोधी लहर के सहारे आगे बढ़े थे तमिलनाडु का चुनावी मुकाबला काफी पेचीदा है, यह द्रविड़ राजनीति, मजबूत पार्टी तंत्र और दशकों पुरानी मतदाताओं की वफादारी में गहराई से जुड़ा हुआ है। टीवीके का अच्छा प्रदर्शन भी सत्ता नहीं दिला सकता, जब तक कि वह अपनी लोकप्रियता को बूथ-स्तर तक न पहुंचा दे। एक ऐसा क्षेत्र जहां डीएमके और अन्नाद्रमुक जैसे स्थापित खिलाड़ियों को स्पष्ट बढ़त हासिल है।

अगर टीवीके का प्रदर्शन अनुमानों के निचले दायरे में ही रहता है, तो भी वह सत्ता के लिए तत्काल चुनौती पेश किए बिना, वोटों के हिस्से और भविष्य के गठबंधनों को बदलने में कामयाब हो सकता है। तो क्या विजय अगले ऐसे बाहरी नेता हैं जो अपनी लहर को जनादेश में बदल सकते हैं, जैसा कि कभी केजरीवाल ने किया था? या फिर वह भी किशोर की शुरुआती राजनीतिक कोशिशों की तरह कोई खास असर छोड़ने में नाकाम रहेंगे? इस सवाल का जवाब तो 4 मई को ही साफ हो पाएगा।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई सीएमआईएस पोर्टल की समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में सीएमआईएस पोर्टल पर माह अप्रैल 2026 पर प्रदर्शित परियोजनाओं की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। सीएमआईएस पोर्टल पर माह अप्रैल 2026 में प्रदर्शित 331 परियोजनाओं में से 191 परियोजनायें पूर्ण कर ली गयी है तथा 140 परियोजनाएं गतिमान है। पैक्सफेड, एसएचसीसी, सीएण्डडीएस, जल निगम शहरी ,आवास विकास संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यो में 15 परियोजनायें कार्य पूर्ण करने की अवधि से विलम्बित चल रही है। विलम्बित परियोजनाओं में 3 परियोजनायें पूर्ण कर ली गयी है। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि ऐसी सभी परियोनायें जिनके कार्य पूर्ण करने की अवधि माह मई एवं जून 2026 तक समाप्त हो रही है। ऐसी सभी परियोजनाओं के कार्य पूर्ण करने की अवधि को पोर्टल पर पुनरीक्षित करवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करें तथा ऐसी समस्त परियोजनायें जो माह मई 2026 तक पूर्ण हो रही है, उनको स्थान्तरित करने हेतु शासनादेश भवन हस्तगत का पालन करते हुये हस्थान्तरण समिति गठित कर हस्तगत की कार्यवाही पूर्ण करें एवं सीएमआईएस पोर्टल पर अपडेट कर दें। मुख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद में मुख्यमंत्री के संभावित जनपद भ्रमण निरीक्षण एवं विकास कार्यों की समीक्षा के सम्बन्ध में दिशा निर्देश निर्गत किये गये है। समस्त विभाग में अपने कार्यालयों अभिलेखों शिकायत रजिस्टर, साफ-सफाई आदि आवश्यक तैयारियां करने के निर्देश दिए गए इसमें किसी प्रकार के लापरवाही पाए जाने पर स्वयं उत्तरदायी होगें। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी डॉ. राजीव कुमार श्रीवास्तव एवं समस्त कार्यदायी संस्थाओ के प्रमुख ने भाग लिया।

डीएम ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मॉंदड़ द्वारा जनपद के कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और रखरखाव का जायजा लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस में सुरक्षा, साफ-सफाई और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिये जाने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का नियमित रूप से पालन किया जाए। वेयरहाउस में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर दुरुस्त रखी जाएं। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों मे सुभाष चन्द्र शर्मा भारतीय जनता पार्टी, इस्माइल खान कांग्रेस, ताहिर हुसैन समाजवादी पार्टी, मनोज कुमार बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन से एडीएम एल/ए अवनीश सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे ।

अग्नि सुरक्षा के लिए जीडीए का बड़ा कदमः 100 करोड़ के बजट को बोर्ड की हरी झंडी

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शहर में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और गगनचुंबी इमारतों की सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने एक बड़ा निर्णय लिया है। प्राधिकरण ने अग्निशमन विभाग को हाई-टेक बनाने और संसाधनों को मजबूत करने के लिए 100 करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि स्वीकृत की है। इस प्रस्ताव को बोर्ड से परिचालन (सकुर्लेशन) के माध्यम से मंजूरी मिल गई है।

अग्निशमन विभाग को हस्तांतरित होगी राशि

जीडीए ने इस वित्तीय स्वीकृति के बाद अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग को आधिकारिक पत्र भेज दिया है। पत्र में विभाग से उनके बैंक खाते और आवश्यक विवरण मांगे गए हैं, ताकि स्वीकृत धनराशि को बिना किसी देरी के जल्द से जल्द स्थानांतरित किया जा सके।

102 मीटर ऊँचाई तक होगा 'रेस्क्यू'

इस योजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा अत्याधुनिक मशीनों की खरीद है। प्राधिकरण की योजना के अनुसार, गाजियाबाद को 02 ऐसी हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म मशीनें मिलेंगी जो 102 मीटर की ऊँचाई तक काम करने में सक्षम होंगी। वर्तमान में ऊँची सोसायटियों और कमर्शियल टावरों में आग लगने की स्थिति में यह मशीनें गेम-चेंजर साबित होंगी, जिससे ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोगों को त्वरित और सुरक्षित बाहर निकाला जा सकेगा।

जनसुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

प्रदेश सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए जीडीए प्रशासन इस योजना को युद्ध स्तर पर लागू करने में जुटा है। अधिकारियों का कहना है किः यह कदम अग्निशमन विभाग की कार्यक्षमता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

शहर अब आपदा प्रबंधन और आग जैसी घटनाओं से निपटने के लिए पहले से कहीं अधिक तैयार होगा। धनराशि मिलते ही विभाग नई मशीनों और उपकरणों की खरीद प्रक्रिया शुरू कर देगा।

इस पहल से न केवल शहर का सुरक्षा ढांचा मजबूत होगा, बल्कि गाजियाबाद के नागरिकों को ऊँची इमारतों में रहने के प्रति और अधिक सुरक्षित वातावरण का एहसास होगा।

जनगणना 2027 : द्वितीय चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

बिजनौर (शिखर समाचार)। आगामी जनगणना-2027 के सफल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा तैयारियों को तेज गति दी जा रही है। इसी क्रम में राजा ज्वाला प्रसाद आर्य इंटर कॉलेज में आयोजित द्वितीय चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर (28 से 30 अप्रैल) गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन 29 अप्रैल को जनगणना कार्य निदेशालय, लखनऊ के जिला प्रभारी जे.पी. यादव ने प्रातः 9 बजे प्रशिक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे तीनों बैचों के प्रगणकों और पर्यवेक्षकों से सीधे संवाद करते हुए जनगणना कार्य के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने विशेष रूप से आंकड़ों की शुद्धता, समयबद्धता और गोपनीयता बनाए रखने पर जोर दिया।

30 अप्रैल को प्रशिक्षण के अंतिम दिन भी जिला प्रभारी जे.पी. यादव की देखरेख में मास्टर प्रशिक्षकों ने सभी प्रगणकों को तकनीकी एवं व्यावहारिक पहलुओं की गहन जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान डिजिटल उपकरणों के उपयोग, प्रपत्र भरने की विधि तथा घर-घर जाकर आंकड़े संकलन की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया।

प्रशिक्षण शिविर की समाप्ति के साथ ही जनगणना-2027 के द्वितीय चरण से संबंधित कार्यों को विधिवत पूर्ण कर लिया गया। प्रशासन को उम्मीद है कि इस प्रशिक्षण से जुड़े कार्मिक आगामी जनगणना कार्य को अधिक दक्षता और पारदर्शिता के साथ संपन्न करेंगे। इस अवसर पर जनगणना चार्ज अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी विकास कुमार, कर अधीक्षक नरेन्द्र पाल सिंह यादव, सफाई निरीक्षक गोविन्द कुमार, लिपिक नदीम अहमद खान, नीरज कुमार रवि, अब्दुल रशीद और आसिम सहित अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला जन आक्रोश पदयात्रा में जोरदार विरोध, अखिलेश यादव का पुतला दहन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। भाजपा नगर अध्यक्ष के नेतृत्व में महिला जन आक्रोश पदयात्रा के तहत नारी वंदन विधेयक को लेकर विपक्ष की भूमिका के विरोध में महिलाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला दहन कर आक्रोश जताया। गुरुवार को भाजपा से जुड़ी दर्जनों महिलाएं नगर पालिका परिसर में एकत्र हुईं। यहां से नगर मंडल अध्यक्ष अंजलि सौरव मित्तल, मान्या मित्तल, तारु, शिविका मित्तल, इंदु ठुकराल के नेतृत्व में पदयात्रा शुरू हुई, जो मुख्य मार्ग से होती हुई गांधी प्रतिमा तक पहुंची। इस दौरान महिलाओं ने हाथों में तख्तियां और पोस्टर लिए हुए थे, जिन पर नारी शक्ति का स्वाभिमान, विपक्ष ने किया अपमान, जो महिलाओं का अपमान करेगा, वह राजनीति से मिट जाएगा और नारी का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारे लिखे थे। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव सहित विपक्षी नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। गांधी प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर भाजपा कार्यकताओं और महिलाओं ने संयुक्त रूप से अखिलेश यादव का पुतला दहन किया। इस मौके पर अंजलि सौरव मित्तल ने कहा कि भाजपा सरकार ने सदन में नारी वंदन अर्थात 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक प्रस्तुत किया था, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण इसे पारित नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान के मुद्दे पर विपक्ष की भूमिका निराशाजनक रही है। प्रदर्शन में अंजलि सौरव मित्तल, इंदु ठुकराल, मान्या मित्तल, तारु, शिविका मित्तल, दीप्ति, रिया, नीलम कपूर, अलका विश्नोई, गीता, अनुराधा, निर्मला देवी, पुष्पा, जूली देवी, अनीता रानी, लता देवी, रोमन, रेखा देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निर्विका फाउंडेशन ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। प्रदूषण मुक्त वातावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से समाजसेवी संस्था निर्विका फाउंडेशन द्वारा पौधरोपण किया गया। इस दौरान प्रकृति के रक्षक माने जाने वाले नीम, पिलखन, पीपल जैसे छायादार पौधे रोपे गए। विश्व पृथ्वी माह के समापन पर गुरुवार को निर्विका फाउंडेशन के तत्वाधान में पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय एवं कन्या जूनियर हाईस्कूल प्रांगण में पौधरोपण किया गया। संस्था के सदस्यों ने छात्र छात्राओं के साथ मिलकर नीम, पीपल, पिलखन, चंपा आदि के पौधे रोपे। संस्था अध्यक्ष दीपक राठी ने कहा कि पेड़ पौधे हमारे सच्चे मित्र हैं, जो बिना कुछ मांगे हमें जीवनदायिनी ऑक्सीजन और छाया देते हैं। पर्यावरण संरक्षण हमारे जीवित रहने की पहली शर्त है। अपने जीवन के हर विशेष अवसर पर एक पौधा जरूर लगाएं। जब तक पृथ्वी हरी भरी है, तभी तक हमारा अस्तित्व सुरक्षित है। कार्यक्रम के दौरान संस्था उपाध्यक्ष ऊषा राठी, समाज सेवी संतोष देवी, प्रधानाचार्य धर्मेंद्र मलिक, मनोज सहरावत, वीना कुमारी, हर्ष चौधरी, अरुण आदि मौजूद रहे।

सेंट फ्रांसिस स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, इंटर व हाईस्कूल में शानदार प्रदर्शन

शामली। (शिखर समाचार) कैराना रोड स्थित सेंट फ्रांसिस स्कूल का परीक्षा परिणाम घोषित होते ही छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। टॉपर छात्र-छात्राएं मिठाई लेकर विद्यालय पहुंचे और शिक्षकों के साथ अपनी खुशी साझा की।

इंटरमीडिएट में अभय मलिक ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। अराध्या जैन ने 97.25 प्रतिशत के साथ दूसरा तथा अर्पित चंद्रा ने 97 प्रतिशत अंक लेकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। तनवी चौधरी (96.75%), अर्जुन बालियान (96.5%) और लक्ष्य सिंह (94.75%) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भव्य शर्मा (93.75%), अरव संगल, वंशिका चौधरी और कुमुद (93.5%) तथा आकाश शर्मा और यशुदेव निर्वाल (93.25%) ने भी अच्छे अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। हाईस्कूल में आदित्य गुप्ता ने 98.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिला टॉप किया। अविनी मित्तल और वंशिका मित्तल (97.4%), देवांश गर्ग और ध्रुव चौधरी (97%), लव भारद्वाज और वैष्णवी चौधरी (96.8%) ने शानदार प्रदर्शन किया। तपस्या, अनुश्री तायल और अदिति पांडे (95.6%), वाशु गुप्ता और हर्ष प्रीत (95.4%), माही तोमर (95.2%), जतिन संगल और मलविक (94.8%), शिवम (94.6%), अमन (94.4%) तथा वाणी खोकर (94%) ने भी उल्लेखनीय अंक प्राप्त किए। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में उत्सव जैसा माहौल रहा। छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और परिजनों ने मुंह मीठा कराकर आशीर्वाद दिया। सभी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय गुरुजनों और अभिभावकों को दिया।

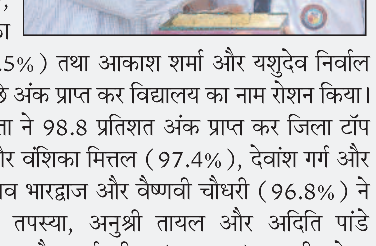

सर्विस रोड पर अवैध पार्किंग पर कार्रवाई, सेंट थॉमस स्कूल के बाहर कटे चालान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। इंदिरापुरम क्षेत्र के सेंट थॉमस स्कूल और मंगल बाजार चौराहे के पास लंबे समय से बनी ट्रैफिक अव्यवस्था पर आखिरकार कार्रवाई शुरू हो गई। वार्ड 87 में स्थित सेंट थॉमस स्कूल की सर्विस रोड पर निजी स्कूल वाहनों द्वारा अवैध रूप से पार्किंग कर सड़क को बाधित किया जा रहा था, जिससे आम राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस गंभीर समस्या को लेकर वार्ड 87 के निगम पार्षद अनुज त्यागी द्वारा पूर्व में महापौर, नगर निगम अधिकारियों एवं स्कूल प्रशासन को लिखित शिकायत दी गई थी। शिकायत में स्पष्ट रूप से सर्विस रोड पर हो रही अवैध पार्किंग को हटाने और यातायात व्यवस्था सुचारु करने की मांग की गई थी।

शिकायत के संज्ञान में आने के बाद आज ट्रैफिक पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए ट्रैफिक इंस्पेक्टर संजय त्यागी के नेतृत्व में मौके पर पहुंचकर नियमों का उल्लंघन कर खड़े किए गए वाहनों के चालान काटे। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया और अव्यवस्थित पार्किंग करने वालों में अफरा-तफरी का माहौल देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक पुलिस की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इस तरह की सख्ती जारी रहेगी, जिससे क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर हो सके और आम जनता को राहत मिल सके।

संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार, दोनों पैरों में लगी गोली

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। स्वाट टीम अपराध शाखा और थाना कौशाम्बी पुलिस ने संयुक्त कार्यवाही में ऑपरेशन करते हुए अब्दुल को गिरफ्तार किया है। अब्दुल को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया और उसके दोनों पैरों में गोली लगी। अब्दुल के खिलाफ थाना कौशांबी पर मुकदमा दर्ज किया गया था और पुलिस जब से ही उसकी तलाश में लगी हुई थी। पुलिस ने इसके कब्जे से 1 कुंडल पीली धातु, 1 अवैध तमंचा, 1 जिन्दा कारतूस, 2 खोखा कारतूस, बिना नंबर की स्पलेंडर मोटर साइकिल बरामद की। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि थाना क्षेत्र कौशांबी में 2/5 पुलिया रोड एलिवेटेड रोड के नीचे पुलिस चैकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान 1 बिना नंबर की स्पलेंडर मोटर साइकिल पर 2 व्यक्ति सामने से आते दिखाई दिये, जिसको पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया लेकिन पुलिस टीम से घिरता देख कर मोटर साइकिल सवार दोनों व्यक्ति मोटर साइकिल को मोड़कर वापस भागने लगे। पुलिस टीम के पीछा करने पर मोटर साइकिल सवार पुलिस पर फायरिंग करने लगे। पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें एक व्यक्ति के दोनों पैरों में गोली लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल को हिरासत में लेते हुए अस्पताल में भर्ती कराया। जबकि उसका दूसरा साथी अँधेरे का फायदा उठाते हुए मौके से फरार हो गया। घायल की पहचान अब्दुल के रूप में हुई है, वहीं पुलिस फरार आरोपी की तलाश में कमिंग कर रही है। पुलिस पकड़े गए आरोपी का आपराधिक इतिहास भी खंगाल रही है।

अंतरराष्ट्रीय अबेकस ओलंपियाड विजेता सूर्यांश देशवाल का बीएसएम स्कूल में भव्य सम्मान

शामली। (शिखर समाचार) शहर के बीएसएम स्कूल में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय अबेकस ओलंपियाड 2026 में चैंपियन ऑफ चैंपियंस का प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाले कक्षा 8 के छात्र सूर्यांश देशवाल के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार में उत्साह का माहौल रहा और शिक्षकों ने सूर्यांश की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनका जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य राहुल चौधरी, मैनेजर छाया सिंह, चेयरमैन सूर्यवीर सिंह तथा उपप्रधानाचार्या आशु पंडित द्वारा किया गया। सभी अतिथियों ने सूर्यांश को पुष्पमाला पहनाकर, प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान अंतरराष्ट्रीय अबेकस प्रतियोगिता से प्राप्त ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र और प्रशंसा-पत्र भी प्रदर्शित किए गए, जिन्हें देखकर अन्य विद्यार्थियों में भी खासा उत्साह देखने को मिला।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य राहुल चौधरी ने कहा कि सूर्यांश की सफलता यह दशार्ती है कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे सूर्यांश से प्रेरणा लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें।

मैनेजर छाया सिंह और चेयरमैन सूर्यवीर सिंह ने भी सूर्यांश को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां न केवल छात्र बल्कि पूरे विद्यालय का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करती हैं। समारोह के अंत में सभी ने सूर्यांश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ज्ञान भारत मिशन को लेकर बैठक, पाण्डुलिपियों के संरक्षण व डिजिटलीकरण पर जोर

मुजफ्फरनगर। (शिखर समाचार) ज्ञान भारतम्‌ मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में उपलब्ध प्राचीन पाण्डुलिपियों और दुर्लभ ग्रंथों की खोज, संरक्षण तथा उनके डिजिटलीकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी कंडारकर कमलकिशोर देशभूषण ने की। उन्होंने बताया कि इस मिशन का मुख्य उद्देश्य देश की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखते हुए उसे जनसामान्य तक पहुंचाना है। इसके तहत पाण्डुलिपियों और पुराने ग्रंथों को वैज्ञानिक पद्धति से संरक्षित कर डिजिटल रूप में परिवर्तित किया जा रहा है, ताकि छात्र, शोधकर्ता और आम नागरिक इनका लाभ उठा सकें। बैठक का संचालन करते हुए डॉ. रणवीर सिंह ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों, मंदिरों, मठों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, पुस्तकालयों तथा निजी व्यक्तियों के पास संरक्षित पाण्डुलिपियों की पहचान कर उनका सर्वेक्षण किया जाएगा। इसके पश्चात उनका विधिवत अभिलेखीकरण कर सुरक्षित रखा जाएगा और चरणबद्ध तरीके से डिजिटल मंचों पर उपलब्ध कराया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार श्रीदास ने कहा कि पाण्डुलिपियां और प्राचीन दस्तावेज हमारी सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इन्हें संरक्षित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि भावी पीढ़ियां इससे ज्ञान अर्जित कर सकें और अपनी परंपरा को समझ सकें। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जिले में अधिक से अधिक पाण्डुलिपियों की पहचान सुनिश्चित की जाए तथा समयबद्ध तरीके से उनका सर्वेक्षण और डिजिटलीकरण किया जाए, जिससे यह अमूल्य धरोहर सुरक्षित रह सके। बैठक में जिला स्तरीय समिति के सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान डॉ. रणवीर सिंह (पुस्तकालयाध्यक्ष, राजकीय जिला पुस्तकालय), आशीष द्विवेदी, संग्रहालय प्रभारी ममता रानी, डॉ. राजीव कुमार, प्रवेन्द्र दहिया, डॉ. कीर्ति वर्धन अग्रवाल, डॉ. मनुराधा, संजीव अग्रवाल, प्रोफेसर सचिन कुमार तथा स्वामी ओमानन्द महाराज के प्रतिनिधि ओमदत्त सहित अन्य सदस्यों ने सहभागिता की।

शासन की योजनाओं को गति देना प्राथमिकता : मुकेश चन्द्रा

हापुड़ (शिखर समाचार)। हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण के नव नियुक्त उपाध्यक्ष मुकेश चन्द्रा ने कहा कि केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों को गति दी जाएगी और आमजन को योजनाओं का सीधा लाभ दिलाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके कार्यालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुना जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर उसका निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। आमजन को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना पड़े, इसके लिए व्यवस्था को और अधिक सुचारु बनाया जाएगा।

मुकेश चन्द्रा ने अपने प्रशासनिक अनुभव के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि वह वर्ष 2004 बैच के प्रांतीय सिविल सेवा अधिकारी रहे हैं और वर्ष 2018 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत हुए। उनकी पहली तैनाती फिरोजाबाद में हुई थी। इसके बाद उन्होंने बरेली, मुरादाबाद सहित कई जनपदों में उप जिलाधिकारी के रूप में कार्य किया। मेरठ में नगर मजिस्ट्रेट के पद पर भी उन्होंने जिम्मेदारी निभाई। बहराइच में मुख्य विकास अधिकारी के रूप में कार्य करने के उपरांत शासन द्वारा उनका तबादला हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पद पर किया गया है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की विभिन्न आवासीय योजनाओं को गति देना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। इनमें आनंद विहार आवासीय योजना, प्रीत विहार प्रथम एवं द्वितीय आवासीय योजना, हरिपुर आवासीय योजना तथा गढ़मुक्तेश्वर स्थित गंगाधाम आवासीय योजना प्रमुख हैं। इन योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में सुव्यवस्थित आवासीय विकास को बढ़ावा दिया जाएगा।उपाध्यक्ष ने कहा कि वह प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक कार्यालय में बैठकर जनसुनवाई करेंगे, ताकि अंतिम व्यक्ति तक न्याय और समाधान पहुंच सके। उनका प्रयास रहेगा कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का समयबद्ध और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को भी निर्देशित किया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही न बरती जाए और कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बनाए रखी जाए।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में घायल पंप ऑपरेटर की मौत, चार दिन बाद टूटा दम

मोदीनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर चार दिन पहले हुए सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान गदाना गांव निवासी शमशाद के रूप में हुई है, जो नगर पालिका परिषद में पंप ऑपरेटर के पद पर कार्यरत था। जानकारी के अनुसार, 26 अप्रैल को शमशाद बाइक से किसी काम से जा रहा था। जैसे ही वह दिल्ली-मेरठ मार्ग पर मोदी मंदिर के पास पहुंचा, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद परिजनों और राहगीरों की मदद से उसे तत्काल मेरठ के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा था। हालांकि, हालत गंभीर होने के चलते चार दिन बाद उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और टक्कर मारने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है।

श्रमिक दिवस पर जिले में मेगा हेल्थ कैंप का बड़ा आयोजन, 201 केंद्रों पर मिलेगा मुफ्त इलाज

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 01 मई को श्रमिक दिवस के अवसर पर जनपद गौतमबुद्ध नगर में मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा, जिसमें जिलेभर के श्रमिकों को निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

इस बार यह अभियान और अधिक व्यापक हो गया है। जहां पहले सीमित संख्या में निजी अस्पताल शामिल थे, वहीं अब कुल 67 निजी अस्पतालों ने स्वेच्छा से इस अभियान में भागीदारी सुनिश्चित की है। इनमें यथार्थ, मैक्स, मेदांता, फोर्टिस, फेलिक्स और शारदा जैसे प्रमुख अस्पताल भी शामिल हैं।

इस प्रकार अब 134 सरकारी अस्पतालों एवं हेल्थ वेलनेस सेंटर के साथ-साथ 67 निजी अस्पतालों सहित कुल 201 स्थानों पर श्रमिकों को मुफ्त जांच, परामर्श और दवाइयों की सुविधा मिलेगी। प्रशासन का मानना है कि इस पहल से अधिक से अधिक श्रमिक लाभान्वित होंगे और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी।

टेट अनिवार्यता मामले में नई उम्मीद, सुप्रीम कोर्ट 13 मई को करेगा खुली सुनवाई

ग्रेटर नोएडा(शिखर समाचार)। आरटीई के तहत पूर्व में नियुक्त शिक्षकों के लिए टेट अनिवार्यता के मुद्दे पर एक बार फिर नई उम्मीद जगी है। सुप्रीम कोर्ट ने 01 सितंबर 2025 के आदेश के खिलाफ दायर रिव्यू याचिकाओं को स्वीकार करते हुए 13 मई को ओपन कोर्ट में सुनवाई का निर्णय लिया है।

इस मामले में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से मेघराज सिंह मुख्य याची हैं, जबकि उनके साथ 232 अन्य शिक्षकों ने भी याचिका दायर की है। यह फैसला उन शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो लंबे समय से इस अनिवार्यता के विरोध में संघर्ष कर रहे हैं।

जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने बताया कि शिक्षकों के अधिकारों की रक्षा के लिए यह लड़ाई लगातार लड़ी जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और उम्मीद है कि अदालत उनके हित में संतुलित और न्यायसंगत निर्णय देगी।

मोदीनगर में पशु अवशेष मिलने से हंगामा, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के सारा गांव के जंगल में बृहस्पतिवार सुबह पशुओं के अवशेष मिलने से ग्रामीणों और हिंदू संगठनों से जुड़े लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने मौके पर जमकर हंगामा किया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई। जानकारी के अनुसार सुबह ग्रामीणों ने गोविंदपुरी-सारा मार्ग पर गन्ने के खेत में पशुओं के अवशेष पड़े देखे। खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। कुछ ही देर में हिंदू संगठनों से जुड़े लोग भी पहुंच गए और अवशेषों को एकत्र कर सड़क पर रखकर सारा मार्ग जाम कर दिया। सूचना मिलते ही निवाड़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन बढ़ते आक्रोश को देखते हुए आसपास के थानों की पुलिस फोर्स भी बुलानी पड़ी। प्रदर्शन कर रहे लोग आरोपियों के एनकाउंटर की मांग कर रहे थे और पुलिस पर कथित मिलीभगत के आरोप भी लगा रहे थे। स्थिति को संभालने के लिए एसीपी भास्कर वर्मा मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने अवशेषों को मिट्टी में दबवाया और मार्ग को सुचारु कराया। एसीपी ने बताया कि मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी गई है और जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

राहत की बूंदों से धड़ाम हुआ पारा

रिमझिम बारिश से बदला मौसम, भीषण गर्मी से मिली राहत

मेरठ, एजेंसी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच आखिरकार राहत की बूंदों ने लोगों को सुकून दिया है। मंगलवार देर रात शुरू हुई तेज हवाओं और रिमझिम बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया, जिससे तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई और लोगों को तपिश से राहत मिली।

तेज हवाओं और बादलों से बदला मौसम

बुधवार सुबह तक आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवाएं चलती रहीं। पिछले कई दिनों से 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच रहा तापमान लोगों को परेशान कर रहा था। दिन में चल रही लू और चिलचिलाती धूप से जनजीवन प्रभावित हो गया था, लेकिन रात में बदले मौसम ने माहौल को सुहावना बना दिया।

बादलों की आवाजाही जारी

सुबह के समय भी बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे तेज धूप का असर कम हो गया और लोगों ने राहत भरे मौसम का आनंद लिया।

2 मई तक मिला-जुला रहेगा मौसम

मोदीपुरम स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. यूपी शाही के अनुसार 2 मई तक मौसम का मिजाज मिला-जुला बना रह सकता है। इस दौरान बीच-बीच में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है, जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती है और फिलहाल हीट वेव से राहत मिलेगी।

किसानों के लिए भी राहत

इस बारिश से किसानों को भी राहत मिलने की उम्मीद है। खेतों में खड़ी फसलों को नमी मिलने से फायदा होगा, हालांकि अत्यधिक बारिश होने पर नुकसान की संभावना भी बनी रहती है। फिलहाल पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मौसम सुहावना बना हुआ है और लोगों को भीषण गर्मी से कुछ दिनों के लिए राहत मिल गई है।

सड़कों पर बेखौफ नियम तोड़ रहे लोग

अगरा, एजेंसी। आगरा में हर रोज हजारों लोग यातायात नियमों को तोड़ते हैं फिर भी ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त की कार्रवाई नहीं होती है। पिछले एक वर्ष में कोई भी लाइसेंस निरस्त नहीं हुआ है। संभागीय परिवहन विभाग (आरटीओ) ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई करता है। ऐसे में हादसे रोकना चुनौती बनता जा रहा है।

यातायात नियम तोड़ने पर जुर्माने की रकम अधिक कर दी गई लेकिन कार्रवाई के नाम पर सख्ती नजर नहीं आती है। संभागीय परिवहन विभाग में एक भी मामला ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने का नहीं है। जबकि तीन बार लगातार चालान होने पर लाइसेंस निरस्त करने का दावा किया जाता है। हेलमेट, सीट बेल्ट, रेड लाइट आदि मामलों में कोई न कोई हर रोज यातायात नियम तोड़ता है।इन मामलों में चालान भी किए जाते हैं लेकिन आरटीओ ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन तक की कार्रवाई तक सीमित रहता है। हर माह विभाग के पास 40 से 50 मामले ड्राइविंग लाइसेंस पर कार्रवाई के आते हैं। इन सभी को तीन माह के लिए निलंबित किया जाता है। इसकी एक वजह लाइसेंस निरस्त करने की लंबी प्रक्रिया होना भी है। इस वजह से यातायात नियम तोड़ने वालों में कार्रवाई का भय लगातार कम हो रहा है। संभागीय परिवहन विभाग के रिकॉर्ड पर नजर डालें, तो ड्राइविंग लाइसेंस पर कार्रवाई की सच्चाई सामने आती है। वर्ष 2025 में विभाग की तरफ से 177 और एक जनवरी से 31 मार्च 26 तक 117 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। लाइसेंस निलंबन का समय तीन माह तक रहता है। इसके बाद चालक दोबारा से ड्राइविंग लाइसेंस का प्रयोग कर सकता है। ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करना आरटीओ अधिकारियों के लिए आसान नहीं है। नियम के हिसाब से पहले लाइसेंस धारक को तीन नोटिस जारी करने होते हैं।

पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन न होने पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब, 19 मई मिली तारीख

लखनऊ, एजेंसी। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने प्रदेश में पंचायत चुनाव से पूर्व पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन अब तक न हो पाने के मामले मेंअपर मुख्य सचिव /प्रमुख सचिव पंचायती राज अनिल कुमार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 19 मई की तिथि नियत की है।

न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की एकल पीठ ने यह आदेश स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव की अवमानना याचिका पर दिया है। याचिका में उत्तर प्रदेश में पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन न हो पाने पर अवमानना की कार्यवाही चलाए जाने की मांग की गई है।

याचिका में 4 फरवरी 2026 के हाईकोर्ट के एक आदेश का हवाला देते हुए कहा गया है कि राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को भरोसा दिलाया गया था कि पंचायत चुनाव से पहले पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर लिया जाएगा और संबंधित कानून के तहत इस आयोग के रिपोर्ट के आधार पर ही ओबीसी आरक्षण लागू किया जाएगा। सरकार की ओर से आए इस जवाब के आधार पर हाईकोर्ट ने संबंधित याचिका को निस्तारित कर दिया था। मौजूदा अवमानना याचिका में इसी आदेश का हवाला देते हुए कहा गया है कि राज्य सरकार की ओर से आश्वासन दिए जाने के बावजूद अब तक उक्त आयोग का गठन नहीं किया गया, जो कोर्ट की अवमानना की परिधि में आता है।

तापमान बढ़ते ही बर्न वार्ड फुल, मंडलीय अस्पताल में 25 मरीज भर्ती

वाराणसी, एजेंसी। जिले में 40 डिग्री से अधिक तापमान बढ़ते ही अस्पतालों में जलने के केसे भी आने लगे हैं। आम दिनों में खाली रहने वाला मंडलीय अस्पताल इस समय मरीजों से भर गया है। यहां कुल 25 मरीज भर्ती हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इनमें करीब 70 फीसदी युवा हैं, जिनकी उम्र 20 से 45 वर्ष के बीच है। अस्पताल के स्किन रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि सिंह बताते हैं कि इन मरीजों में गैस सिलिंडर से झुलसे, खेतों में आग बुझाने में जले, बिजली शॉट सर्किट से घायल समेत कई लोग भर्ती हैं। अस्पताल में शिफ्टवार तरीके से तीन चिकित्सकों और अन्य मेडिकल स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। सभी के शरीर का तापमान मेंटेन रखते हुए सिल्वर नाइट्रेट लगाया जा रहा है। इसके अलावा गंभीर रूप से घायल मरीजों को एंटीबायोटिक इंजेक्शन देकर भी ठीक किया जा रहा है।

जिले में बर्न के मरीजों के इलाज के लिए केवल मंडलीय अस्पताल में 25 बेड का बर्न वार्ड बनाया गया है। इसके अलावा बीएचयू में सात बेड का वार्ड बनाया गया है लेकिन आपात स्थिति में मरीजों को बेड भी नहीं मिल पाता है। इसके बाद मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। वहीं मंडलीय अस्पताल में बीते 10 वर्षों से प्लास्टिक सर्जन की कमी चल रही है। मंडलीय अस्पताल में भर्ती मरीजों को प्लास्टिक सर्जन की आवश्यकता पड़ते ही उन्हें बीएचयू के लिए रेफर कर दिया जाता है।

आग से जलने पर क्या करें

जले हुए हिस्से पर तुरंत ठंडा पानी (नल का पानी) तब तक डालें जब तक जलन कम न हो जाए (कम से कम 10-15 मिनट)।

यदि जले हुए हिस्से पर कोई कपड़ा, अंगूठी, घड़ी या गहने हैं, तो उन्हें सूजन आने से पहले सावधानीपूर्वक उतार दें।

प्राथमिक उपचार के बाद घाव को एक साफ, सूखे और चिपचिपा न होने वाले कपड़े (जैसे मलमल का कपड़ा या स्टरलाइज्ड गेज) से ढीला ढंक दें।

यदि मरीज होश में है, तो उसे ओआरएस का घोल, पानी या तरल पदार्थ पिलाएं ताकि शरीर में पानी की कमी न हो।

यदि जलन का क्षेत्र बड़ा है, चेहरा, हाथ या जोड़ जले हैं, तो तुरंत अस्पताल जाएं।

क्या न करें

जले हुए स्थान पर कभी भी सीधे बर्फ न रगड़ें। इससे रक्त संचार रुक सकता है और त्वचा के ऊतक डैमेज हो सकते हैं।

अक्सर लोग जले पर टूथपेस्ट, मक्खन, घी या तेल लगा देते हैं। यह सबसे बड़ी गलती है। ये चीजें गर्मी को त्वचा के अंदर ही रोक देती हैं और संक्रमण का खतरा बढ़ा देती हैं।

यदि कपड़ा जलकर त्वचा से चिपक गया है, तो उसे जबरदस्ती न खींचें। केवल आस-पास का कपड़ा काट दें और डॉक्टर की मदद लें।

घाव पर सीधी रुई कभी न रखें, क्योंकि इसके रेशे घाव में चिपक जाते हैं और बाद में ड्रेसिंग निकालते समय असहनीय दर्द और चोट देते हैं।

काशी के जीआई क्राफ्ट से बने संसद, मोर, मुखौटा नमो घाट का मॉडल प्रधानमंत्री को किया भेंट

वाराणसी, एजेंसी। नारी वंदन सम्मेलन में मातृशक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत काशी के जीआई टैग प्राप्त हस्तशिल्प उत्पादों से किया। पहली बार किसी एक मंच से प्रधानमंत्री को एक साथ छह जीआई पंजीकृत उत्पाद उपहार स्वरूप भेंट किए गए। मंच पर महिला पार्षदों, ग्राम प्रधानों और प्रबुद्ध महिलाओं ने प्रधानमंत्री को काशी की विरासत से जुड़ी यह विशेष सौगात भेंट की।

डॉ. रजनीकांत ने बताया कि पहली बार काष्ठ कला के माध्यम से भारत के नए संसद भवन के लोकसभा कक्ष का सूक्ष्म मॉडल तैयार किया गया। इसे बनारस के तीसरी पीढ़ी के युवा शिल्पी राजकुमार ने अपने सहयोगियों संजय प्रजापति और सनोज पेंटर के साथ एक सप्ताह की मेहनत से तैयार किया। 24 इंच आकार की इस कलाकृति को जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या ने प्रधानमंत्री को भेंट किया।

इसके अलावा रामनगर के स्टेट अवॉर्डी शिल्पी बच्चा लाल मौर्य द्वारा निर्मित सॉफ्ट स्टोन जाली क्राफ्ट का ÷मोर के भीतर मोर÷ शिल्प मोहिनी झंवर ने दिया। काष्ठ कला से बनी पंचमुखी गणेश प्रतिमा डॉ. इंदू सिंह ने भेंट की। बनारसी जरदोजी से तैयार नए संसद भवन की फ्रेमयुक्त कलाकृति को तीसरी पंक्ति की महिलाओं ने भेंट किया। नीरजा माधव ने नमो घाट का प्रतीक चिह्न और पेपर मैशे क्राफ्ट से तैयार मां दुर्गा का भव्य मुखौटा दूसरी पंक्ति की महिलाओं ने प्रधानमंत्री को भेंट किया।

प्रधानमंत्री के साथ मंच पर जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, जिला पंचायत सदस्य स्वाति सिंह, प्रमुख क्षेत्र पंचायत रेनू पटेल के अलावा 14 ग्राम प्रधान रहीं। इन प्रधानों में सावित्री देवी, मनबसा देवी, अमरावती देवी, मीनू सिंह, रामा देवी, रीवा सोनकर, अर्चना देवी, पूजा देवी, रीतू देवी, शीला देवी, नीलम पाल, प्रेमलता मिश्रा, रेनू सिंह, सुचिता देवी रहीं।

बरेका के मंच पर पीएम के साथ नगर निगम की 22 पार्षद रहीं। इनमें संजू सरोज, लीला, मंजू देवी, इंद्रा रानी, मोनिका यादव, कुसुम, सुशीला, माधुरी सिंह, गीता सिंह, गिरिजा, गरिमा सिंह, कौशिल्या, उर्मिला, बेबी, सीमा वर्मा, शांति देवी, शेषमणि, रीता देवी, सुशीला, अनीता, अंजनी, कनकलता मिश्रा शामिल रहीं।

भाजपा नेता समेत 80 लोगों के खिलाफ एफआईआर, मवाना थाने में शव रखकर हंगामा करने, पुलिस से गालीगलौज का आरोप

मेरठ, एजेंसी। हस्तिनापुर निवासी सुमित के शव को मवाना थाने में रखकर हंगामा करने के मामले में पुलिस ने भाजपा नेता रवि गोला सहित पांच को नामजद व लगभग 70-80 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि इनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

हस्तिनापुर निवासी सुमित और शुभम पाल रविवार शाम को मोबाइल ठीक कराने के लिए बाइक से मवाना आ रहे थे। जैसे ही ये लोग रजबहा पार कर बामनी वाले मंदिर के पास पहुंचे तो दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस से मेरठ अस्पताल भिजवाया और क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया था। मेरठ ले जाने के दौरान सुमित ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया था। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार शाम 4.15 बजे के आसपास परिजन सुमित का शव थाने में लेकर पहुंचे। शव को थाने के अंदर रखकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि सुमित की मौत नील गाय से बाइक टकराने से नहीं, अपितु रोडवेज बस की टक्कर से हुई है। सीओ पंकज लवानिया के समझाने पर मामला शांत हुआ था।

अब इस मामले में दरोगा पवन कुमार ने मवाना थाने में जगबीर सिंह, अमर सिंह, भाजपा नेता रवि गोला, प्रदीप कुमार, सर्वेश कुमार को नामजद और करीब 70-80 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें बताया है कि सुमित के शव को परिजनों व अन्य लोगों ने थाना परिसर में रखकर फरियादियों एवं आम जनता का रास्ता रोक दिया।

थाने में मौजूद पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों व फरियादियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। थाने के बाहर फल रेहड़ी, वाहन चालकों में अफरा तफरी मच गई। समझाने के बाद भी नहीं माने और पुलिस से गाली-गलौज व धक्का-मुक्की करने लगे। बाद में काफी समझाने पर शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर गए।

बरेका से लौटी दो नर्सिंग छात्राएं बेहोश

वाराणसी में किया रास्ता जाम, लगाया गंभीर आरोप; पुलिस ने समझाया

वाराणसी, एजेंसी। भेलूपुर थाना क्षेत्र के सुंदरपुर स्थित उपकार नर्सिंग कॉलेज की दो छात्राएं बरेका से पैदल लौटते समय बेहोश हो गई। इसकी जानकारी मिलने के बाद नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने सुंदरपुर-नरिया मार्ग पर रास्ता जाम कर दिया। करीब 45 मिनट तक इस एक ओर आवागमन प्रभावित रहा। आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन की ओर से वाहन से बरेका में प्रधानमंत्री की सभा में ले जाया गया।

लौटते समय बस नहीं मिली और कॉलेज तक गर्मी में पैदल आना पड़ा। इससे अन्य छात्राओं की तबीयत खराब हो गई। उधर रास्ता जाम करने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे डीसीपी काशी, एडीएम सिटी सहित कई अधिकारी पहुंचे। छात्राओं से बातचीत कर किसी तरह रास्ता जाम खत्म करवाया।

सुंदरपुर-नरिया मार्ग पर रास्ता जाम करने वाली छात्राओं ने एडीएम सिटी आलोक वर्मा, डीसीपी काशी गौरव बंशवाल को बताया कि करीब 80 छात्राओं को पीएम के कार्यक्रम में कॉलेज की बस से बरेका में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में ले जाया गया था। उन्हें बैठने के लिए वहां सीट नहीं मिली। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद कॉलेज की बस भी लेने नहीं आई। लिहाजा बरेका कार्यक्रम स्थल से कॉलेज तक पैदल जाना पड़ा।

इससे दो छात्राएं बेहोश हो गई और अन्य छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। इस बारे में डीसीपी काशी गौरव बंशवाल ने बताया की कालेज प्रशासन की असुविधा से नाराज होकर नर्सिंग छात्राओं ने विरोध प्रदर्शन किया। शाम 4.30 बजे के बाद उन्हें सभा स्थल पर ले जाया गया। कुर्सी भी बैठने को नहीं मिली और सभा से पैदल उन्हें सुंदरपुर स्थित कालेज आना पड़ा। इसमें दो छात्राएं बेहोश हुई।

छात्राओं के आरोप पर नर्सिंग कालेज पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। कुछ लोग प्रधानमंत्री की सभा से जोड़कर इसे प्रसारित कर रहे है, जो कि गलत है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उधर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने भी अपने एक्स पर छात्राओं के बेहोश करने का वीडियो अपलोड किया है। लिखा है कि पीएम की जनसभा में बदइंतजामीके कारण मेडिकल छात्राओं का बेहोश होना दुर्भाग्यपूर्ण और विचलित करने वाला है। अजय राय ने इसको आयोजको की घोर लापरवाही बताया है।

आजमगढ़ से आए रिश्तेदार विक्रांत सिंह ने बताया कि रात में अस्पताल से सूचना मिली कि मनीष की मौत हो गई थी। रात में आजमगढ़ से घटनास्थल पर पहुंचे तो डायल-112 के दो पुलिसकर्मी ही मौजूद थे। फूलपुर एसएचओ को फोन किया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। एसीपी पिंडरा को फोन किया तो उन्होंने एसएचओ को मौके पर भेजा। आरोप है कि एसएचओ ने शुरू में सुलह करने का परिवार पर दबाव भी बनाया। आरोपियों का मन इतना बढ़ा हुआ है कि एसओजी तक को बंधक बना लिया और पिस्टल तक छीन ली।

चलते-चलते धू-धूकर जली फैक्टरी श्रमिकों की बस, ड्राइवर की सूझबूझ से बचीं 46 जानें

उन्नाव, एजेंसी। उन्नाव जिले में फैक्टरी के श्रमिकों को लेकर जा रही बस में अचानक आग लग गई। ड्राइवर ने तत्परता दिखाते हुए बस को रोक कर सवारियों को सुरक्षित निकाला। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं। हालांकि, बस में रखा श्रमिकों का सामान जल गया।जानकारी के अनुसार, उन्नाव स्थित सुपर हाउस की एक बस बुधवार सुबह ऊंचागांव, धानी खेड़ा आदि के सत्तर श्रमिकों को लेकर फैक्टरी आ रही थी। उन्नाव-लालगंज हाईवे पर पचोड़डा गांव के पास अचानक बस में आग लग गई। ड्राइवर ने तुरंत सभी सवारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि, बस में रखे श्रमिकों के कुछ झोले जिनमें लंचबॉक्स व कपड़े आदि थेज्जलकर राख हो गए। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड पहुंची, लेकिन तब तक बस का अधिकांश हिस्सा जल का राख हो चुका था।

उत्तरांचल और पूर्वांचल भवन जल्द होंगे तैयार, नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम भव्य रूप से उत्तरांचल और पूर्वांचल भवन का निर्माण करवा रहा है। सोसायटी एक्ट के तहत इसका रजिस्ट्रेशन भी किया गया।सदन से भी प्रस्ताव पारित करते हुए कार्यवाही पूर्ण की गई है और इसके लिए समिति का गठन हुआ था, जिसमें नगर आयुक्त को अध्यक्ष, अपर नगर आयुक्त को सचिव, नजारत प्रभारी, संपत्ति प्रभारी, लेखाधिकारी सहित 9 अधिकारी को जोड़ते हुए समिति का गठन किया गया। उत्तरांचल तथा पूर्वांचल समाज के लोगों को भी सदस्य नामित करते हुए समिति में जोड़ा गया। उत्तरांचल और पूर्वांचल भवन की संचालन को लेकर लगभग डेढ़ वर्ष तक बैठक

हुई, जिसमें अंतिम निर्णय लेते हुए गाजियाबाद नगर निगम को संचालन करने का निर्णय लिया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि शहर हित में गाजियाबाद नगर निगम द्वारा उत्तरांचल तथा पूर्वांचल भवन का निर्माण किया गया। इसके संचालन की जिम्मेदारी पूर्व में उत्तरांचल तथा पूर्वांचल समाज के संगठनों द्वारा लेने के लिए अपना विषय रखा गया था, जिस पर डेढ़ वर्ष का समय सदस्य बनने के लिए उनको दिया गया, किंतु सदस्य ना बनने की दशा में पुनः गाजियाबाद नगर निगम द्वारा ही उत्तरांचल पूर्वांचल भवन का संचालन किया जाएगा और बैठक करते हुए निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान ही नगर आयुक्त ने उत्तरांचल और पूर्वांचल समाज के संगठनों को सदस्य बनाने के लिए अपील की गई, जिसके लिए दिनांक 6 में को उत्तरांचल भवन में कैंप भी लगाया जाएगा। बैठक में अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, प्रभारी संपत्ति पल्लवी सिंह, पुरबिया समाज से राकेश तिवारी व अन्य तथा उत्तरांचल समाज से उपस्थित रहे।

साइकिल सवार गार्ड पर दबंगों का हमला, लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीटकर किया गंभीर घायल

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के छपरौला गांव में दबंगों द्वारा एक गार्ड पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार लालचंद नामक युवक, जो नोएडा एक्सटेंशन में गार्ड की नौकरी करता है, रोज की तरह साइकिल से ड्यूटी पर जा रहा था। जैसे ही वह गांव में अंकित त्यागी के मकान के पास पहुंचा, वहां मौजूद लोगों ने उसे रोक लिया।
आरोप है कि आरोपियों ने पहले उसे रास्ते से गुजरने को लेकर अपशब्द कहे और गाली-गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे साइकिल से धक्का देकर गिरा दिया गया और लाठी-डंडों तथा लोहे की रॉड से बेरहमी से पिटाई की गई। हमले में लालचंद गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया।
घायल के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्हें देखकर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। परिजनों द्वारा घायल को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद पीड़ित की शिकायत पर अंकित त्यागी, नीटू त्यागी, सोनू व अन्य अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

खतौली के आवासीय वृद्ध आश्रम में गैस की किल्लत, भोजन व्यवस्था प्रभावित

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के आवासीय वृद्ध आश्रम में रसोई गैस की पर्याप्त आपूर्ति न होने से वहां रह रहे वृद्धजनों को गंभीर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गैस की कमी के कारण आश्रम में भोजन बनाने की व्यवस्था प्रभावित हो रही है, जिससे दैनिक जीवन पर सीधा असर पड़ रहा है। बताया गया है कि इस समस्या को लेकर कई बार शासन और प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हो पाया है। आरोप है कि उपजिलाधिकारी के निदेशों का भी पालन नहीं किया जा रहा, जिससे व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। जानकारी के अनुसार,

खतौली तहसील क्षेत्र में पमनावली चौकी के निकट समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित इस आवासीय वृद्ध आश्रम की देखरेख रेखा सिंह कर रही हैं। उनके साथ समाजसेवी वसीम अहमद ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से गैस आपूर्ति बाधित है और यह समस्या लगातार बनी हुई है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद भी अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। ऐसे में आश्रम में रहने वाले वृद्धजनों के सामने भोजन की व्यवस्था करना चुनौती बन गया है। उन्होंने समाचार पत्र के माध्यम से प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है, ताकि वृद्धजनों को राहत मिल सके।

85 लाख की लूटकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र में मुनीम से हुई 85 लाख रुपये की सनसनीखेज लूट के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस कार्रवाई से मामले के खुलासे की दिशा में अहम प्रगति मानी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गौतमबुद्धनगर के दादरी थाना क्षेत्र के गांव दादूपुर खटाना निवासी अजयपाल घी-तेल व्यापारी गोपाल गोयल के यहां मुनीम के रूप में कार्य करता है। 15 दिसंबर को वह हापुड़ के दो व्यापारियों से रुपये की वसूली

कर मोटरसाइकिल से वापस लौट रहा था। इसी दौरान हाईवे पर बदमाशों ने उससे 85 लाख रुपये से भरा बैग छीन लिया और फरार हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद पांडेय ने बताया कि इस मामले में कार्रवाई करते हुए हापुड़ के पक्का बाग निवासी आरोपी ऋषभ को गिरफ्तार कर लिया गया है। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ट्रेड समझौतों के विरोध में भाकियू (चढ़ूनी) ने सौंपा ज्ञापन, किसानों ने जताई नाराजगी

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के पदाधिकारियों ने गुरुवार को जिलाध्यक्ष चौधरी निखिल खैवाल के नेतृत्व में देश की राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित विभिन्न व्यापार समझौतों और मुक्त व्यापार संधियों का विरोध जताया।

किसान नेताओं ने कहा कि भारत सरकार द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए जा रहे अथवा प्रस्तावित व्यापार समझौते किसानों के हितों के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। उनका कहना था कि देश का किसान पहले से ही बढ़ती लागत, फसलों के उचित मूल्य का अभाव, प्राकृतिक आपदाओं और कर्ज के बोझ जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे में यदि विदेशी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रवेश दिया गया तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।
उन्होंने कहा कि विदेशों में खेती मुख्य रूप से व्यापार के रूप में की जाती है, जबकि भारत में यह किसानों की आजीविका का प्रमुख साधन है। यदि सस्ते आयातित कृषि उत्पाद बाजार में आते हैं तो इससे किसानों की उपज के दाम गिर जाएंगे और उनकी आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
किसान नेताओं ने आशंका जताई कि इन समझौतों के जरिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बढ़ावा मिलेगा और कृषि क्षेत्र में निजीकरण तथा कॉर्पोरेट नियंत्रण बढ़ेगा, जिससे देश की खाद्य सुरक्षा भी प्रभावित हो सकती है।
भाकियू (चढ़ूनी) के पदाधिकारियों ने मांग की कि कृषि, डेयरी, कुक्कुट पालन और किसानों से जुड़े सहायक व्यवसायों को किसी भी मुक्त व्यापार संधि से बाहर रखा जाए। साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सुनिश्चित करने की भी मांग उठाई गई।
किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार किसानों के हितों की अनदेखी करते हुए ऐसे समझौते करती है तो किसान आंदोलन के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

मुंबई के निमार्ता सीएल सैनी पहुंचे शामली, सनातन धर्म पर फिल्म बनाने की तैयारी

शामली (शिखर समाचार)। विश्व सनातन धर्म सूर्य सेना से संवाद के लिए मुंबई से प्रसिद्ध निमार्ता एवं लेखक सीएल सैनी गुरुवार को शहर के लाजपत राय क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक सैनी के आवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था देशभर में सनातन धर्म के प्रचार प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।
सीएल सैनी ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जैसे महान महापुरुषों ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उनके त्याग और बलिदान को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि युवा वर्ग अपनी संस्कृति और इतिहास से प्रेरणा ले सके।
उन्होंने बताया कि वे दूरदर्शन जगत के कई लोकप्रिय धार्मिक धारावाहिकों देवों के देव महादेव, सिया के राम, परमावतार श्रीकृष्ण सहित अनेक परियोजनाओं पर कार्य

कर चुके हैं। उनकी हालिया वेब शृंखला 'स्नो ब्राइड' भी जल्द ही ओटीटी मंच पर प्रसारित होने जा रही है। उन्होंने कहा कि धार्मिक विषयों पर आधारित फिल्में और धारावाहिक भारतीय संस्कृति को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम हैं।
दीपक सैनी ने बताया कि शीघ्र ही सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति पर आधारित एक हिंदी फिल्म का निर्माण किया जाएगा, जिसमें समाज को प्रेरित करने वाली ऐतिहासिक और धार्मिक झलक प्रस्तुत की जाएगी।
इस अवसर पर दीपक सैनी ने सीएल सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि समाज की दिशा तय करने में लेखनी की शक्ति सबसे प्रभावशाली होती है। कार्यक्रम में लालसिंह सैनी (भजन गीतकार), प्रवीण तरार (लेखक), संजय सैनी, रिंकू सैनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नेशनल हाईवे-9 पर दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत, दोनों चालक घायल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 पर गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए सामने से आ रही दूसरी कार से टकरा गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। जानकारी के अनुसार दिल्ली के मोहल्ला मेघवाला निवासी वसीम अपनी वैगनार कार से मुरादाबाद की ओर जा रहे थे, जबकि कोतवाली हापुड़ नगर क्षेत्र के माता मोहल्ला निवासी मुकेश अपनी कार से हापुड़ से दिल्ली की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे-9 पर वसीम की कार अचानक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकराने के बाद दूसरी लेन में पहुंच गई, जहां उसकी कार सामने से आ रही मुकेश की कार से भिड़ गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों कारों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद हाईवे पर एक ओर का यातायात पूरी तरह बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही टीपी नगर चौकी प्रभारी प्रदीप पचौरी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया गया, जिसके बाद यातायात को सुचारु कराया जा सका। सीओ सिटी वरुण मिश्रा ने बताया कि घटना के संबंध में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

33% महिला आरक्षण लागू करने की मांग को लेकर सपा का लखनऊ में जोरदार प्रदर्शन

शामली/लखनऊ। (शिखर समाचार) गुरुवार को समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर लखनऊ में जोरदार धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान शामली एमएलसी किरणपाल कश्यप सहित अन्य नेताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और महिलाओं के अधिकारों को लेकर आवाज बुलंद की। एमएलसी किरणपाल कश्यप ने कहा कि देश की आधी आबादी यानी महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार दिलाने के लिए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण बेहद जरूरी है, लेकिन केंद्र सरकार इस मुद्दे पर गंभीर नजर नहीं आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी। चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि यदि जल्द महिला आरक्षण लागू नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। किरणपाल कश्यप ने मांग की कि महिला आरक्षण सभी राजनीतिक दलों में समान रूप से लागू किया जाए। साथ ही इसमें सभी वर्गों और सभी धर्मों की महिलाओं को समान प्रतिनिधित्व दिया जाए, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाए।

राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने की तैयारी तेज, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। 09 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी रावत की अध्यक्षता में समन सेल प्रभारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि अधिक से अधिक मामलों में समनों का समय पर तामील सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोक अदालत में ज्यादा से ज्यादा मामलों का निस्तारण हो सके। साथ ही आम जनता को लोक अदालत के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से लंबित मामलों का त्वरित और सुलभ समाधान संभव होता है, जिससे लोगों को न्याय पाने में आसानी होती है। बैठक में समन सेल प्रभारी रोहतास, उप निरीक्षक विनोद सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दादरी रेलवे स्टेशन से प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेन शुरू, क्षेत्रीय यात्रियों को बड़ी राहत

दादरी (शिखर समाचार)। दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर स्थित दादरी रेलवे स्टेशन से 03 मई से प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू किया जा रहा है। यह ट्रेन संख्या 02418 के रूप में देर रात 10:15 बजे दादरी से रवाना होगी। अब तक नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के यात्रियों को एक्सप्रेस ट्रेन पकड़ने के लिए दिल्ली या गाजियाबाद जाना पड़ता था, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त लागत आती थी। कई यात्री तो मजबूरी में चेन पुलिंग कर उतरते थे, जिस पर कार्रवाई भी होती थी। स्टेशन अधीक्षक हेमंत कुमार मीणा ने बताया कि इसके अलावा शकूर बस्ती से चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का स्टॉपेज भी दादरी में दिया गया है। इस नई सुविधा से यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रेलवे की उपयोगिता भी बढ़ेगी। साथ ही इससे रेलवे राजस्व में भी इजाफा होने की संभावना है।

ग्रेटर नोएडा में विधिक जागरूकता की मिसाल - जिम्स ईएमटीसी का प्रभावशाली शिविर आयोजित

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस (जिम्स ईएमटीसी) के विधि विभाग के तत्वावधान में दादरी स्थित शकुंतला पब्लिक स्कूल में एक प्रभावशाली एवं ज्ञानवर्धक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ समाज में विधिक साक्षरता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन जिम्स ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अमित गुप्ता के संरक्षण एवं निदेशक प्रो. (डॉ.) सचिन यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर विभागाध्यक्षा प्रो. (डॉ.) पल्लवी गुप्ता और प्रो. (डॉ.) ए.के. त्यागी की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।
शिविर का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों और आम नागरिकों को उनके विधिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना रहा। साथ ही विधि के छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान, सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक सहभागिता का अनुभव प्रदान करना भी इसका प्रमुख लक्ष्य रहा।
कार्यक्रम के दौरान विधि विभाग के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक, भाषण, पोस्टर प्रस्तुति और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से बाल अधिकार, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, उपभोक्ता अधिकार और निःशुल्क विधिक सहायता जैसे विषयों पर सरल भाषा में जानकारी दी। विशेष रूप से नुक्कड़ नाटक ने सामाजिक मुद्दों को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर दर्शकों पर गहरा प्रभाव डाला। शिविर की खास बात यह रही कि विद्यार्थियों ने उपस्थित छात्रों और स्थानीय लोगों के साथ सीधे संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया, जिससे कार्यक्रम एक सहभागितापूर्ण मंच में बदल गया।
कार्यक्रम का सफल संचालन गौरव यादव, अमृता, विवेक त्रिवेदी और प्रशांत पांडेय के मार्गदर्शन में किया गया। छात्र संयोजक के रूप में प्रिया, रेशमी और पारुल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि मंच संचालन हर्षिता शर्मा ने प्रभावी ढंग से किया। विद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए इसे बेहद उपयोगी और प्रेरणादायक बताया। अंत में गौरव यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

घर का भेदी निकला चोर, 24 घंटे में पुलिस का खुलासा, लाखों की नकदी जेवर बरामद

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। चोरी की एक बड़ी वारदात का पुलिस ने महज 24 घंटे में पदार्फाश कर दिया। चौंकाने वाली बात यह रही कि आरोपी कोई बाहरी नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार का ही रिश्तेदार निकला। खालापार थाना क्षेत्र में हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से 6 लाख 50 हजार रुपये नकद और सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार जहांगीर पट्टी सुजड्डू निवासी जुबैर पुत्र खालिद ने 29 अप्रैल को थाने में तहरीर देकर बताया था कि 26 से 28 अप्रैल के बीच उसका परिवार एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए घर से बाहर गया हुआ था। इसी दौरान सूने मकान का

फायदा उठाते हुए चोरों ने लॉकर से करीब 7 लाख रुपये नकद और जेवरात चोरी कर लिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। उपनिरीक्षक विकास सिंघल के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर तंत्र और सर्विलांस के माध्यम से तेजी से सुराग जुटाए। 30 अप्रैल को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने शामली बाईपास स्थित वहलना पुल के नीचे चेकिंग के दौरान नदीम नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी पीड़ित परिवार का करीबी रिश्तेदार है और उसे घर में रखे नकदी व जेवरात की पूरी जानकारी थी। इसी भरोसे का फायदा उठाकर उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी के पास से 6.50 लाख रुपये नकद, दो सोने के कंगन, एक अंगूठी और एक माथे का टीका बरामद किया है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराएं बढ़ाते हुए आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में मजदूर दिवस पूर्व संध्या पर भव्य सम्मान समारोह, कर्मचारियों के सम्मान में गूंजा उत्साह

जेवर (शिखर समाचार)। प्रज्ञान पब्लिक स्कूल में गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस की पूर्व संध्या पर एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सहायक एवं कर्मठ कर्मचारियों के समर्पण, अथक परिश्रम और दृढ़ संकल्प को सम्मानित किया गया। पूरा कार्यक्रम उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के माहौल में सम्पन्न हुआ।
कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार ने कर्मचारियों के बीच आपसी सहयोग, सौहार्द और टीम भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। विद्यालय के विशाल खेल मैदान में पुरुष वर्ग के लिए रस्साकशी, रिले रेस और बोरा दौड़ जैसी रोमांचक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें प्रतिभागियों

ने जोश और ऊर्जा का शानदार प्रदर्शन किया। वहीं महिला कर्मचारियों ने भी पूरे उत्साह के साथ म्यूजिकल चेयर, नींबू दौड़ और गुब्बारा दौड़ में भाग लेकर कार्यक्रम में रंग भर दिया। उनकी सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को और अधिक जीवंत और यादगार बना दिया।
इस आयोजन का संचालन विद्यालय के प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा, प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा एवं कोषाध्यक्ष अमोल कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रबंधक डॉ. हरीश कुमार शर्मा ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय की सफलता के पीछे कर्मचारियों की निष्ठा और समर्पण ही सबसे बड़ी ताकत है। वहीं प्रधानाचार्या डॉ. दीप्ति शर्मा ने कहा कि हर कर्मचारी विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा है और सामूहिक प्रयास ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम के अंत में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदकों से सम्मानित किया गया। विजेताओं के चेहरों पर खुशी और गर्व साफ झलक रहा था। विद्यालय प्रशासन ने आयोजन समिति और सभी स्टाफ सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने के लिए उनकी सराहना की।

संपादकीय

हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर बढ़ता टकराव : शब्दों की आक्रामकता और विश्व शांति पर मंडराता खतरा

अंतरराष्ट्रीय राजनीति इस समय एक ऐसे संवेदनशील दौर से गुजर रही है, जहां कूटनीति की मर्यादाएं लगातार टूटती नजर आ रही हैं और आक्रामक बयानों ने हालात को और अधिक जटिल बना दिया है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के संदर्भ में दिया गया विवादित बईरा जिसमें उन्होंने ईरान की स्थिति की तुलना भरे हुए सूअर से की ने वैश्विक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की हैं। यह बयान ऐसे समय में सामने आया है जब दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका द्वारा नाकेबंदी लागू की गई है, जिसके चलते ईरान के तेल निर्यात पर गंभीर प्रभाव पड़ा है। यह घटनाक्रम केवल दो देशों के बीच का तनाव नहीं, बल्कि पूरी विश्व व्यवस्था के लिए एक चेतावनी बनकर उभर रहा है।

हॉर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की धुरी है। विश्व के कुल कच्चे तेल का लगभग पांचवां हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवरोध या टकराव सीधे तौर पर अंतरराष्ट्रीय बाजारों को प्रभावित करता है। अमेरिका द्वारा ईरानी जहाजों की आवाजाही रोकने की नीति का उद्देश्य भले ही ईरान की आर्थिक क्षमता को कमजोर करना हो, लेकिन इसके परिणाम दूरगामी और बहुआयामी हो सकते हैं। पहले से ही बढ़ती महंगाई, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रही दुनिया के लिए यह स्थिति और गंभीर संकट को जन्म दे सकती है। डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान केवल एक राजनीतिक टिप्पणी नहीं, बल्कि कूटनीतिक संवाद के गिरते स्तर का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भाषा की गरिमा और संतुलन अत्यंत आवश्यक होता है, क्योंकि शब्द ही संवाद के द्वार खोलते हैं या उन्हें बंद कर देते हैं। ईरान, जो पहले से ही पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों का सामना कर रहा है, इस प्रकार की टिप्पणी को अपनी संप्रभुता और सम्मान पर आघात के रूप में देख सकता है। इससे दोनों देशों के बीच अविश्वास और गहराने की आशंका है, जो किसी भी समय बड़े संघर्ष में बदल सकता है। ईरान की ओर से भी कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है, जिसमें उसने स्पष्ट किया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यह स्थिति प्रतिकारात्मक कार्रवाई के उस चक्र को जन्म देती है, जिसमें एक पक्ष की कार्रवाई के जवाब में दूसरा पक्ष और अधिक कठोर कदम उठाता है। मध्य-पूर्व क्षेत्र पहले ही लंबे समय से अस्थिरता और संघर्षों का केंद्र रहा है, और यहां किसी भी नए तनाव का असर केवल क्षेत्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक शांति और सुरक्षा को भी प्रभावित करेगा। इस पूरे घटनाक्रम में अन्य वैश्विक शक्तियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। रूस, चीन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख देश इस संकट को किस दृष्टिकोण से देखते हैं और इसे शांत करने के लिए क्या पहल करते हैं, यह आने वाले समय में तय करेगा कि स्थिति किस दिशा में जाएगी। विशेष रूप से चीन, जो ईरान के तेल का एक बड़ा उपभोक्ता है, इस संकट से सीधे प्रभावित हो सकता है। वहीं यूरोपीय देश, जो ऊर्जा आपूर्ति के संकट से जूझ रहे हैं, इस प्रकार की किसी भी बाधा को लेकर चिंतित हैं। भारत के दृष्टिकोण से भी यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा आयात करता है, जिसमें मध्य-पूर्व की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ता है, तो इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई दर और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ेगा। ऐसे में भारत को संतुलित और विवेकपूर्ण कूटनीति अपनाते हुए अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी होगी और साथ ही वैश्विक शांति बनाए रखने के प्रयासों में सक्रिय भागीदारी करनी होगी।

~ मौलिक चिंतन ~

जैसे उल्लू को अंधकार प्रिय होता है, वैसे ही मूर्ख को कुतर्क और कलह से प्यार होता है।

© विनय संकोची

4 मई के बाद बदल जाएगी देश की राजनीति

संतोष कुमार पाठक

देश के चार राज्यों- असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल एवं एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम एग्जिट पोल भी सामने आ चुके है। इस बार का विधानसभा चुनाव , इस मायने में बहुत खास है कि इसमें देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों-कांग्रेस और बीजेपी के साथ ही तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और एआईएडीएमके जैसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी है। सबसे बड़ा सवाल तो लेफ्ट फ्रंट के दलों के सामने खड़ा हो गया है क्योंकि केरल की सत्ता हाथ से जाते ही उनके सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में तो लेफ्ट पार्टियां पहले ही साफ हो चुकी है।

जाहिर है कि इन पांच राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश के चुनावी नतीजें सिर्फ इन राज्यों के मुख्यमंत्री ही तय नहीं करेंगे बल्कि दोनों गठबंधन- एनडीए एवं इंडिया को भी प्रभावित करेंगे। यह भी एक तथ्य है कि चाहे, चुनावी नतीजे जो भी आए लेकिन इसके बाद देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों में तेजी से बड़े बदलाव दिखाई देने लगेंगे।

बीजेपी ने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर कई महीने पहले ही बदलाव की शुरूआत कर दी थी लेकिन वह बदलाव अभी संगठन के ढांचे और सरकार तक नहीं पहुंच पाया है। बताया जा रहा है कि चुनावी नतीजों के बाद नितिन नवीन की नई टीम के गठन के लिए उच्चस्तरीय बैठकों का दौर शुरू होगा। बीजेपी आलाकमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस बात की है कि वो बुजुर्ग हो चुके नेताओं को संगठन से बाहर रहने के लिए कैसे मना पाते हैं क्योंकि सबसे युवा अध्यक्ष चुनने के बाद पार्टी उनकी टीम को भी युवा नेताओं से ही भरना चाहती है। पार्टी के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में बीजेपी को पार्टी का फैसला लेने वाली सर्वोच्च ईकाई संसदीय बोर्ड, उम्मीदवारों का चयन करने वाली केंद्रीय चुनाव समिति के साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों और मोर्चों का पुनर्गठन करना है। पार्टी में नए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय महासचिव, राष्ट्रीय सचिव, राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया सहित विभिन्न विभागों की टीम के साथ ही राष्ट्रीय मोर्चों का भी पुनर्गठन करना है। इसके बाद बदलाव की यही प्रक्रिया सरकार और राज्यों में भी की जानी है। नई टीम में एक तरफ जहां युवा और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाना होगा वहीं महिलाओं को भी ज्यादा से ज्यादा जगह देनी होगी। बताया जा रहा है कि 4 मई को चुनावी नतीजे आने के 10-15 दिनों के अंदर नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम का ऐलान हो सकता है और इसके बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय का पूरा स्वरूप ही बदला-बदला नजर आएगा।

कांग्रेस में भी बड़े पैमाने पर बदलाव की शुरूआत आने वाले दिनों में होने जा रही है। मोदी-शाह की जोड़ी ने 46 वर्ष के नितिन नवीन को बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर राहुल और सोनिया गांधी के सामने दुविधा की स्थिति पैदा कर दी है। मल्लिकार्जुन खड़गे सुलझे हुए परिपक्व नेता तो हैं लेकिन 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को भी एक युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ युवा नेताओं की टीम तो खड़ी करनी ही पड़ेगी। हालांकि यह भी बताया जा रहा है कि राहुल गांधी अभी भी इस बात पर अड़े हुए हैं कि गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनेगा। ऐसे में जाहिर से बात है कि कांग्रेस को राहुल और प्रियंका गांधी से इतर जाकर अन्य युवा नेताओं की तरफ देखना पड़ेगा। इस रेस में फिलहाल सचिन पायलट सबसे आगे बताए जा रहे हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा, दोनों के चहेते नेता सचिन पायलट को आने वाले दिनों में कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, अगर अशोक गहलोत ने पार्टी के बुजुर्ग नेताओं के साथ मिलकर कोई और खेला नहीं कर दिया तो। ध्यान दीजिएगा कि, यह अकारण नहीं है कि पिछले कुछ दिनों से गहलोत बार-बार पायलट की बगावत का किस्सा सुनाने में लगे हुए है। लेकिन अगर पायलट का नाम पीछे छूट भी गया तो भी राहुल गांधी को पार्टी के लिए नया और वो भी युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तो ढूंढना ही पड़ेगा। कांग्रेस के अंदर वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को लेकर भी सुगबुगाहट शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की गुटबाजी पर लगाम कसने के लिए खड़गे को मुख्यमंत्री बनाकर बेंगलुरू भेजा जा सकता है और उनकी जगह पर दिल्ली में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को बैठाया जा सकता है। जाहिर सी बात है कि अगर खड़गे कर्नाटक जाएंगे तो फिर पार्टी को राज्यसभा में भी अपना नया नेता चुनना पड़ेगा। नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संगठन महासचिव भी किसी युवा नेता को ही बनाना पड़ेगा और उसके बाद कांग्रेस मुख्यालय में भी नए चेहरों की संख्या बढ़ जाएगी।

यह तय मान कर चलिए कि बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन में मई के महीने में ही बदलाव होना तय है। हालांकि कांग्रेस में बदलाव की यह रफ्तार थोड़ी धीमी हो सकती है।

मेहनत की नींव पर टिकी दुनिया: मजदूरों के संघर्ष, योगदान और वर्तमान चुनौतियों की गाथा

कांतिलाल मांडोत

मानव सभ्यता के विकास की कहानी अगर ध्यान से पढ़ी जाए तो उसके हर पन्ने पर मजदूरों की मेहनत, पसीना और संघर्ष साफ दिखाई देता है। चाहे ऊंची-ऊंची इमारतें हों, विशाल पुल हों, फैक्ट्रियां हों या फिर खेतों में लहलहाती फसलें–हर जगह एक मजदूर की मेहनत छिपी होती है। फिर भी विडंबना यह है कि समाज के इस सबसे महत्वपूर्ण वर्ग को अक्सर वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके वे हकदार हैं। इसी सच्चाई को याद दिलाने और मजदूरों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने के लिए हर साल 1 मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है।

मजदूर दिवस केवल एक उत्सव नहीं है, बल्कि यह एक संघर्ष की याद है। यह उन दिनों की कहानी कहता है जब मजदूरों को 15-16 घंटे तक काम करना पड़ता था, बिना किसी निश्चित समय सीमा और बिना पर्याप्त वेतन के। 19वीं सदी के अंत में जब औद्योगिक क्रांति अपने चरम पर थी, तब मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। ऐसे समय में उन्होंने अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाई और 8 घंटे कार्य दिवस की मांग की। यह मांग धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन में बदल गई, जिसने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज जो हमें 8 घंटे काम, 8 घंटे आराम और 8 घंटे अपने लिए का सिद्धांत मिलता है, वह इन्हीं संघर्षों की देन है।

भारत में मजदूरों की स्थिति भी अलग नहीं रही। आजादी से पहले और उसके बाद भी मजदूर वर्ग ने कई कठिनाइयों का सामना किया। 1 मई 1923 को भारत में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया, जिसने श्रमिक आंदोलनों को एक नई दिशा दी। इसके बाद धीरे-धीरे मजदूरों के अधिकारों के लिए कानून बनाए गए, जिनमें न्यूनतम मजदूरी, कार्य समय, सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। लेकिन कागजों पर बने ये नियम आज भी पूरी तरह जमीन पर लागू नहीं हो पाए हैं।

आज के समय में भी मजदूरों की स्थिति पूरी तरह संतोषजनक नहीं कही जा सकती। खासकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों को आज भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें नियमित रोजगार नहीं मिलता, वेतन अस्थिर होता है और सामाजिक सुरक्षा का अभाव रहता है। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को देखें तो वे कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं, लेकिन उनके पास न तो उचित सुरक्षा उपकरण होते हैं और न ही स्वास्थ्य सुविधाएं।

ऊंची-ऊंची इमारतों के निर्माण में मजदूरों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे तपती धूप में, कड़कती सर्दी में और कभी-कभी बारिश में भी लगातार काम करते हैं। उनके बिना शहरों का विकास संभव ही नहीं है। लेकिन इन्हीं इमारतों के बनने के बाद अक्सर मजदूरों को वहां रहने का अधिकार नहीं मिलता। वे झुग्गियों या अस्थायी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं, जहां बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव होता है।

सरकार ने मजदूरों की स्थिति सुधारने के लिए कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना है। इस योजना ने कई गरीब परिवारों को आर्थिक सहारा दिया है और उन्हें पलायन से भी रोका है। लेकिन इसके बावजूद कई बार इस योजना के क्रियान्वयन में खामियां देखने को मिलती हैं, जैसे समय पर भुगतान न होना या काम की कमी।

वैश्वीकरण और तकनीकी विकास ने मजदूरी के स्वरूप को भी बदल दिया है। आज के दौर में पारंपरिक मजदूरी के साथ-साथ गिग इकॉनमी और फ्रीलांसिंग जैसे नए विकल्प सामने आए हैं। हालांकि इससे कुछ लोगों को नए अवसर मिले हैं, लेकिन इससे रोजगार की स्थिरता कम हुई है। कई मजदूर अब ठेका प्रणाली के तहत काम करते हैं, जिससे उन्हें स्थायी नौकरी और उससे जुड़ी सुविधाएं नहीं मिल पातीं।

कोरोना महामारी ने मजदूरों की स्थिति को और भी कठिन बना दिया था। लॉकडाउन के दौरान लाखों मजदूरों को अपने काम से हाथ धोना पड़ा और उन्हें अपने गांवों की ओर पलायन करना पड़ा। यह दृश्य आज भी लोगों के मन में ताजा है, जब मजदूर सैकड़ों किलोमीटर पैदल चलकर अपने घर पहुंचे थे। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि हमारे समाज में मजदूरों की स्थिति कितनी असुरक्षित है।

महिलाओं की स्थिति मजदूर वर्ग में और भी चुनौतीपूर्ण है। उन्हें पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलता है और कई बार उन्हें दोहरी जिम्मेदारी निभानी पड़ती है,घर और काम दोनों की। इसके अलावा उन्हें कार्यस्थल पर सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। ऐसे में महिलाओं के लिए विशेष नीतियों और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

मजदूर दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि क्या हम वास्तव में अपने मजदूरों के प्रति न्याय कर पा रहे हैं? क्या उन्हें वह सम्मान, सुरक्षा और सुविधाएं मिल रही हैं, जिनके वे हकदार हैं? केवल एक दिन उन्हें सम्मान देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि हमें पूरे साल उनके हितों के लिए काम करना होगा।

समाज और सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि मजदूरों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इसके लिए न केवल कानूनों को सख्ती से लागू करना होगा, बल्कि लोगों में जागरूकता भी बढ़ानी होगी। मजदूरों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना और उन्हें संगठित करना भी जरूरी है, ताकि वे अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा सकें।

अंततः, मजदूर केवल एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए हमें उनके योगदान को समझना होगा और उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करना होगा। मजदूर दिवस हमें यही संदेश देता है कि सम्मान, समानता और न्याय केवल शब्द नहीं, बल्कि हर मजदूर का अधिकार है।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

गौतम बुद्ध के उपदेश और आज की दुनिया में उनकी प्रासंगिकता

सुनील कुमार महला

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है।

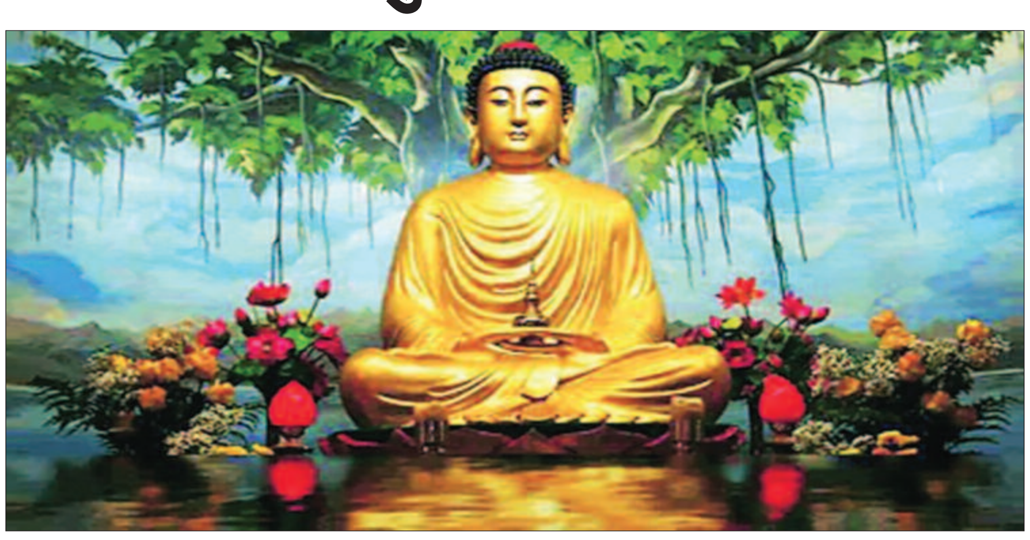

हर वर्ष वैशाख मास की पूर्णिमा तिथि पर बुद्ध पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु के नौवें अवतार महात्मा बुद्ध का जन्म हुआ था। इस वर्ष बुद्ध पूर्णिमा 1 मई 2026, शुक्रवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस वर्ष पूर्णिमा तिथि 30 अप्रैल की रात 09 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर 1 मई 2026 की रात 10 बजकर 52 मिनट तक प्रभावी रहेगी। उदया तिथि के अनुसार यह पर्व 1 मई को मनाया जाएगा। यह दिन भगवान बुद्ध के जन्म, ज्ञान प्राप्ति (बोधि) और महापरिनिर्वाण-तीनों की स्मृति को समर्पित है। इस अवसर पर देश-विदेश में श्रद्धालु ध्यान, प्रार्थना, दान और अहिंसा के संदेश का पालन करते हैं। विशेषकर बोधगया, सारनाथ और कुशीनगर जैसे पवित्र स्थलों पर बड़े आयोजन होते हैं। बुद्ध पूर्णिमा का पर्व हमें करुणा, शांति और मध्यम मार्ग के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा देता है, जिससे मानव जीवन में नैतिकता और सद्भाव का विकास होता है।पाठकों को बताता चलूं कि वैशाख पूर्णिमा को 'बुद्ध पूर्णिमा', 'पीपल पूर्णिमा' और 'बुद्ध जयंती' के नाम से भी जाना जाता है। ऊपर इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि यह दिन भगवान विष्णु को भी समर्पित माना जाता है, क्योंकि पुराणों के अनुसार महात्मा बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार माना गया है। स्कन्द पुराण में वैशाख मास को समस्त मासों में श्रेष्ठ बताया गया है, इसलिए यह मास विष्णु भगवान को अत्यंत प्रिय है। इस दिन भगवान विष्णु के सत्यनारायण स्वरूप की पूजा की जाती है। पद्म पुराण और मत्स्य पुराण में वैशाख मास में स्नान और दान को श्रेष्ठ बताया गया है-वैशाखे मासि स्नानं च, दानं च विशेषतः। इस मास में पवित्र तीर्थों पर स्नान, दान-पुण्य और व्रत से मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

शास्त्रों के अनुसार वैशाख शुक्ल त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को 'पुष्करणी तिथियाँ' कहा जाता है। मान्यता है कि एकादशी को अमृत प्रकट हुआ, द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की, त्रयोदशी को देवताओं ने अमृत का पान किया, चतुर्दशी को दैत्यों का संहार हुआ और पूर्णिमा को देवताओं को उनका राज्य पुनः प्राप्त हुआ। इस दिन यमराज (धर्मराज) की कृपा प्राप्त करने के लिए व्रत रखने और दान करने का विशेष विधान है। शक्कर, तिल, पंखे, जूते-चप्पल, घड़ा, दूध-खीर, अन्न-वस्त्र आदि का दान अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। पूर्णिमा के दिन चंद्रदेव को अर्घ्य देना शुभ फलदायी होता है। साथ ही मां लक्ष्मी की पूजा से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य बढ़ता है। उन्हें बताशा, खीर, मिठाई, नारियल और कमल का फूल अर्पित किया जाता है। इस दिन भगवान राम और हनुमान जी की पूजा भी की जाती है तथा हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाया जाता है। पितरों के निमित्त पिंडदान करने से उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है और परिवार में शांति एवं समृद्धि आती है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भगवान गौतम बुद्ध को 'एशिया का प्रकाश' कहा जाता है। उनका जन्म 563 ईसा पूर्व नेपाल के कपिलवस्तु स्थित लुम्बिनी वन में वैशाख पूर्णिमा के दिन हुआ था। उनके पिता शुद्धोधन शाक्यवंश के राजा थे और माता महामाया थीं। उनका बचपन का नाम सिद्धार्थ था और उनका पालन-पोषण राजकुमार के रूप में हुआ। बाद में उन्होंने सांसारिक जीवन त्यागकर सत्य की खोज की।

आज के संदर्भ में देखा जाए तो उनका जन्म नेपाल में हुआ, लेकिन उनकी कर्मभूमि भारत रही। यहीं उन्हें बोधि प्राप्त हुई और यहीं से उन्होंने संपूर्ण विश्व को ज्ञान का संदेश दिया। आज जापान, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, चीन, वियतनाम, ताइवान, तिब्बत, भूटान, कंबोडिया, हांगकांग, मंगोलिया, थाईलैंड, मकाऊ, म्यांमार, श्रीलंका जैसे अनेक देश बौद्ध संस्कृति से प्रभावित हैं। पाठक जानते हैं कि महात्मा बुद्ध ने जीवन में अहिंसा, करुणा, शांति, मैत्री और बंधुत्व का संदेश दिया। उनके अनुसार मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। शुद्ध विचारों से किया गया कर्म सुख देता है और अशुद्ध विचार दुख का कारण बनते हैं। उन्होंने कहा कि तीन चीजें कभी छुपाई नहीं जा सकतीं-सूर्य, चंद्रमा और सत्य। उनका यह भी संदेश था कि एक दीपक हजारों दीपक जला सकता है, फिर भी उसकी रोशनी कम नहीं होती, इसी प्रकार सद्गुण बांटने से कम नहीं होते। बुद्ध के अनुसार व्यक्ति को वर्तमान में जीना चाहिए, क्योंकि भूतकाल और भविष्य में खोकर दुख ही मिलता है। उन्होंने कहा कि बुराई से बुराई को नहीं जीता जा सकता, प्रेम से ही संसार जीता जा सकता है। जो व्यक्ति स्वयं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वही वास्तविक विजेता है। क्रोध मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है और क्रोध से स्वयं को ही नुकसान होता है। उनका यह भी कहना था कि केवल ज्ञान पढ़ना या सुनना पर्याप्त नहीं है, जब तक उसे जीवन में न अपनाया जाए उसका कोई लाभ नहीं। बुद्ध ने यह स्पष्ट किया कि उनके उपदेशों को बिना जांचे स्वीकार न किया जाए। उन्होंने कहा कि मनुष्य अपनी बुद्धि और अनुभव से सत्य को परखे। उनका धर्म तर्कसंगत, वैज्ञानिक सोच पर आधारित और अंधविश्वास विरोधी था। वे मानते थे कि संसार में अंतिम और अपरिवर्तनीय कुछ भी नहीं है, केवल परिवर्तन ही सत्य है।

बहरहाल, आज विश्व में कई क्षेत्रों में युद्ध और तनाव की स्थिति बनी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष, चीन-ताइवान तनाव, भारत-चीन सीमा विवाद, उत्तर कोरिया-दक्षिण कोरिया तनाव और ईरान-इजराइल तनाव वैश्विक शांति के लिए गंभीर चुनौती हैं। ऐसे समय में बुद्ध के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं, क्योंकि उन्होंने युद्ध का पूर्ण विरोध किया और कहा कि हर युद्ध में केवल विनाश और पीड़ा होती है।

उन्होंने 'आष्टांगिक मार्ग' बताया-सम्यक दृष्टि, सम्यक संकल्प, सम्यक वाक, सम्यक कर्म, सम्यक आजीविका, सम्यक व्यायाम, सम्यक स्मृति और सम्यक समाधि। यही मार्ग मनुष्य को राग, द्वेष, मोह, लोभ, घृणा और भय से मुक्त करता है। इन्हीं विकारों से हिंसा, शोषण, अन्याय, आतंकवाद और युद्ध उत्पन्न होते हैं। आज की दुनिया में तनाव, अवसाद, आर्थिक असमानता और नैतिक गिरावट बढ़ रही है, ऐसे में बुद्ध का मार्ग समाधान प्रस्तुत करता है। इतना ही नहीं, उन्होंने पंचशील सिद्धांत भी दिए।मसलन -चोरी न करना, व्यभिचार न करना, झूठ न बोलना, नशा न करना आदि। साथ ही उन्होंने सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और नैतिक जीवन पर बल दिया।बुद्ध ने यह भी कहा कि घृणा को घृणा से नहीं जीता जा सकता, उसे केवल प्रेम से जीता जा सकता है। वास्तव में, क्रोध में हजारों शब्दों को गलत बोलने से अच्छा मौन वह एक शब्द है जो शांति लाता है। उनका यह संदेश आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पहले था।

अंततः बुद्ध पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि शांति, करुणा, अहिंसा और मानवता का संदेश देने वाला पावन दिन है। यह हमें गौतम बुद्ध के जीवन से प्रेरणा लेकर संयम, सत्य, सद्भाव और विश्व शांति के मार्ग पर चलने की सीख देता है। आज के तनावपूर्ण वैश्विक समय में यह पर्व मानवता को एकता, प्रेम और सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करता है।

(फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार)

नीम का जूस अत्यधिक और गलत तरीके से सेवन से शरीर को हो सकता है नुकसान

नीम का जूस फायदेमंद होने के बावजूद, इसका अत्यधिक और गलत तरीके से सेवन शरीर में रूखापन, जोड़ों में दर्द और कमजोरी पैदा कर सकता है, इसलिए इसे अपनी रोजाना की आदत बनाना नुकसानदायक हो सकता है।

खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण लोग अपनी सेहत का ध्यान बिल्कुल भी नहीं रखते हैं। सेहतमंद रहने के लिए लोग ज्यादातर महंगी डाइटिंग और फैंसी चीजों की तरफ जाते हैं। लेकिन हमारे आसपास मौजूद पेड़-पौधों, पत्तों और फूलों के औषधीय गुणों के बारे में जान लें और इन्हें डाइट में शामिल करें,तो आधी से ज्यादा बीमारियां से बचा जा सकता है। आयुर्वेद में नीम के पत्तों को किसी खजाना माना गया है। खून को साफ करने के लिए नीम के पत्ता सबसे अच्छा माना जाता है, वजन कम करने और शरीर को डिटॉक्स करने में नीम बेहद ही फायदेमंद होता है। कुछ लोग रोजाना नीम के पत्तों का जूस पीते हैं, लेकिन वे यह नहीं जानते हैं किन लोगों के लिए यह जूस फायदेमंद नहीं होता है। और अगर आप रोजाना इसके जूस पीने को अपनी सबसे हेल्दी आदत मान रही हैं, तो आप गलत है। नीम के पत्तों के जूस पीने के सही तरीके और मात्रा में पीना चाहिए। आइए आपको इस बारे में बताते हैं।

हेल्थ के एक्सपर्ट बताते हैं कि नीम के पत्तों का कड़वा स्वाद हमारे शरीर में रूखापन लेकर आता है। यदि आप इसे बिना बैलेंस के रोजाना डाइट में शमिल करते हैं, तो ये शरीर के हर सेल में मौजूद नमी को बाहर खींच लेता है।

- नीम की तासीर की प्रकृति ठंडी और शुष्क होती है और ऐसे में इसे लंबे समय तक लेने से बॉडी में ड्राईनेस पैदा हो सकती है।
- अगर आप अत्यधिक कड़वी चीजों का सेवन करते हैं, तो ब्लड, मसल्स और फैट समेत शरीर के सात मुख्य टिश्यूज कमजोर होने लगते है। जिससे हेल्दी डाइट लेने के बाद भी आपको कमजोरी और थकान हो सकती है।
- लोग सोचते हैं कि नीम का जूस पीकर हमारी बॉडी डिटॉक्स होगी, लेकिन असल में हमारे टिश्यू मास कम होने लगता है।
- कड़वा रस अधिक शरीर में पहुंचता है, तो इसका असर वात रस पर पड़ता है, जिससे ऑयल कम होने लगता है और जोड़ों में अकड़न और दर्द हो सकती है।
- नीम का जूस पीने से स्किन अधिक ड्राई हो जाते हैं और समय से पहले एजिंग के साइन्स नजर आ सकते हैं।

नीम का जूस पीने का सही तरीका

- जब आप नीम का जूस पिएं तो साथ में घी जरुर लें। ऐसा करने से आपकी सभी रुखे हर्ब्स के साथ करना चाहिए ताकि शरीर में ड्राईनेस ने आए।
- रोजाना नीम का जूस 15-30 मिली से ज्यादा न लें।
- एक्सपर्ट के सलाह लेकर ही नीम का जूस पिएं।

पाचन सुधारकर पेट की तकलीफ दूर करता है यह घरेलू उपाय

पेट में फंसी गैस और ब्लोटिंग से तुरंत राहत पाने के लिए दवाओं की जगह अपनाएं यह असरदार देसी ड्रिंक। नींबू, हींग और काली मिर्च से बना यह घरेलू उपाय सिर्फ 2 मिनट में पाचन सुधारकर पेट की तकलीफ दूर करता है।

बिजी लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण कई बार हम सभी पेट संबंधित परेशनियों से गुजरना पड़ता है। एसिडिटी, ब्लोटिंग, गैस इन सभी समस्याओं से हम सभी कभी न कभी जरुरत महसूस करते हैं। खाना खाने के बाद अचानक से पेट टाइट हो जाना, डकार न आना या असहज महसूस होना ये सभी डाइजेशन की गड़बड़ी का संकेत होता है। इन परेशनियों के चक्कर में कई लोग तो दवाओं का सेवन करने लग जाते हैं, हर बार दवा लेना भी ठीक नहीं होता है। अब आपकी किचन में ही इसका असान और असरदार इलाज छिपा हुआ है। इस लेख में हम आपको ऐसी देसी ड्रिंक के बारे में बताने जा रहे है, जो गैस से तुरंत आराम देती है।

गैस दूर करने वाले ड्रिंक की सामग्री

- नींबू का रस- 1/2
- हींग- 1 चुटकी, - काली मिर्च- 1 चुटकी
- गुनगुना पानी- 1/2 कप

गैस के लिए मैजिक ड्रिंक कैसे बनाएं और पिएं?

- इसे बनाने के लिए सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाएं।
- धीरे-धीरे छोटे घूंट में पिएं।जड़ी-बूटियां और मसाले
- इसे खाने के बाद या जब भी गैस महसूस हो, तब इसका सेवन कर सकते हैं।

ये ड्रिंक कैसे काम करती है?

- यह ड्रिंक फंसी हुई गैस को बाहर निकालती है।
- पेट की सूजन और भारीपन कम करती है।
- डाइजेशन को तुरंत एक्टिव करती है।

ड्रिंक में मौजूद चीजों के फायदे

- गुनगुने पानी के साथ नींबू का रस लेने से ब्लोटिंग की समस्या कम होती है। यह डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाता, इसके साथ ही फैट के डाइजेशन को आसान बनाता है और शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।
- गर्म पानी पीन से ब्लोटिंग के लिए आसान और नेचुरल उपाय है। यह डाइजेशन को बेहतर करता है। यह आंतों की मसल्स को रिलैक्स करता है और गुब्बारे की तरह फूली गैस को बाहर निकालता है।
- आयुर्वेद में हींग को गैस, अपच और ब्लोटिंग के लिए पारंपरिक उपाय है क्योंकि यह पेट में अग्नि को बढ़ाती है। यह एकदम कर्मिनेटिव की तरह काम करता है, डाइजेशन एंजाइम्स को एक्टिव करता है और पेट में फंसी गैस से राहत दिलाता है।छुट्टी, पार्टी वगैरह में इस्तेमाल होने वाले प्रॉडक्ट
- काली मिर्च डाइजेशन को बेहतर बनाती है और ब्लोटिंग को कम करती है। इसमें मौजूद पिपेरिन डाइजेशन एंजाइम्स को बढ़ाता है, प्रोटीन को तोड़ता है और गैस कम करता है।
- इसके साथ ही यह हल्के मूत्रवर्धक की तरह काम करके शरीर में पानी की अतिरिक्त मात्रा को भी कम करता है। इसका अधिक मात्रा में सेवन करने से आपको पेट में जलन हो सकती है।

गर्मी में इन 5 फलों से बढ़ सकती है हीट और ब्लोटिंग

गर्मियों का मौसम आते ही लोग ताजे और रसीले फलों का सेवन करते है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ फल ऐसे भी होते हैं जो इस मौसम में शरीर को फायदा देने के बजाय नुकसान पहुंचा सकते हैं? हाल ही में जनरल फिजीशियन डॉक्टर ने जानकारी दी थी की कुछ फलों का सेवन गर्मियों में सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। उनके अनुसार, गर्मी के मौसम में शरीर पहले से ही डिहाइड्रेशन और बढ़ते तापमान से जूझ रहा होता है। ऐसे में अगर गलत फल, गलत समय या जयादा मात्रा में खा लिया जाए तो इससे ब्लोटिंग, एसिडिटी, शुगर बढ़ना और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जानें कोन से फल नहीं खाने चाहिए।

गर्मियों में किन फलों से रखें दूरी?

चीकू

चीकू खाना खास तोर पर सभी पसंद होता है। चीकू एक मीठा और स्वादिष्ट फल है, जिसे सही मात्रा में खाने पर शरीर को कई फायदे मिलते हैं। इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं। पर क्या आप जानते है की चीकू में प्राकृतिक शुगर की मात्रा काफी अधिक होती है। यह फल भारी होता है और अधिक सेवन से ब्लड शुगर बढ़ने और पेट में भारीपन की समस्या हो सकती है।

अनानास

अनानास एक स्वादिष्ट और रसीला फल है, जो गर्मियों में शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है। इसमें विटामिन ष्, फाइबर और खास एंजाइम (ब्रोमेलिन) पाए जाते हैं, जो सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं। पुर गर्मियों मे ज्यादा अनानास खाने से स्वभाव एसिडिक होता है। इसे ज्यादा खाने से एसिडिटी, पेट में जलन और ब्लोटिंग हो सकती है। कुछ लोगों में यह स्किन से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ा सकता है।

कटहल

कटहल एक पौष्टिक और देसी सुपरफूड माना जाता है। इसका स्वाद जितना अलग होता है, इसके फायदे भी उतने ही खास होते हैं। इसमें फाइबर, विटामिन ष्, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। पर कहा जाता है की कटहल एक भारी फल है, जो पचने में समय लेता है। गर्मियों में इसका अधिक सेवन गैस, अपच और पेट फूलने की समस्या पैदा कर सकता है।

आम

आम को 'फलों का राजा' कहा जाता है और यह सिर्फ स्वाद में ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन ए सी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचाते हैं। लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसानदेह हो सकता है। डॉक्टर के अनुसार, ज्यादा आम खाने से शरीर में गर्मी, शुगर लेवल बढ़ना और स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। इसलिए इसे सीमित मात्रा में ही खाना चाहिए।

अंगूर

अंगूर एक छोटा लेकिन बेहद पौष्टिक फल है, जो स्वाद के साथ-साथ शरीर को कई जरूरी पोषक तत्व देता है। इसमें विटामिन सीके, एंटीऑक्सीडेंट्स और नेचुरल शुगर भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन अंगूर में शुगर की मात्रा अधिक होती है। अधिक सेवन से गट में फर्मेंटेशन, गैस और ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। साथ ही, ठीक से साफ न करने पर इसमें मौजूद केमिकल्स भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।

गर्मियों के लिए कौन से फल हैं बेहतर?

डॉक्टरों के अनुसार, इस मौसम में ऐसे फलों का चयन करना चाहिए जो शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन दें:

तरबूज: लगभग 90% पानी से भरपूर, शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखता है

खरबूजा: पोटैशियम और विटामिन ए से भरपूर, ब्लड प्रेशर संतुलित रखने में मददगार

पपीता: पाचन सुधारने और गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

संतरा: विटामिन सी से भरपूर, इम्यूनिटी और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखता है।

गर्मी से बचने के लिए इन चीजें का रखे ध्यान

डॉक्टरों का कहना है कि किसी भी फल को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत नहीं है, लेकिन मात्रा और समय का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

फल हमेशा सीमित मात्रा में खाएं, खाली पेट ज्यादा मीठे फल खाने से बचें, दिनभर में 1-2 कटोरी फल पर्याप्त हैं और पर्याप्त पानी पीना न भूलें।

गर्मी में सही फल का चुनाव आपकी सेहत को बेहतर बना सकता है, जबकि गलत आदतें परेशानी बढ़ा सकती हैं। इसलिए इस मौसम में हाइड्रेटिंग और हल्के फल ही अपनी डाइट में शामिल करें और भारी व ज्यादा मीठे फलों का सेवन सीमित रखें।

अच्छी नहीं है बार- बार उंगलियां चटकाने की लत, यह धीरे-धीरे शरीर का कर देती है नुकसान

चाहे आपकी एक उंगली हो या सभी इसे चटकने से आवाज जरूर आती है। बहुत से लोग तो आराम से बैठकर अपनी उंगलियां चटकाने लगते हैं, इससे उन्हें लगता है कि इससे उंगलियों को आराम मिलता है। उंगलियों के चटकने का अध्ययन 60 वर्षों से अधिक समय से किया जा रहा है। उंगलियों चटकने या आवाज़ आने के कई कारण बताए जाते हैं। विशेषज्ञों ने तो इसे समझाने के लिए गणित का भी इस्तेमाल किया है, लेकिन इसका सटीक कारण अज्ञात है।

हालांकि जो लोग बार-बार उंगलियां चटकाते हैं उन्हें सावधान रहने की जरुरत है, ये उनके लिए मुसीबत खड़ी कर सकता है।

उंगलियों चटकने सें क्यों आती है आवाज?

उंगलियों के जोड़ों का चटकना तब होता है जब कोई व्यक्ति किसी जोड़ पर खिंचाव या तनाव डालता है, जिससे जोड़ में चटकने या आवाज़ आने का एहसास होता है। आमतौर पर दर्द रहित, उंगलियों के जोड़ों का चटकना हानिकारक नहीं है। लेकिन अगर आपकी नसें ऊतकों के ऊपर से फिसलती हैं, तो भी चटकने की आवाज़ आ सकती है। जब आप अपनी उंगलियों के जोड़ों को फैलाते हैं, तो वे फिसलती और समायोजित होती हैं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ मांसपेशियों में बदलाव और उनके काम करने के तरीके के कारण ऐसा हो सकता है।

क्या उंगलियां चटकाना आपके लिए नुकसानदायक है?

हो सकता है आपने सुना हो कि उंगलियां चटकाने से गठिया हो सकता है। लेकिन रिसर्च में यह बात साबित नहीं हुई है। डॉक्टर कहते हैं कि- ज़्यादातर लोगों के लिए यह पूरी तरह से सुरक्षित है, इससे गठिया नहीं होता। उंगलियों के जोड़ों को चटकाने से जोड़ों पर इतना ज़ोर नहीं पड़ता कि वे अपनी जगह से हट जाएं या उंगलियों को नुकसान पहुंचे। हालांकि अगर आप बहुत ज़ोर से दबाते हैं या आपको पहले से ही जोड़ों की कोई समस्या है, तो दर्द या खिंचाव हो सकता है।

ये संकेत दिखते ही हो जाएं सतर्क

जोड़ों को चटकाने के बाद दर्द, सूजन या जोड़ों की हरकत में कमी किसी दूसरी समस्या के संकेत हो सकते हैं, न कि जोड़ों को चटकाने की आदत के कारण। अगर जोड़ों को चटकाने से कभी दर्द, अकड़न या सूजन होती है, तो आपको किसी हेल्थ केयर प्रोवाइडर से संपर्क करना चाहिए। अपनी उंगलियों के जोड़ों को चटकाना आमतौर पर नुकसानदायक नहीं होता, लेकिन अगर यह आपकी कोई ऐसी आदत बन गई है जिससे आपको या दूसरों को परेशानी होती है, या अगर आपको जोड़ों से जुड़ी कोई और समस्या है और उंगलियां चटकाने से आपको दर्द, अकड़न, खिंचाव या सूजन महसूस होती है, तो आपको यह आदत छोड़ देनी चाहिए।

इस आदत को छोड़ने के टिप्स

इस बात पर ध्यान दें कि आप कब और क्यों अपनी उंगलियां चटकाते हैं। इस बात की जानकारी होने से आपको अपना व्यवहार बदलने में मदद मिल सकती है। पता लगाएँ कि ऐसी कौन सी चीज़ है जो आपको अपनी उंगलियां चटकाने के लिए उकसाती है। ऐसी कौन सी बात है जो आपको ऐसा करने के लिए प्रेरित करती है। अपने हाथों को व्यस्त रखने के लिए स्ट्रेस बॉल या कोई छोटा फ़िजेट टूल इस्तेमाल करें। उंगलियां चटकाने के बजाय अपनी उंगलियों या कलाइयों को स्ट्रेच करें। एक ही बार में पूरी तरह से छोड़ने के बजाय धीरे-धीरे करके इस आदत को कम करें। कुछ लक्ष्य या सीमाएं तय करें, जैसे कि काम से जुड़ी मीटिंग के दौरान उंगलियां न चटकाना।

बेन कैपिटल ने एमक्योर फार्मा में 289 करोड़ में बेची एक फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

वैश्विक निवेश कंपनी बेन कैपिटल ने एमक्योर फार्मास्युटिकल्स में लगभग एक प्रतिशत हिस्सेदारी 289 करोड़ रुपये से अधिक में बेच दी है। यह जानकारी एनएसई के ब्लॉक डील आंकड़ों से मिली। अमेरिका स्थित बेन कैपिटल ने अपनी संबद्ध इकाई बीसी इन्वेस्टमेंट्स आईवी लिमिटेड के माध्यम से पुणे स्थित एमक्योर के 18 लाख शेयर बेचे। ये शेयर औसतन 1,608.20 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए जिससे कुल सौदे का मूल्य 289.47 करोड़ रुपये रहा। इस लेनदेन के बाद स बीच, नॉर्वे के गवर्नमेंट पेंशन फंड ग्लोबल ने समान संख्या में शेयर उसी कीमत पर खरीदे। यह दुनिया का सबसे बड़ा संप्रभु संपत्ति कोष (सॉवरेन वेल्थ फंड) है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 95.03 पर पहुंचा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी डॉलर के मजबूत रुख से रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 32 पैसे टूटकर 95.20 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसारन ब्रेंट क्रूड का दाम करीब 122 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है, जिससे भारत का आयात खर्च बढ़ने की आशंका है। वहीं पश्चिम एशिया में संभावित व्यापक संघर्ष की चिंताओं ने निवेशकों की बेचैनी बढ़ा दी है जिससे डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर पर और दबाव पड़ सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.01 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में फिसलकर 95.20 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद स्तर से 32 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बुधवार को 20 पैसे कमजोर होकर 94.88 प्रति डॉलर

के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ 98.96 पर रहा।

प्राकृतिक आपदा में कर्जदारों को राहत, आरबीआई के नए नियम लागू

नई दिल्ली।

प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित कर्जदारों को राहत देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नए नियम जारी किए हैं। इन नियमों के तहत बाढ़, भूकंप या अन्य आपदाओं से नुकसान झेलने वाले ग्राहकों को बैंक मोरटोरियम की सुविधा देंगे, जिससे उन्हें कुछ समय तक किस्त चुकाने से राहत मिलेगी। इसके अलावा जरूरतमंदों को अतिरिक्त कर्ज भी उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे अपने व्यवसाय या आजीविका को फिर से शुरू कर सकें। आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रभावित क्षेत्रों में लचीला रवैया अपनाएं और ग्राहकों को शीघ्र सहायता प्रदान करें।

भारत का आईफोन निर्यात 2 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर

पीएलआई योजना के अंतिम वर्ष में ऐतिहासिक उपलब्धि, डीजल वाहनों और हीरों को भी पछाड़ा

नई दिल्ली ।

भारत में स्मार्टफोन विनिर्माण क्षेत्र ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारत से आईफोन का निर्यात रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लिए केंद्र सरकार की उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतिम वर्ष में सामने आया है, जो मेक इन इंडिया पहल की शानदार सफलता को दर्शाता है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 (अप्रैल-फरवरी) के 11 महीनों के निर्यात आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल स्मार्टफोन निर्यात लगभग 2.6 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें अकेले आईफोन का योगदान 75 फीसदी से अधिक (लगभग 2 लाख करोड़ रुपये) रहा। यह उपलब्धि देश के पारंपरिक प्रमुख निर्यात श्रेणियों को भी पीछे छोड़ गई है। इसी अवधि में, डीजल वाहन 14.53 अरब डॉलर (लगभग 1.21 लाख करोड़ रुपये) के निर्यात के साथ दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी रही, जबकि हीरा 11.23 अरब डॉलर (लगभग 93 हज़ार करोड़ रुपये) और दवाएं 9.98 अरब डॉलर (लगभग 83 हज़ार करोड़ रुपये) के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहीं। यह आंकड़ा ऐपल को भारत की विनिर्माण महत्त्वाकांक्षा का एक प्रमुख उदाहरण और सरकारी पहल की उत्कृष्ट सफलता की कहानी बनाता है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की शुरुआत के बाद से भारत से ऐपल के आईफोन का निर्यात लगभग शून्य से बढ़कर मात्र पांच वर्षों के भीतर 2 लाख करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2021-22 में 9,351.6 करोड़ रुपये से बढ़कर यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2022-23 में 44,269.5 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2023-24 में 85,013.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। पीएलआई योजना की गति बढ़ने के साथ ही, ऐपल के विनिर्माण भागीदार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन जैसी कंपनियों ने आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से श्रमिकों को प्रशिक्षित करते हुए उत्पादन और निर्यात में तेजी लाई। ऐपल की आपूर्ति श्रृंखला में 40 से अधिक घरेलू कंपनियों के साथ-साथ जापान की टीडीके कॉर्पोरेशन और कई ताइवानी संयुक्त उद्यम भी शामिल हैं, जिसमें चीनी कंपनियों को लगातार बाहर रखा गया है। यह भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

1 मई को शेयर बाजार बंद रहेंगे बीएसई-एनएसई में नहीं होगा कारोबार

महाराष्ट्र दिवस पर नहीं होगी शेयरों की खरीद-बिक्री

मुंबई ।

1 मई शुक्रवार को महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर देश के प्रमुख शेयर बाजार एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) और बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) बंद रहेंगे। निवेशकों को अब 30 अप्रैल के बाद सीधे 4 मई को ही ट्रेडिंग का मौका मिलेगा। दोनों प्रमुख एक्सचेंजों का मुख्यालय मुंबई में होने के कारण हर साल 1 मई को महाराष्ट्र राज्य के गठन की याद में मनाए जाने वाले महाराष्ट्र दिवस पर बाजार में अवकाश रहता है। यह परंपरा 1960 में राज्य के गठन के बाद से चली आ रही है। मौजूदा वर्ष में कुल 16 ट्रेडिंग हॉलिडे निर्धारित हैं, जिनमें से 7 पहले ही बीत चुके हैं। 1 मई की छुट्टी के बाद, बाजार में 8 और दिनों का अवकाश रहेगा। इनमें शामिल हैं- 28 मई बकरीद, 26 जून मुहर्रम, 14 सितंबर गणेश चतुर्थी, 2 अक्टूबर गांधी जयंती, 20 अक्टूबर दशहरा, 10 नवंबर दिवाली, 24 नवंबर गुरु नानक जयंती और 25 दिसंबर क्रिसमस। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज 1 मई को सुबह के सत्र के लिए बंद रहेगा, लेकिन शाम 5 बजे से रात तक इसमें कारोबार जारी रहेगा।

इक्रा की चेतावनी- तेल, उर्वरक, गैस क्षेत्रों पर 80,000 करोड़ के घाटे का संकट

भू-राजनीतिक तनाव और लागत वृद्धि से वित्त वर्ष 27 में लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने आगाह किया कि भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के कारण वित्त वर्ष 2026-27 तक भारत के प्रमुख डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों को गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। एजेंसी के अनुसार यदि वर्तमान घाटे का स्तर बना रहा, तो सरकारी तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को अकेले एलपीजी बिक्री पर लगभग 80,000 करोड़ रुपये का भारी नुकसान हो सकता है। इक्रा ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान ने अंतरराष्ट्रीय एलपीजी, कच्चे तेल और अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों में तेज वृद्धि की है। इन दबावों के चलते, ओएमसी को

120-125 डॉलर प्रति बैरल कच्चे तेल पर पेट्रोल पर 14 रुपये और डीजल पर 18 रुपये प्रति लीटर का भी नुकसान होने का अनुमान है, जिससे उनकी लाभप्रदता बुरी तरह प्रभावित होगी। उर्वरक क्षेत्र को भी सल्फर और अमोनिया की बढ़ती कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे वित्त वर्ष 2027 में सब्सिडी की आवश्यकता 2.05 ट्रिलियन रुपये से 2.25 ट्रिलियन रुपये तक जा सकती है, जो मौजूदा बजटीय आवंटन से कहीं अधिक है।

इक्रा का मानना है कि सरकार को इस क्षेत्र की स्थिरता बनाए रखने के लिए सब्सिडी बढ़ानी होगी। सिटी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र में भी मुद्रा में गिरावट और गैस की ऊंची कीमतों से सीएनजी सेगमेंट के मार्जिन पर दबाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि लागत पूरी तरह उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाई जा सकेगी।

इन सभी कारकों से डाउनस्ट्रीम उद्योगों की लाभप्रदता प्रभावित होगी।

एआई को बढ़ावा देने हजारों कर्मियों की छंटनी करेगी कॉग्निजेंट

नई दिल्ली ।

आईटी सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कॉग्निजेंट ने एक बड़े पुनर्गठन कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसमें हजारों कर्मचारियों की छंटनी की आशंका है। कंपनी इस पर 20 से 32 करोड़ डॉलर खर्च करेगी। यह कदम अनिश्चित आर्थिक माहौल के बीच उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने तथा कौशल की बदलती मांगों को पूरा करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नैस्डैक पर सूचीबद्ध कॉग्निजेंट ने अपने प्रोजेक्ट लीप कार्यक्रम के तहत यह ऐलान किया है। इसके तहत अप्रैल से दिसंबर के बीच कंपनी कर्मचारियों को बर्खास्त करने पर 20 से 27 करोड़ डॉलर का मुआवजा और 3 से 5 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त कार्मिक व्यय वहन करेगी। यह परियोजना बुधवार को पहली तिमाही के नतीजों के साथ घोषित की गई। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमताओं में अधिक निवेश करना, कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाना और उन्हें बाजार की मांगों के अनुरूप ढालना है। इससे कंपनी के परिचालन मॉडल में सुधार होगा और उत्पादकता बढ़ेगी। कंपनी को

उम्मीद है कि इस साल उसे 20 से 30 करोड़ डॉलर की बचत होगी, जिससे मार्जिन में 20 से 40 आधार अंकों की वृद्धि होगी।

वारी एनर्जीज का चौथी तिमाही में मुनाफा 75 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।

ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वारी एनर्जीज लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष में शानदार वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। चौथी तिमाही में इसका एकीकृत शुद्ध लाभ करीब 75 प्रतिशत बढ़कर 1,126 करोड़ रुपये पर पहुँच गया, जबकि पूरे वित्तीय वर्ष में शुद्ध लाभ 3,884.15 करोड़ रुपये रहा। तिमाही के दौरान कुल आय दोगुनी से अधिक होकर 8,659.98 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। बोर्ड ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रति शेयर पर 2 रुपये (20 प्रतिशत) का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। इसके अतिरिक्त कंपनी 10,000 करोड़ रुपये तक की राशि पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) या अन्य माध्यमों से जुटाने की योजना बना रही है।

1 मई से सिगरेट 17 फीसदी तक हुई महंगी!

मुंबई ।

धूम्रपान करने वालों को सिगरेट की तलब अब उनके जेब पर और भारी पड़ने वाली है। प्रमुख तंबाकू कंपनियां आईटीसी और गाडफ्रे फिलिप्स 1 मई से सिगरेट के दाम में 17 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने जा रही हैं। यह इस साल फरवरी में सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क बढ़ाने के बाद दूसरी बड़ी कीमत वृद्धि होगी। दरअसल, 1 फरवरी को सरकार ने सिगरेट पर उत्पाद शुल्क में 30 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि की थी। शुरुआत में कंपनियों ने इस बढ़े हुए टैक्स का कुछ हिस्सा खुद वहन किया। लेकिन बिक्री में गिरावट और मुनाफे पर दबाव के चलते अब उन्होंने यह बोझ पूरी तरह ग्राहकों पर डालने का फैसला किया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर मशहूर ब्रांड्स पर दिखेगा। गोल्ड फ्लैक प्रीमियम का एक पैक जो अभी लगभग 115 में मिलता है, वह बढ़कर करीब 135 रुपए तक पहुंच जाएगा।

इसी तरह, किंग साइज सिगरेट की प्रति स्टिक कीमत 20 से बढ़कर 25 से 28 रुपए के बीच हो सकती है। कीमतों में वृद्धि का असर बाजार में पहले ही दिख रहा है; अप्रैल में सिगरेट की बिक्री में करीब 20 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है, खासकर महंगे किंग साइज सेगमेंट में, क्योंकि लोग अब सस्ते विकल्प तलाश रहे हैं।

जनवरी-मार्च तिमाही में सोने की मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन हुई डब्ल्यूजीसी

ऊंची कीमतों के बीच निवेश मांग में 54 फीसदी की वृद्धि, आभूषण खरीदारी 19 फीसदी घटी

नई दिल्ली ।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस साल जनवरी-मार्च तिमाही में सोने की कुल मांग 10 प्रतिशत बढ़कर 151 टन हो गई है। यह वृद्धि मुख्य रूप से निवेश मांग में मजबूत उछाल के कारण हुई है, जिसने आभूषणों की घटती खरीद की काफी हद तक भरपाई कर दी है।

रिपोर्ट दर्शाती है कि भारतीय स्वर्ण बाजार में अब आभूषणों के बजाय निवेश की ओर झुकाव बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक तिमाही के दौरान सोने की छड़ों, सिक्कों और गोल्ड ईटीएफ के जरिए निवेश मांग में 54 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो बढ़कर 82 टन हो गई। इसकी मुख्य वजह सोने की रिकॉर्ड ऊंची कीमतें रहीं, जिसने उपभोक्ताओं को निवेश के रूप में सोने की ओर आकर्षित किया।

हालांकि, ऊंची कीमतों का असर आभूषण मांग पर नकारात्मक रहा, जिसमें सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 66 टन रह गई।

कीमत के प्रति संवेदनशील उपभोक्ता वर्ग पर विशेष रूप से इस गिरावट का प्रभाव देखा गया। डब्ल्यूजीसी ने पूरे वर्ष के लिए सोने की मांग 650-750 टन के बीच रहने का अनुमान जताया है, जबकि पिछले साल यह 712 टन थी।

मूल्य के लिहाज से इस तिमाही में सोने की मांग लगभग दोगुनी होकर 99,900 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 99 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

डब्ल्यूजीसी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि भारत का सोना बाजार मात्रा के रुझान और मूल्य वृद्धि के बीच अंतर को दर्शाता है, जो रिकॉर्ड ऊंची कीमतों और बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं से प्रभावित है। घरेलू सोने की कीमत इस तिमाही में सालाना आधार पर 81 प्रतिशत बढ़कर औसतन 1,51,108 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 83,375 रुपये थी।

सोने की छड़ों और सिक्कों की मांग 34 प्रतिशत बढ़कर 62 टन हो गई, जो 2013 के बाद पहली तिमाही का सबसे ऊंचा स्तर है। यह पारंपरिक रूप से आभूषण-प्रधान बाजार से एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है।

एचयूएल का मुनाफा 20.96 प्रतिशत बढ़कर 2,994 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं (एफएमसीजी) बनाने वाली प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का जनवरी-मार्च तिमाही में मुनाफा 20.96 प्रतिशत बढ़कर 2,994 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का मुनाफा एक साल पहले की समान अवधि में 2,475 करोड़ रुपये रहा था। एचयूएल ने आय का विवरण देते हुए बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उत्पादों की बिक्री से राजस्व 2025-26 में 8.13 प्रतिशत बढ़कर 16,172 करोड़ रुपये रहा।

कुल खर्च 7.2 प्रतिशत बढ़कर 16,615 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, अन्य आय सहित कुल आय 5.01 प्रतिशत बढ़कर 16,580 करोड़ रुपये रही। यह 12 तिमाहियों में उसकी सबसे तेज वृद्धि है।समूचे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मुनाफा 15,059 करोड़ रुपये रहा जिसमें 'न्यूट्रिशनलैब' के विनिवेश से सहायता मिली।

इस दौरान कुल आय 4.6 प्रतिशत बढ़कर 65,219 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में अनुकूल व्यापक आर्थिक नीतियों के कारण मांग का माहौल बेहतर रहा।

कंपनी ने वृद्धि को तेज करने के लिए खंड को मजबूत करने, निवेश बढ़ाने, मांग सृजन क्षमताओं को सुदृढ़ करने और संगठन को सरल बनाने जैसे कदम उठाए। उन्होंने कहा कि बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण जिंसों और मुद्रा में उतार-चढ़ाव बना हुआ है।

रोब्लॉक्स ने भारत विस्तार के लिए सुनील राव को एमडी नियुक्त किया

साझेदारियों और क्रिएटर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेंगे

नई दिल्ली।

अग्रणी गेमिंग प्लेटफॉर्म रोब्लॉक्स ने भारत में अपनी स्थिति मजबूत करने के उद्देश्य से सुनील राव को अपनी भारतीय इकाई का प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है।

कंपनी ने गुरुवार को इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की घोषणा की, जिसके तहत राव मई से कार्यभार संभालेंगे। राव देश में रोब्लॉक्स के वरिष्ठ प्रतिनिधि और बाजार प्रमुख के रूप में कार्य करेंगे। उनकी मुख्य जिम्मेदारियों में भारत में कंपनी की रणनीति का दैनिक क्रियान्वयन, स्थानीय उपस्थिति को मजबूत करना, साझेदारियों को बढ़ावा देना और 'क्रिएटर इकोसिस्टम' को समर्थन देना शामिल होगा।

रोब्लॉक्स के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष झेन फांग ने भारत को वैश्विक स्तर पर एक महत्वपूर्ण बाजार बताया और राव की विभिन्न बाजारों में काम करने की विशेषज्ञता को कंपनी की अगली विकास यात्रा के लिए उपयुक्त करार दिया।

इस नियुक्ति से पहले राव अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) में नेतृत्व दल का हिस्सा थे, जहां उन्होंने एशिया-प्रशांत और जापान क्षेत्र में रणनीति और कॉरपोरेट बिजनेस डेवलपमेंट कार्यों का नेतृत्व किया। अपनी नई भूमिका पर राव ने देशभर के डेवलपर और क्रिएटर को सशक्त बनाने वाले एक जीवंत और समावेशी परिवेश बनाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

उन्होंने बच्चों की सुरक्षा और

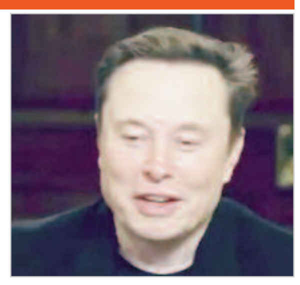

भारत के नियामकीय ढांचे के अनुरूप काम करने को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल बताया, ताकि एक भरोसेमंद मंच के माध्यम से जिम्मेदारी से आगे बढ़ा जा सके।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शुक्रवार को आईपीएल के 43 वें मैच में अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। अब तक के प्रदर्शन को देखा जाये तो रॉयल्य जीत की प्रबल दावेदार है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं और 12 अंक लेकर वह तालिका में तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी और पक्की करना रहेगा। पिछले मैच में उसने बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने जोरदार वापसी की है। कप्तान रियान पराग की राजस्थान के पास वैभव सूर्यवंशी , यशस्वी जायसवाल जैसे बल्लेबाज, वहीं जोफ्रा आर्चर जैसे तेज गेंदबाज और स्पिनर के तौर पर रविन्द्र जडेजा हैं1

वहीं दूसरी और अक्षर पटेल की कप्तानी में उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक केवल 3 मैच जीते हैं और उसके 6 अंक हैं इससे वह अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पिछले मैच में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ केवल 75 रन पर ही सिमट गयी थी। जिससे उसके बल्लेबाज इस मैच में भी दबाव में होंगे। उसकी ओर से अब तक केवल केएल राहुल ही बड़ी पारियों खेल पाये हैं। वहीं अन्य बल्लेबाजों डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स और समीर रिजवी के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

उसके लिए राहत की बात केवल इतनी सी है कि तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क फिट हो गये हैं और वह वापसी के लिए तैयार हैं। स्टार्क अगर खेलते हैं तो दिल्ली की गेंदबाजी मजबूत होगी। इसके अलावा वह लुंगी एनगिडी एंटीगिटी के नहीं खेलने से होने वाली कमी भी भर देंगे। एंटीगिटी चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेलेंगे।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो टीमों के बीच 29 मैच हुए हैं इसमें से राजस्थान ने 15 जबकि दिल्ली ने 14 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा, शुभम दुबे, ।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), लोकेश राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, आकिब डार, नितीश राणा, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंता चमीरा, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव और मिचेल स्टार्क।

अभिषेक ऑरेंज कैप और ईशान मलिंगा पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए आईपीएल मुकाबले के बाद एक बार फिर ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव आया है। अब एक बार फिर सनराइजर्स के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में नंबर एक आ गये हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी तीसरे नंबर पर खिसक गये हैं। अभिषेक ने मुम्बई के खिलाफ मैच में 24 गेंदों में 45 रन बनाये। इससे अब उनके कुल 425 रन हो गये हैं। वहीं सनराइजर्स के ही हेरनिक क्लासेन 414 रनों के साथ ही दूसरे और राजस्थान के वैभव 400 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। केएल राहुल चौथे और विराट कोहली पांचवे नंबर पर हैं।

वहीं दूसरी और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाले पर्पल कैप के लिए सनराइर्स के ईशान मलिंगा नंबर एक पर पहुंच गये हैं। ईशान ने अब तक 15 विकेट लिए हैं। मुम्बई इंडियंस के खिलाफ ईशान ने एक विकेट लिया था। वहीं आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार, रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज तीनो ही 14-14 विकेट के साथ ही दसरे तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। हहैं। इसके बाद 13 विकेट के साथ लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव 13 विकेट के साथ ही पांचवे नंबर पर हैं।

बीसीसीआई ने रियान पराग पर ई-सिगरेट सेवन के लिए जुर्माना लगाया

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग को इलेक्ट्रानिक सिगरेट (वेप्स) का सेवन करना भारी पड़ा है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इससे आचारसंहित का उल्लंघन मानते हुए 'स्मोकिंग एक्ट के तहत ही पराग पर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया है। इसके अलावा उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। इससे पहले बोर्ड ने उन्हें नोटिस भेजा था। उन पर खिलाड़ी आचार संहित के नियम 2.1 के तहत लेवल 1 का अपराध लगाया गया है। जो आचारसंहित का के पालन से जुड़ा है। पराग को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम के अंदर स्मोकिंग करते हुए देखा गया था। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद से ही वह आलोचना का शिकार हो रहे थे। वहीं बोर्ड और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के सूत्रों के अनुसार पराग को गुरुवार सुबह नोटिस दिया गया था। पराग ने इस मामले में जुर्माना भरना स्वीकार कर लिया है। ऐसे में अब इस मामले में आगे कार्रवाई नहीं होगी। ये दूसरी बार है जब रॉयल्स विवादों में आई है। इससे पहले टीम मैनेजर को भी डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते देखा गया था।

केविन पीटरसन की दक्षिण अफ्रीका को अपील, 2027 विश्व कप के लिए इस प्लेयर को रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने दक्षिण अफ्रीकी टीम मैनेजमेंट से अपील की है कि वे अपने घरेलू मैदान पर ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 का खिताब जीतने की कोशिश में हेनरिक क्लासेन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट वापस लेने के लिए मनाएं। क्लासेन ने पिछले साल जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया था। वह मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के साथ शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। अब तक वह इस सीजन में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 9 पारियों में 59.14 की औसत और 157.41 के स्ट्राइक रेट से 414 रन बनाए हैं, जिसमें 4 अर्धशतक शामिल हैं।

गुरुवार को X पर लिखते हुए पीटर्सन ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका ने कभी क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं जीता है! आज सुबह दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड की तरफ से हेनरिक क्लासेन को एक फोन कॉल जाना चाहिए, जिसमें उनसे पूछा जाए कि क्या वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं और अपना पहला वर्ल्ड कप जीतने के अभियान में एक अहम भूमिका निभा सकते हैं, जो अगले साल दक्षिण अफ्रीका में ही होगा।'

क्लासेन का अंतरराष्ट्रीय रिटायरमेंट वापस लेना, हालांकि यह पूरी तरह से उन्हीं पर निर्भर करता है, लेकिन यह पूरी तरह से असंभव भी नहीं है; क्योंकि पिछले साल विकेटकीपर-बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने भी इस साल के टी20 वर्ल्ड कप 2026 और 2027 के घरेलू वर्ल्ड कप में खेलने के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट से अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया था और तब से उन्होंने कुछ बेहतरीन प्रदर्शन किए हैं।

क्लासेन ने 2018-25 तक फैले अपने सात साल के अंतरराष्ट्रीय करियर में 122 मैचों में 32.45 की औसत और 117.40 के स्ट्राइक रेट से 3,245 रन बनाए, जिसमें चार शतक, 16 अर्धशतक और 174 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। हालांकि उनका टेस्ट करियर छोटा रहा जिसमें उन्होंने 4 मैचों में सिर्फ़ 104 रन बनाए लेकिन क्लासेन प्रोटियाज के लिए एक मूल्यवान व्हाइट-बॉल क्रिकेटर साबित हुए। उन्होंने 60 वनडे मैचों में 43.69 की औसत और 117 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 2141 रन बनाए। इसमें चार शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं और 56 पारियों में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 174 रन रहा। टी20आई में उन्होंने 58 मैचों की 53 पारियों में 23.25 की औसत और 141 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,000 रन बनाए। इसमें पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 81 रन रहा।

मुम्बई को प्लेऑफ के लिए जीतने होंगे कम से कम पांच मैच

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस आईपीएल के 19 में सत्र में अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और उसे 8 में से 6 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इससे मुम्बई के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं काफी कम हो गयी हैं हालांकि ये समाप्त नहीं हुई है। प्लेऑफ के लिए अब मुम्बई को बचे हुए सभी 6 मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वह सफल रही तो उसे उसके 16 अंक हो जाएंगे और उसके लिए प्लेऑफ की राह खुली रहेगी। अभी टीम 4 अंक के साथ ही 9वें स्थान पर है। टीम को लीग स्तर पर अभी 6 मैच और खेलने है। उसका रेट में भी काफी कम है जिससे

भी उसे नुकसान हुआ है। उसे इस सत्र में प्लेऑफ के लिए अब कम से कम 14 अंकों की जरूरत है। इसके अलावा उसे अपने रनरेट में भी सुधार करना होगा।

ऐसे में टीम अगर शेष 6 मैचों में से 5 भी जीतती है तो भी उसे प्लेऑफ की संभावनाएं बनी रहेंगी। वहीं अगर वह केवल 4 मैच जीतती है और दो में हारती है तो बाहर हो जाएगी। इस सत्र में अब तक जिस प्रकार से मुम्बई का प्रदर्शन रहा है उससे उसके लगातार मैच जीतने की संभावनाएं कम ही हैं। गत दिवस हुए मैच में उसे 243 रनों का बड़ा स्कोर बनाने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार झेलनी पड़ी। टीम की हार का कारण बल्लेबाजों और गेंदबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है। जिससे टीम नीचे आयी है।

वैभव के पास दिल्ली कैपिल्स के खिलाफ मुकाबले में पोलार्ड का रिकार्ड तोड़ने का अवसर

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रायल्स की टीम अब एक मई शुक्रवार को दिल्ली कैपल्स से जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेलेगी। इस मैच में सभी की नजरें राजस्थान के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव इस मैच में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। इसके लिए उन्हें केवल एक छक्के की जरुरत है। अगर वैभव इसमें सफल रहे तो वह किरोन पोलार्ड का सबसे तेज 100 छक्के लगाने का रिकार्ड तोड़ देंगे। पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में वैभव ने पांच छक्के लगाये थे। इन पांच छक्कों के साथ ही

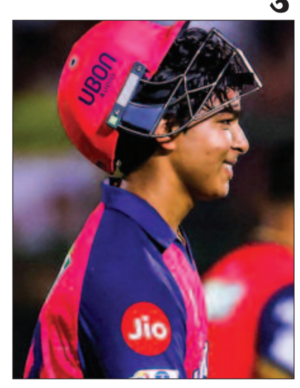

उनके अब टी20 की 27 पारियों में कुल 99 छक्के हो गए हैं। टी20 में सबसे तेज 100 छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड अभी पोलार्ड के नाम है। उन्होंने 843 गेंद में यह उपलब्धि हासिल की थी। वहीं सूर्यवंशी ने अब तक 511 गेंदें ही खेली हैं। ऐसे में उनका नंबर एक पर आना तय है।

वैभव ने आईपीएल सत्र की शुरुआत साल 2025 में की थी। तब वह केवल 14 साल की उम्र में खेलने उतरे थे। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बने थे। तब उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ खेलते हुए पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। वहीं इस सत्र में उन्होंने जसप्रीत बुमरार और पैट कमिंस जैसे गेंददाजों पर भी छक्के लगाये हैं। इसके अलावा जोश हेजलवुड, अर्शदीप सिंह सहित कई गेंदबाज भी वैभव से बच नहीं पाये हैं।

वैभव ने इस सत्र में साकिब हुसैन की गेंद पर छक्का लगाकर सिर्फ 36 गेंद में अपना शतक पूरा किया था। ये लीग का तीसरा सबसे तेज शतक रहा है। उन्होंने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगा दिया था। वहीं क्रिस गेल के नाम आईपीएल इतिहास में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड है। उन्होंने 30 गेंद में 100 रन बनाए थे। वैभव टी20 में सबसे कम उम्र में 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं।

चैंपियंस लीग फुटबॉल में एटलेटिको और आर्सेनल के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा

मैड्रिड । एटलेटिको मैड्रिड और आर्सेनल के बीच यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल 2026 में पहला लेग 1-1 से ड्रा रहा। स्पेन के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेला गया यह मैच पेनल्टी और वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) के फैसलों के कारण विवादों में रहा, जिसने अंतिम टिकट कटाने के लिए लंदन में होने वाले अगले सप्ताह के दूसरे लेग को और भी अम बना दिया है। आर्सेनल के लिए यह ड्रॉ थोड़ा निराशाजनक रहा, क्योंकि वीएआर के देर से आने के कारण उन्हें दूसरे पेनल्टी का अवसर नहीं मिला। इस मुकाबले में दोनो ही टीमें शुरुआत से ही सतर्क नजर आईं, किसी भी गलती से बचने के प्रयास करती रहीं। एटलेटिको ने अपने घरेलू मैदान पर अच्छी शुरुआत की। पहला हाफ समाप्त होने से ठीक पहले, आर्सेनल को बढ़त मिली। । बॉक्स के अंदर विक्टर ग्योकेरेस को डेविड हैंको द्वारा धक्का दिए जाने के बाद रेफरी ने उसे पेनल्टी दी जिसे ग्योकेरेस ने गोल में बदलकर आर्सेनल को 1-0 कीबढ़त दिला दी। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही एटलेटिको मैड्रिड ने अच्छी वापसी की। 56वें मिनट में, बेन व्हाइट के हैंडबॉल के बाद एटलेटिको को पेनल्टी मिली जिसे गोल में बदलने में जूलियन अल्वारेज ने कोई गलती नहीं की और स्कोर 1-1 पर पहुंचा दिया। 78वें मिनट में फाउल के कारण आर्सेनल को एक और पेनल्टी मिलने की उम्मीद थी पर वीएकआरे ने रेफरी के शुरुआती फैसले को पलट दिया, जिससे आर्सेनल को निराशा हुई। इसके बाद दोनो ही टीमों ने कई प्रयास किये पर वे गोल नहीं कर पायीं। दोनों टीमें अब अगले सप्ताह लंदन में होने वाले दूसरे लेग में उतरेंगी।

38 के हुए रोहित को जन्मदिन पर मिली बधाई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहत शर्मा आज 38 साल के हो गये। जन्मदिन पर रोहित को साथी क्रिकेटरों के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाई दी है। रोहित ने अपना 38वां जन्मदिन जयपुर के होटल में अपने परिवार और मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथियों के साथ मनाया। रोहित ने अपने करियर में कई सफलताएं हासिल की हैं। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने चैम्पियसं ट्रॉफी और टी20 विश्कप जीत है। मैदान पर छाये रहने वाले रोहित ने अपने क्रिकेटिंग करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। खेल के साथ ही वह धन कमाने में भी पीछे नहीं रहे हैं। रोहित भारतीय क्रिकेट के सबसे धनी खिलाड़ियों में से एक हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, उनकी कुल नेटवर्थ 233 करोड़ रुपये के करीब है। आजकल वह केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं पर उनकी लोकप्रियता में कमी नहीं आई है। उनकी आय का मुख्य स्रोत बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से मिलने वाली मोटी रकम और कई बड़े ब्रांड से जुड़े होना है। रोहित लंबे समय तक बीसीसीआई के केन्द्रीय अनुबंध में शीर्ष पर रहे हैं। उन्हें आईपीएल सीजन में उन्हें सालाना 16.30 करोड़ रुपये मिलते हैं। उन्होंने अब तक सिर्फ आईपीएल से ही 195 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसके अलावा वह 25 से अधिक बड़े ब्रांड्स के लिए वे एंडोर्समेंट करते हैं। उनका मुंबई के पॉश वरली इलाके में एक घर है। उनके पास लग्जरी और स्पोर्ट्स कारें भी है। इसमें पसंदीदा लेम्बोर्गिनी उरुस के साथ ही मर्सिडीज-बेंज एस-क्लास, बीएमडब्ल्यू एम-5, रेंज रोवर, टोयोटा फॉर्च्यूनर और टेस्ला मॉडल वाई जैसी शानदार गाड़ियां शामिल हैं।

आईपीएल में बड़े स्कोर वाले मुकाबलों को मुरलीधरन ने खेल की जरुरत बताया, पिच पर भी उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में बल्लेबाजों का दबदबा जारी है, जहां लगातार बड़े स्कोर बन रहे हैं और असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी आसानी से हासिल किए जा रहे हैं उससे कई सवाल भी उठा रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 244 रनों का विशाल लक्ष्य जिस सहजता से पीछा किया, उसने एक बार फिर बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों पर बहस छेड़ दी है। इस मुकाबले में जसप्रीत बुमराह जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज का भी महंगा साबित होना चिंता का विषय बन गया है, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या खेल में गेंदबाजों के लिए कुछ बचा है या नहीं।

वहीं इस मुद्दे पर सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन ने कहा है कि अगर संतुलित विकेट मुहैया कराए जाएंगे, तो दर्शकों के लिए मैच मजेदार नहीं

होंगे। मुरलीधरन के अनुसार, टी20 क्रिकेट की पहचान ही चौके-छक्के हैं और प्रशंसक यही देखना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आईपीएल एक बहुत बड़ा बिजनेस है और यदि मैचों में बड़े स्कोर नहीं बनेंगे, तो स्वाभाविक रूप से दर्शकों और प्रायोजकों दोनों की इसमें रुचि कम होने लगेगी, जिसका सीधा असर लीग की लोकप्रियता और वित्तीय स्थिति पर पड़ेगा।

मुरलीधरन ने बाउंड्री लाइन बढ़ाने जैसे सुझावों को भी खारिज करते हुए कहा कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। उनका मानना है कि जब बल्लेबाज बिना किसी डर के खुलकर आक्रामक तरीके से बल्लेबाजी करते हैं, तो गेंदबाजों के लिए उन्हें रोकना या रनों पर अंकुश लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है। पूर्व दिग्गज स्पिनर ने यह भी दावा किया कि आक्रामक बल्लेबाजी का यह ट्रेंड सनराइजर्स हैदराबाद ने ही सबसे पहले शुरू किया था, जिसे अब बाकी टीमें भी अपना रही हैं।

मुरलीधरन ने बताया कि खेल में आए इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रमाण पावरप्ले में बनने वाले रनों में देखी जा सकती है। जहां पहले पावरप्ले में 40-50 रन को एक अच्छा स्कोर माना जाता था, वहीं अब यह आंकड़ा बढ़कर 70-80 रन तक पहुंच गया है। आज के बल्लेबाज विकेट खोने की चिंता किए बिना सिर्फ रन बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिससे गेंदबाजों पर दबाव कई गुना बढ़ जाता है।

मार्टा ने नोस्कोवा को हराकर मैड्रिड ओपन सेमीफाइनल में जगह बनायी

मैड्रिड। यूक्रेन की महिला टेनिस खिलाड़ी मार्टा कोस्त्युक मैड्रिड ओपन में अच्छे प्रदर्शन के साथ ही अपने करियर के दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में जगह बनायी है। मार्टा ने क्वार्टरफाइनल मुकाबले में चेक गणराज्य की 13वीं वरीयता प्राप्त लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में 7-6(1), 6-0 से हराया। अब फाइनल में जगह बनाने के लिए मार्टा की टक्कर अनास्तासिया पोटापोवा से होगी। पहले सेट में मार्टा और नोस्कोवा दोनों खिलाड़ियों को ही कड़ा संघर्ष करना पड़ा। मार्टा ने निर्णायक टाई-ब्रेक में 7-1 से जीत हासिल कर ली। वहीं दूसरे सेट में मार्टा हावी रहीं। उन्होंने यह सेट 6-0 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। वहीं अनास्तासिया पोटापोवा और मार्टा का डब्ल्यूटीए टूर पर रिकॉर्ड 2-2 का है पर उन्होंने अपने पिछले दो मुकाबले सीधे सेटों में जीते हैं, जिसमें पिछले साल मैड्रिड में हुआ मैच भी शामिल है। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में मीरा एंड्रीवा और हैली बैप्टिस्ट के बीच मुकाबला होगा। मार्टा के लिए यह सत्र विशेष रहा है। मैड्रिड में वह एक भी सेट नहीं हारी हैं। वहीं राउंड ऑफ 32 में उसे जेसिका पेगुला पर बड़ी जीत मिली। है। जीत के बाद मार्टा उत्साहित होते हुए कहा कि यह अविश्वसनीय लगता है।

आईपीएल में अभी किसी टीम को प्रबल दावेदार नहीं बता सकते : गांगुली

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है आईपीएल में सभी टीमें अच्छा खेल रही हैं और ऐसे में ये नहीं कहा जा सकता है कि कौन सी टीम जीतेगी । पंजाब किंग्स अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए काफी अच्छा कर रही है। इसके अलावा राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु भी उसे कड़ी टक्कर दे रही हैं। अन्य टीमों भी उलटफेर कर रही हैं। कुल मिलाकर टूर्नामेंट अभी संतुलित हाल में है और कोई भी टीम आगे जा सकती है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता है ये टीम खिताब की प्रबल दावेदार है। गांगुली के अनुसार अभी करीब आधे मुकाबल बचे हुए है और ऐसे में ये टूर्नामेंट किसी भी दिशा में जा सकता है। कुल मिलाकर देखा

जाये तो अभी कोई भी टीम ऊपर आ सकती है क्योंकि इस बार काफी अच्छी प्रतिस्पर्धा हो रही है। । अंक तालिका में भी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हो रहा है। पंजाब किंग्स अभी पहले स्थान पर चल रही है। वहीं दूसरे पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु है और तीसरे पर राजस्थान रॉयल्स वह चौथे पर सनराइजर्स हैदराबाद है। गुजरात टाइटन्स पांचवें स्थान पर है।

थॉमस कप फाइनल्स : क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेगा भारत

होर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। भारत थॉमस कप फइनल्स के क्वार्टर फइनल में शुक्रवार को चीनी ताइपे की मजबूत टीम से भिड़ेगा और इस मुकाबले को जीतकर अपने दूसरे खिताब की ओर बढ़ने की कोशिश करेगा। भारत ने चार साल पहले अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए थॉमस कप का खिताब जीता था जो बैडमिंटन की विश्व टीम चैंपियनशिप है। इस बार भारत ग्रुप ए में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फइनल में पहुंचा है और उसका सामना चीनी ताइपे से होगा जिसने अब तक यह टूर्नामेंट नहीं जीता है।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत जोरदार तरीके से करते हुए कनाडा को 4-1 से हराया। टीम ने इसके बाद ऑस्ट्रेलिया का 5-0 से शिकस्त दी लेकिन चीन को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उसे 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। चीनी ताइपे की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है जिसकी अगुवाई दुनिया के नंबर

छठे नंबर के एकल खिलाड़ी चोउ टिएन चेन कर रहे हैं। उनके साथ दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा ऑल इंग्लैंड चैंपियन लिन चुन-यी और दुनिया के 21वें नंबर के खिलाड़ी ची यू जेन टीम की एकल चुनौती को बेहद मजबूत बनाते हैं।

युगल में ताइपे के पास चिउसियांग चीह और वांग ची-लिन की दुनिया की 14वें तथा ली झे-हुई और यांग पो-सुआन की दुनिया की नंबर 16वें नंबर की जोड़ी है। दूसरी ओर भारत की टीम काफी अच्छी लय में नजर आ रही है। उसके एकल और युगल दोनों ही खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप की अपनी बेहतरीन लय को यहां भी बरकरार रखा है। उस चैंपियनशिप में वह उपविजेता रहे थे। यहां उन्होंने अपने तीनों मैच जीते हैं।

भारत के दो अनुभवी खिलाड़ियों एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत ने तीसरे एकल मुकाबले की जिम्मेदारी आपस में बांटी है। बुधवार को खेले गए मैच में श्रीकांत ने चीन के लू गुआंग झू के खिलाफपिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए शानदार जीत दर्ज की। प्रणय ने 2022 में भारत की खिताबी जीत के दौरान भी ऐसी ही भूमिका निभाई थी। ऑल इंग्लैंड के फइनल में जगह बनाने वाले लक्ष्य सेन भले ही तीन गेम वाले दो रोमांचक मुकाबले हार गए हों लेकिन उन्होंने अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है।

अब जब उनका मुकाबला नाराओका से होगा तो भारत की जीत काफी हद तक उन्हीं पर निर्भर करेगी। वह जापान के इस प्रतिद्वंद्वी से छह बार हार चुके हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने अपने शुरुआती दो मैच जीते,लेकिन उसके बाद वे चीन के लियांग वेई केंग और वांग चांग से करीबी मुकाबले में हार गए। सात्विक के कंधे की चोट से उबरने के बाद यह उनका पहला टूर्नामेंट था और उम्मीद है कि यह करीबी मुकाबला उन्हें नॉकआउट चरण से पहले तैयारी में मदद करेगा। हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन की दूसरी युगल जोड़ी ने भी अब तक अपने तीन में से दो मैच जीते हैं और वे भारत को सेमीफइनल तक पहुंचाने में मदद करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वर्ष 2022 में खिताब जीतने के अलावा भारत ने 1952, 1955 और 1979 में कांस्य पदक भी जीते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3875

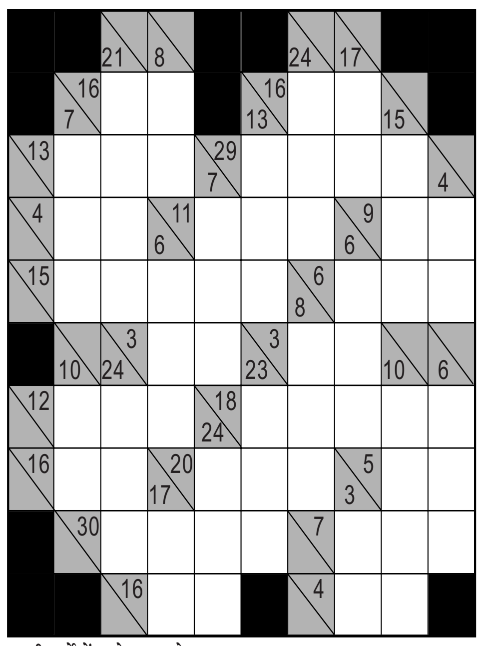

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

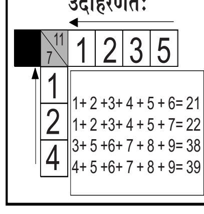

काकुरो - 3874 का हल

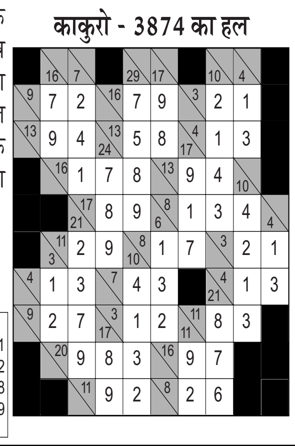

लॉफिंग ज़ोन

डॉक्टर ने रमन के सिर पर ड्रेसिंग करने के बाद पट्टी बाँध दी और पूछा कि चोट कैसे लगी है?

रमन- छोड़ो डॉक्टर! लंबी कहानी है।

डॉक्टर- फिर भी सुनना चाहता हूँ।

रमन- बात यह है कि पिछले हफ्ते पत्नी मायके गई हुई थी। मैं भी हवा बदलने रविवार को होटल में जा टिका। मेरे बगल के कमरे में एक खूबसूरत औरत थी। रात ग्यारह बजे उसने दरवाजा खटखटाया और माफी माँगते हुए कहा कि उसे ठंड लग रही है अगर मैं कुछ मदद कर सकूँ तो वह आभारी रहेगी। मैंने एक कम्बल दे दिया। थोड़ी देर बाद वह फिर आ गई और वही शिकायत करने लगी। मैंने उसे अपना ओवरकोट दे दिया।

आज जब मैं हथौड़ी से कील ठोंक रहा था तो अचानक मुझे समझ में आया कि उस दिन वह क्या चाह रही थी और बस, मैंने हथौड़ी अपने सिर पर दे मारी।

□ □ □

अफरीदी (शोएब से)- हम सचिन को सेंचुरी नहीं बनाने देंगे।

शोएब- मगर हम उसे रोकेंगे कैसे? वो तो फॉर्म में है।

अफरीदी- हम सौ के अंदर ही ऑल आउट हो जाएँगे।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3875

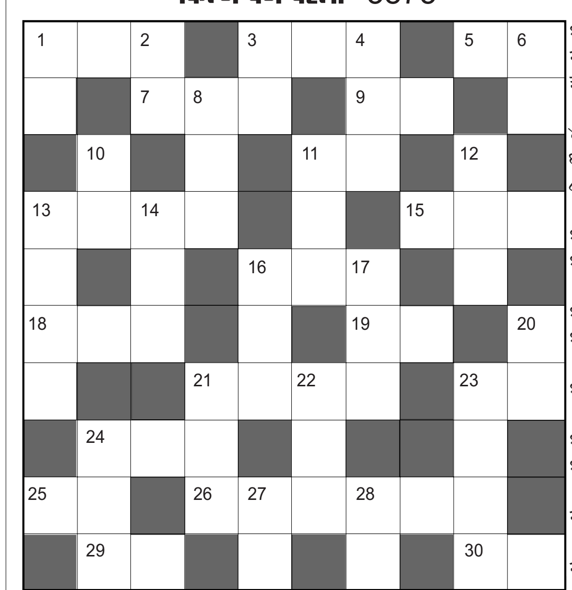

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3874

सूडोकु -3875

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3874 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 3875

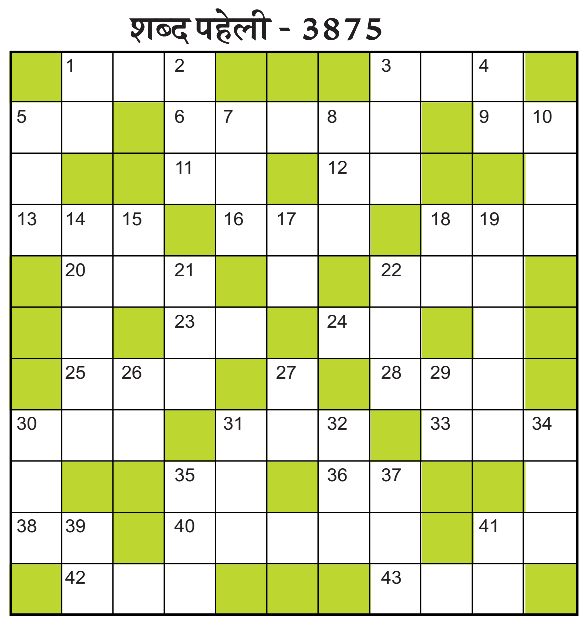

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -3874 का हल

पलकों पर लगाएँ मस्कारा

खूबसूरत आँखों में घनी पलकें चार चाँद लगा देती हैं। आपकी पलकें घनी नहीं हैं तो आपके लिए मस्कारे का विकल्प मौजूद है। मस्कारा लगाइए और अपनी पलकों की खूबसूरती बढ़ाइए। पर साथ में यह भी जरूरी है कि आप कुछ जरूरी बिंदुओं का ध्यान रखें-

- अपने मस्कारा वेंड को कम से कम महीने में एक बार साफ करें। जिससे इसमें जमा हुआ पदार्थ निकल जाएगा और ब्रिस्टल्स पर बैक्टीरिया का जमाव भी खत्म हो जाएगा। साफ करने के लिए वेंड पर वेसलीन लगाइए और सारा पदार्थ धीरे से पोंछ दीजिए। पानी से मस्कारा पूरी तरह से नहीं निकलता है और साबुन के प्रयोग से आपकी आँखों को नुकसान हो सकता है। मस्कारा की उम्र तीन से चार महीने तक ही होती है।
- यदि आप मस्कारा लगा रही हैं तो एक नम टिश्यू पेपर अपने हाथ में रखें जिससे इधर-उधर फैला हुआ मस्कारा सूखने के पहले ही साफ कर सकें।
- अपनी पलकों के लिए विशेष रूप से मिलने वाला लैश कंडीशनर भी प्रयोग कर सकती हैं। इससे पलकों के बाल टूटते नहीं और मस्कारा लगाने में भी आसानी होती है।
- यदि जरूरी लगे तो अपनी पलकों को मस्कारा लगाने के पहले कर्ल कर लें।
- अच्छे परिणामों के लिए मस्कारा वेंड को थोड़ा सा झटक लें या टिश्यू पर इसे हल्का सा दबा लें।
- वेंड को पलकों की जड़ों से लेकर सिरों तक एक ही स्ट्रोक में ले जाएँ।
- एक कोट के बाद कुछ देर सूखने दें फिर दूसरा कोट लगाएँ।
- यदि आपकी आँखों के नीचे काले घेरे हो रहे हैं तो काले रंग का मस्कारा इन्हें और अधिक दिखाएगा इसलिए रंगहीन या भूरे रंग के मस्कारा का प्रयोग करें।
- रात को सोने से पहले दूसरे मेकअप की तरह मस्कारा को भी निकालना न भूलें।

बस तो फिर अपनी आँखों को बनाइए और भी चमकीला और इन बिंदुओं को ध्यान में रखकर कीजिए मस्कारा का प्रयोग।

सुंदर काया का राज

हमारे रसोईघर में ही सुंदरता का खजाना छिपा होता है परंतु क्या कभी हमने अपनी काया को चमकाने के लिए अपने रसोईघर में मौजूद अनाज, फल व सब्जियों का प्रयोग किया है? हम आपको बताते हैं कुछ ऐसे घरेलू पैक, जो आपकी काया को सुंदर बनाने में उपयोगी सिद्ध होंगे –

- यदि आपकी त्वचा ऑयली है तो गुलाबजल में बेसन मिलाकर उबटन चेहरे और शरीर पर लगाएँ तथा कुछ समय बाद पानी से नहा लीजिए।
- हल्दी पावडर को मक्खन में मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे की त्वचा मुलायम व चिकनी हो जाती है।
- बालों के लिए मलाई, बेसन व दही मिलाकर लगभग आधा घंटे तक बालों में लगाकर रखिए तथा बाद में बाल को हल्के गर्म पानी से धो लें।
- गेहूँ का आटा, जौ व दूध को मिलाकर बने उबटन को चेहरे पर लगाने से त्वचा की रंगत निखर आती है।
- दूध में चने की दाल भिगोकर उसे पीस ले। अब उसमें थोड़ी हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएँ।
- बेसन में मलाई, हल्दी व दही मिलाकर इस पैक को पूरी शरीर पर लगाएँ तथा कुछ समय बाद नहाने से आपकी त्वचा कोमल व चमकदार होती है।

बेसन बर्फी

सामग्री : 500 ग्राम बेसन, एक कप दूध, 750 ग्राम शक्कर, 5-7 इलायची, केसर, जयफल, 2 बड़े चम्मच घी।

विधि : सर्वप्रथम मोटा पिसा हुआ बेसन लेकर उसे छान लें। उसमें घी का मोयन डलकर दूध से कड़ा आटा गूँध लें। अब उसकी मोटी-मोटी लोई बनाकर उसे अच्छा-सा मोटा रखकर पूरी जितना बड़ा बेल लें। ओवन

गर्म करने रखे दें और उसमें तैयार सामग्री रख दें। इसे धीमी आँच पर दोनों तरफ से अच्छी तरह सेंक लें। ध्यान रखें कि इसमें दाग न पड़ने पाए।

दोनों तरफ से अच्छी तरह सिंकने के पश्चात उसे थाली में गरम-गरम ही हाथ से बारीक करके मसलते जाए। थोड़ी ही देर बाद उसका अच्छा बारीक बूरा तैयार हो जाएगा। इसे स्टील की बड़ी छेदवाली चालनी से छान लें। और बाकी बचे मिश्रण को मिक्सी में बारीक कर फिर छान लें।

सभी आटे का बूरा तैयार होने के पश्चात कड़ाही में थोड़ा-सा घी लेकर मिश्रण को धीमी आँच पर गुलाबी होने तक सेकें या तब तक सेकें जब तक उसमें से खुशबू नहीं आती।

शक्कर में 1 गिलास के करीब पानी डालकर 3 तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी बनने के पश्चात उसमें 1 चम्मच घी, इलायची पावडर, केसर और जायफल और तैयार बूरा डालकर एकसार मिला दें। अब थाली में घी लगाकर मिश्रण को थाली में फैला दें। थोड़ी ठंडी होने के पश्चात चाकू से बर्फी के आकार में काट लें। लीजिए तैयार है बेसन की स्वादिष्ट बर्फी खास त्योहारों के लिए।

नोट: चाशनी बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि चाशनी ज्यादा कड़क ना बने वरना्? बर्फी कड़क हो जाएगी।

इन्हें फैंकिए नहीं

- नींबू के छिलकों को गूदे से अलग करके टुकड़े कर लें। अचार बनाने की विधि से इन छिलकों का अचार बन लें।
- पपीते व तरबूज के छिलके गूदे की तरफ से हाथों-पैरों पर मलें और आधा घंटा सुखा कर पानी से धो लें। त्वचा पर झुर्रियां नहीं पड़ेंगी और त्वचा का रंग साफ रहेगा।
- आलू और लौकी के ताजे छिलकों को चेहरे पर मलेंड़ एक सप्ताह में ही चेहरा दमदमाने लगेगा।
- छोटी या बड़ी इलायची के छिलके चाय और शक्कर के डिब्बों में डाल दें। चाय में इलायची की खूशबू आय करेगी।
- करेले के छिलके सुखाकर दाल, चावल आदि के डिब्बों में डाल देने से कीड़ा नहीं लगता।
- डबल रोटी सूख गई हो तो उबलते पानी या दूध की भाप पर रख कर उलटने-पलटने से नर्म और खाने योग्य हो जाती है।
- आटे के चोकर में थोड़ा दही, हल्दी, नींबू का रस, शहद मिलाकर लेप करें। त्वचा चमक जाएगी।

भावी बच्चे के लिए जरूरी चीजे

जैसे ही कोई दंपत्ति जान जाते हैं कि वे माता-पिता होने वाले हैं, उनकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहता। अपने नन्हें शिशु के आने का सुखद इंतजार करना भी उन्हें कठिन लगने लगता है।

पूरे नौ महिने वे अपने लाड़ले या लाड़ली के लिए चीजे सहेजते रहते हैं। इन चीजों में महत्वपूर्ण होते हैं बच्चे के कपड़े। जब आप बाजार जाते हैं तो वहाँ आपको इतनी चीजें लुभाती हैं कि आप समझ ही नहीं पाते कि क्या खरीदें और क्या नहीं?

छोटे बच्चों के लिए जिन चीजों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है, माता-पिता अक्सर बच्चों के लिए जरूरी चीजें छोड़कर वो चीजें ले आते हैं, जिनकी जरूरत तब उन्हें होती ही नहीं है। जैसे रजाई, गद्दे, खिलौने और जेवर भी।

इन बातों को ध्यान में रखें :

- बच्चे के लिए जन्म के बाद जिन चीजों की जरूरत होती है, सबसे पहले उसकी लिस्ट बनाएँ। फिर किसी बड़े की सलाह लेकर ही सामान खरीदने जाएँ।
- नवजात बच्चे के लिए कपड़े की सॉफ्ट नैपी, झबले, कार्डीगन, टोपी, मोजे, तौलिया, रूमाल, बच्चों को ओढ़ाने का नर्म कपड़ा आदि चीजें तो होना ही चाहिए।
- नन्हे के सभी कपड़े मुलायम होने चाहिए। सूती या होजयरी के वस्त्र इस लिहाज से उत्तम हो सकते हैं। बच्चे के कपड़े में कभी भी कलफ न दें। बच्चे के कपड़े हमेशा आगे बटन पट्टी वाले खरीदें। इससे कपड़े उतारने और पहनाने दोनों में सुविधा होती है।
- बच्चे के कपड़े में कभी भी इलास्टिक या खींचकर बाँधने वाली डोरी नहीं लगाना चाहिए। इससे बच्चे का रक्त संचार प्रभावित होता है। टिच बटन, वेलक्रो टेप, फीते या बटन लगाना ठीक रहता है।
- लेस या दूसरी चीजें लगी ड्रेस सुंदर जरूर लगती है पर छोटे बच्चे के लिए लेस या जालीदार डिजाइन का चुनाव देखकर करें। बच्चे की त्वचा बड़ी कोमल होती है, इसलिए उनके वस्त्रों को ऐसे डिजाइन करें कि कम से कम सिलाई व बटन हों, ताकि वे ज्यादा से ज्यादा फ्री रहें।

विजय वर्मा ने नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर बात की

विजय वर्मा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'मटका किंग' को लेकर चर्चाओं में हैं। बातचीत में विजय ने इस प्रोजेक्ट को चुनने की वजह, शूटिंग के दौरान आई चुनौतियों और निर्देशक नागराज मंजुले के साथ काम करने के अनुभव पर खुलकर बात की। बातचीत के दौरान उन्होंने इस खेल की बारीकियों, उसे समझने में आई मुश्किलों और उससे जुड़ी अपनी निजी यादों का भी जिक्र किया।

'मटका किंग' को हां कहने की वजह पूछे जाने पर विजय ने सबसे पहले निर्देशक नागराज मंजुले का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'नागराज मंजुले के साथ काम करना मेरा सपना था पर जब मैंने अपने किरदार के बारे में सुना तो थोड़ा डर गया कि मैं यह कर पाऊंगा या नहीं। डर इसीलिए था क्योंकि नागराज की फिल्मों में हर बारीकी पर ध्यान दिया जाता है।

शूटिंग के दौरान सबसे बड़ी चुनौती क्या रही? इस पर विजय ने कहा, 'सबसे मुश्किल था मटके का खेल समझना। बाहर से देखने पर लगता है कि ये सिर्फ ताश का खेल है लेकिन जब आप उसे किरदार के साथ जीते हैं, तब पता चलता है कि उसके भीतर कितनी बारीकियां हैं। ताश खेलते हुए डायलॉग बोलना, बातचीत करना, एक्सप्रेशन बनाए रखना और साथ ही उस दुनिया में बने रहना... ये सब एक साथ करना अपने आप में बड़ा चैलेंज था।'

ट्रेन के सफर में खेलता था ताश

दिलचस्प बात यह है कि ताश से विजय का रिश्ता सिर्फ इस सीरीज तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि असल जिंदगी में भी वह ताश खेल चुके हैं। विजय बोले, 'मैंने रियल लाइफ में भी खूब ताश खेला है। हैदराबाद से किशनगढ़ के ट्रेन सफर के दौरान एक अलग ही माहौल हुआ करता था। लोग अपने सब जरूरी सामान के साथ ताश लेकर चलते थे, ताकि सफर आराम से कट जाए। मैं भी उन्हीं में शामिल था और मुझे भी सफर के दौरान ताश खेलना पसंद था।'

बातचीत के दौरान जब विजय से पूछा गया कि ऐसी कौन सी लत है, जो चाहकर भी छूट नहीं रही? तो विजय ने हंसते हुए कहा, 'मैं बहुत कोशिश करता हूं कि वक्त पर सो जाऊं लेकिन पता नहीं क्यों ऐसा हो नहीं पाता। रात के एक-दो बज ही जाते हैं। कोशिश तो करता हूं, लेकिन रोज बुरी तरह फेल हो जाता हूं। यही मेरी एक ऐसी आदत है, जिसे चाहकर भी बदल नहीं पा रहा हूं।'

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी, करिश्मा कपूर ने बताया अब क्यों करतीं हैं कम काम

अभिनेत्री करिश्मा कपूर लंबे वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, उनका कहना है कि वो अब समय को ज्यादा महत्व देती हैं और चुनिंदा प्रोजेक्ट्स पर ही काम करना चाहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने करियर और काम के प्रति अपने जुनून को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि अब वो किस तरह के प्रोजेक्ट्स करना चाहती हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने अपने समय के दौर को भी याद किया।

अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं

करिश्मा कपूर ने दशकों से इंडस्ट्री को करीब से देखने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज काम जुनून और उद्देश्य से जुड़ा है। मैं इंडस्ट्री में पली-बढ़ी हूं और मुझे कमर्शियल ब्लॉकबस्टर से लेकर एक्सपेरिमेंटल फिल्मों तक, हर तरह की भूमिकाएं निभाने का सौभाग्य मिला है। अब हर जगह मौजूद रहने के बजाय मैं उन प्रोजेक्ट्स को चुनती हूं जो मेरे दिल को छूते हैं। अभिनेत्री स्वीकार करती हैं कि अब समय उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले लगातार काम करने और एक सेट से दूसरे सेट पर जाने की वजह से काफी भागदौड़ रहती थी। अब मैं समय को ज्यादा महत्व देती हूं। मैं सोच-समझकर प्रोजेक्ट चुनती हूं क्योंकि मैं चाहती हूं कि हर प्रोजेक्ट के लिए समय निकालना सार्थक हो और साथ ही परिवार को भी पर्याप्त समय मिल सके। स्क्रिप्ट तो जरूरी है ही, लेकिन साथ ही लोग और कहानी के पीछे का मकसद भी मायने रखता है।

मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी

अभिनेत्री ने आगे कहा कि बड़े पर्दे का अपना ही जादू है, यहीं से मैंने शुरुआत की थी और यह हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा। लेकिन मुझे यह भी पसंद है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म के साथ कहानी कहने का तरीका कैसे विकसित हुआ है। वेब मुश्किल कहानियों और अलग-अलग तरह के किरदारों के लिए मौका देता है। मेरे जैसी किसी के लिए जो आगे क्या करना है, इस बारे में सोच-समझकर फैसला लेती है यह एक बेहतरीन क्षेत्र है। हालांकि, मैं बड़े पर्दे को कभी नहीं छोड़ूंगी।

2024 में आखिरी बार मर्डर-मिस्ट्री में नजर आई थीं करिश्मा

वर्कफ्रंट की बात करें तो करिश्मा कपूर आखिरी बार साल 2024 में आई मर्डर-मिस्ट्री फिल्म 'मर्डर मुबारक' में नजर आई थीं। यह एक मल्टीस्टारर फिल्म थी, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म को खास प्रतिक्रियाएं नहीं मिली थीं। उनके आगामी प्रोजेक्ट को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है।

खुद कंजूस रही हूं, पर पति कंजूस नहीं चलेगा

'दंगल', 'बधाई हो' और 'जवान' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा पिछले दिनों अपनी भावनात्मक फिल्म 'मिसेज के जीते अवॉर्ड्स' को लेकर खबरों में थीं, वहीं अब वह चर्चा में हैं अपनी कॉमिडी फिल्म 'टोस्टर' को लेकर। सान्या का कहना है कि अपनी कई फिल्मों में इमोशनल भूमिकाएं करने के बाद असल में वह ऐसे 'फील गुड किरदार' की तलाश में थीं। बकौल सान्या, 'इस फिल्म में काम करना मेरे लिए बहुत मजेदार अनुभव रहा, क्योंकि बतौर ऐक्टर मैं एक ऐसे किरदार के तलाश में थी जिससे मुझे फील गुड वाला अहसास कराए। मैंने इतनी कॉमिडी की भी नहीं है। मैंने ड्रामा वाली फिल्में ज्यादा की हैं और उसमें भी कुछ बहुत इमोशनल वाली भी रही हैं, ऐसे में कॉमिडी करना अच्छा ब्रेक था।' सान्या आगे बताती हैं, 'मुझे ऐसी मजेदार फिल्में देखना भी बहुत पसंद है। उस पर अगर आपको एक ऐसी टीम के साथ काम करने को मिले जहां आपको पता है कि आप सेट पर खुशी-खुशी जाओगे और खुशी-खुशी वापस आओगे। इसके अलावा, फिल्म में जो मेरे को-ऐक्टर्स हैं, उनकी कॉमिक टाइमिंग इतनी कमाल है कि उन्हें ऐक्टिंग करते देखना भी बहुत मजेदार होता है। जैसे, जब आप राज (राजकुमार राव) और अभिषेक (बनर्जी) को कुछ इंप्रोवाइज करते हुए देखते हैं तो बड़ा मजा आता है।'

फिल्म में सान्या का पति महाकंजूस होता है, क्या असल जिंदगी में कंजूस पति चलेगा? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'भगवान न करे कि कंजूस पति मिले। पता चला लंच के लिए लंगर पर लेकर चला जाए (हंसती हैं)। हालांकि, मैं खुद कंजूस रह चुकी हूं। मैं काफी सोच-समझकर खर्च करने वाली रही हूं और हर चीज खरीदने से पहले काफी सोचती थी, मगर पति तो कंजूस बिल्कुल नहीं चलेगा।'

सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सपना सच होने जैसा...

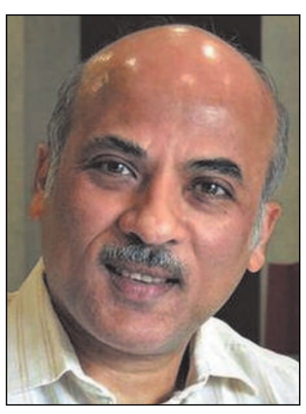

2022 की फिल्म 'ऊंचाई' के लिए बेस्ट डायरेक्टर का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, सूरज बड़जात्या वापस आ रहे हैं। उनकी नई फिल्म का नाम है 'ये प्रेम मोल लिया'। यह एक अच्छी पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है। इस फिल्म को लेकर शरवरी वाघ बेहद खुश हैं। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' 27 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें राजश्री के प्यारे किरदार 'प्रेम' को 12 साल बाद बड़े पर्दे पर लाया जा रहा है। आयुष्मान खुराना पहली बार प्रेम का रोल निभा रहे हैं। उनके साथ मुख्य अभिनेत्री शरवरी वाघ हैं। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स ने मिलकर बनाई है। शरवरी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, ''ये प्रेम मोल लिया' मेरे लिए एक बहुत खास फिल्म है। सूरज बड़जात्या के साथ काम करना मेरा सबसे बड़ा सपना सच होने जैसा लग रहा है। आयुष्मान के साथ यह सफर और भी खूबसूरत बन गया है।' शरवरी ने आगे लिखा, '27 नवंबर 2026 को सब लोग सिनेमाघर में फिल्म देखने जरूर आएं।'

फिल्म का संगीत होगा खास

इस फिल्म में 12 साल बाद सूरज बड़जात्या और हिमेश रेशमिया फिर साथ काम कर रहे हैं। पिछली बार 2014 में सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में दोनों ने साथ काम किया था। उस वक्त कई हिट गाने आए थे। अब भी दमदार संगीत आने की उम्मीद है।

आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की

आयुष्मान खुराना इस साल तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं। इन दिनों आयुष्मान 'पति पत्नी और वो दो', 'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। आयुष्मान ने आने वाली फिल्मों में अपने किरदारों को लेकर बात की। साथ ही बताया कि वह हर फिल्म के साथ कुछ नया करने की कोशिश क्यों करते हैं? आयुष्मान खुराना इस साल 2026 में तीन फिल्मों में नजर आने वाले हैं, ये सभी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पहली फिल्म कॉमेडी और रिश्तों पर है। जबकि दूसरी फिल्म अनोखी और विद्रोही है। तीसरी फिल्म परिवार और परंपरा पर आधारित है। पहली फिल्म 'पति पत्नी और वो दो', जो 15 मई को रिलीज होगी। दूसरी फिल्म 'उड़ता तीर', जो 11 सितंबर को आएगी। तीसरी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया', जो 27 नवंबर को रिलीज होगी।

आयुष्मान ने कहा, 'मैं कभी भी जानबूझकर अलग तरह के रोल दिखाने की कोशिश नहीं करता। मेरे लिए सिर्फ वो कहानियां महत्वपूर्ण हैं, जो मुझे दर्शक के रूप में अच्छी लगती हैं। तीन अलग-अलग फिल्में एक ही साल में करना रोमांचक है, लेकिन यह जिम्मेदारी भी है। यह मुझे हर बार नया बनने के लिए प्रेरित करता है।'

मैं मनोरंजक फिल्में करना चाहता हूं

आयुष्मान ने कहा, 'आज के दर्शक कुछ नया देखना चाहते हैं। वे एक ही चीज बार-बार नहीं देखना चाहते। मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता हूं, जो मनोरंजक हों और कुछ संदेश भी दें। अगर लोग इसे अलग तरह की फिल्में कह रहे हैं, तो मैं आभारी हूं। लेकिन मेरे लिए यह सिर्फ जिज्ञासु बने रहना और ईमानदार रहना है।

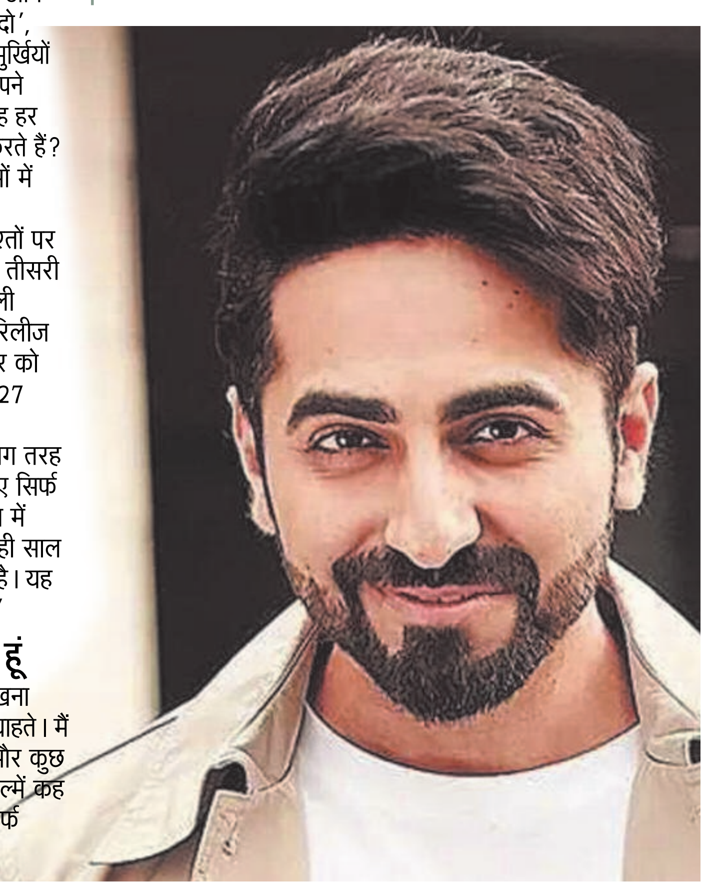

प्रियंका और सामंथा लाईं इंडस्ट्री में बदलाव

'जो मेहनत करता है, उसे फल मिलता है।' कहना है जानी-मानी एक्ट्रेस सई ताम्हणकर का। मराठी के साथ-साथ हिंदी फिल्म जगत में अपनी प्रतिभा की चमक बिखेरने वाली सई 'दुनियादारी', 'हंटर', 'मिमी', 'बेरोजगार', 'धुरला', 'दलदल' और 'डब्बा कार्टलट जैसे हिंदी-मराठी के प्रोजेक्ट्स से खुद को वर्सेटाइल एक्ट्रेस के रूप में साबित कर चुकी हैं। वह अपने सफर को बहुत ही ग्रेसफुल नजरों से देखती हैं और बहुत विनम्र महसूस करती हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई वेब सीरीज 'मटका किंग' से। उनसे एक बातचीत।

स्कूल में खेलती थी कबड्डी-कराटे

सई आज मराठी और हिंदी इंडस्ट्री में अपना अच्छा नाम बना चुकी हैं, लेकिन उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह एक्ट्रेस बनेंगी। वह बताती हैं, 'मेरे पिता जहाज में काम करते थे और अक्सर समुद्री यात्राओं पर रहते थे। घर पर मैं और मम्मी ही होते थे, और उन्होंने मुझे हमेशा आत्मनिर्भर बनना सिखाया। मुझे मजबूत और दबंग बनाने में उनका बहुत बड़ा योगदान है। स्कूल में मैं 'कबड्डी गर्ल' के नाम से जानी जाती थी। मेरे घुटने हमेशा चोटिल रहते थे और मुझमें पारंपरिक 'लड़कियों वाली' बातें कम ही थीं। मैं टॉमबॉय थी। कॉलेज तक मेरा बॉयकट हेयरस्टाइल रहा। इसी दौरान मैंने कराटे सीखा और ऑरेंज बेल्ट हासिल की। मेरी मां और खेलों ने मेरे आत्मविश्वास को और मजबूत किया। मेरे बेबाक और बिंदास स्वभाव की वजह से लोग मेरे सामने कुछ गलत करने से हिचकते हैं। मेरा मानना है कि हर लड़की को आत्मनिर्भर और दबंग होना चाहिए।'

रीजनल एक्ट्रेस के टैग से दर्द होता है

आमतौर पर साउथ या मराठी फिल्म जगत से आई हुई एक्ट्रेसेस को रीजनल एक्ट्रेस का टैग दे दिया जाता है। इस पर वह अफसोस जताते हुए कहती हैं, 'कभी -कभार दर्द होता है कि ऐसा क्यों है? हम तो दोनी ही इंडस्ट्री में उतनी ही लगन और मेहनत काम करते हैं। हालांकि वो जमाना चला गया है, जब भाषा के आधार पर विभाजन किया जाता था। इस मुद्दे पर मैं दर्शकों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वो हमें काम के आधार पर तौलें। जहां तक टैग देने की बात है, तो उन्हें तोड़ने में भी खूब मजा आता है। वो हमारे लिए ईंधन का काम करते हैं। मेरे जैसे और भी कई कलाकार हैं, जो इस बॉक्स को तोड़ने में लगे हुए हैं। हिंदी में 'मिमी' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने मुझे इस टैग से बाहर आने में मदद की। मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला और भी कई दूसरे पुरस्कार मिले।'

'कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है'

सई मानती हैं कि लेबल लगाने के साथ-साथ कई बार एक्ट्रेसेस को टाइपकास्ट भी कर दिया जाता है। वह कहती हैं कि ये सालों से अंडरकरंट देखा जाता है। वह कहती हैं, 'इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।' इससे निकलने का सबसे अच्छा तरीका यही है कि एक ही तरह के रोल्स के लिए ना की जाए, मगर ये बहुत मुश्किल होता है। हमारी इंडस्ट्री ही नहीं हमारा समाज भी पितृसत्ताक है, मगर इस बैकड्रॉप के बावजूद लड़कियां बहुत अच्छा काम कर रही हैं।

प्रियंका और सामंथा लाईं बदलाव

पुरुष प्रधान इंडस्ट्री में हीरोइन की तुलना में हीरो को ज्यादा अहमियत जी जाती है? इस सवाल पर वह कहती हैं, 'कुछ सालों में ये हालात बदले हैं। प्रियंका चोपड़ा और सामंथा रुथ प्रभु का इस बदलाव में बड़ा योगदान यही। इन्होने धीरे-धीरे वो ब्रैकेट्स तोड़ने शुरू किए। पहले की तुलना मैंने आज हालात बदले हैं, पहले तो बहुत ही बुरी स्थिति थी।' पे पैरिटी के मुद्दे पर सई ताम्हणकर कहती हैं, 'जब भी नेगेटिव चीजें होती हैं, उनके बारे में काफी हो-हल्ला होता है, पर सकारत्मक चीजों पर बात काम ही होती है।

वेब सीरीज के लिए छोड़ी प्राइज मनी

इंडस्ट्री में दो दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुकी सई अपनी फीस को लेकर कहती हैं, 'मैं अगर अपनी बात करूं, तो कई बार मैं अपने मनमुताबिक अपनी फीस ले पाती हूं और कई बार नहीं ले पाती, मगर जितनी बार ले पाई, उसने मुझे बहुत हौसला दिया है। एक एक्टर को पता होता है कि कब अपनी फीस छोड़नी है और कब अड़े रहना है, क्योंकि एक्टिंग के पेशे के बावजूद कई बार हम सृजनात्मक संतुष्टि के लिए काम करते हैं, तो कई बार ऐसा मौका भी आया कि मैंने अपनी प्राइज मनी छोड़ दी हो।' 'मैंने यूट्यूब के लिए एक वेब सीरीज की थी और उसके लिए मैंने अपना मेहनताना छोड़ दिया था, मगर उसका जो रिस्पॉन्स आया था, उसका मोल कुछ हो ही नहीं सकता। उस वेब सीरीज का नाम था 'बेरोजगार'।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका के चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के जाफना के पास स्थित चेम्मनी क्षेत्र में एक सामूहिक कब्र की खुदाई का काम फिर से शुरू करने का आदेश दिया गया है। यह वही स्थान है जो 1990 के दशक में लिट्टे संघर्ष के दौरान बड़े पैमाने पर दफनाने की घटनाओं के कारण सुर्खियों में आया था और स्थानीय अदालत ने सात महीने के अंतराल के बाद इस खुदाई कार्य को दोबारा शुरू करने की अनुमति दी है। यह कार्य पिछले साल सितंबर में रोक दिया गया था, जब न्याय मंत्रालय की ओर से फंड की नई व्यवस्था लंबित थी। जाफना मजिस्ट्रेट कोर्ट को मंगलवार को बताया गया कि खुदाई कार्य के लिए लगभग 2.1 मिलियन श्रीलंकाई रुपये की राशि जारी कर दी गई है, जिसके बाद काम दोबारा शुरू किया जाएगा। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने यूरोपीय संघ सहित फ्रांस, जर्मनी, इटली और रोमानिया के राजनयिकों को खुदाई स्थल पर निरीक्षण के लिए मौजूद रहने की अनुमति दी है। खुदाई के दूसरे चरण को पहले 45 दिनों बाद रोका गया था, जिसमें अब तक 240 मानव कंकाल बरामद किए जा चुके हैं। इसके अलावा 14 हड्डियों के ढेर और कई वस्तुएं भी मिली हैं, जिनमें शिशु बोतलें, गुड़िया, खिलौने, बच्चों के बैग और जूते शामिल हैं। 13 फरवरी 2025 को चेम्मनी में विकास कार्य के दौरान फिर से मानव अवशेष मिलने के बाद मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया था। इसके बाद अदालत ने इनके न्यायिक परीक्षण का आदेश दिया था। 14 अगस्त को जाफना के न्यायिक चिकित्सा अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर खुदाई कार्य को और आठ सप्ताह तक जारी रखने की सिफारिश की गई थी। चेम्मनी क्षेत्र पहली बार 1998 में चर्चा में आया था, जब रक्षाबल और सरकारी सेना के बीच संघर्ष के दौरान यहां सामूहिक कब्र का दावा किया गया था। उस समय लगभग 15 कंकाल बरामद हुए थे, जिससे यह मामला अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आ गया था।

एफबीआई के पूर्व प्रमुख के खिलाफ चलेगा मुकदमा, राष्ट्रपति ट्रंप को जान से मारने की धमकी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व निदेशक जेम्स कोमी के खिलाफ मुकदमा चलेगा। कोमी पर आरोप है कि उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने की धमकी दी। अमेरिका के कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांच ने मंगलवार को बताया कि संघीय ग्रांड ज्यूरी ने जेम्स कोमी पर दो मामलों में मुकदमा चलाने का फैसला किया है, जो अमेरिका के राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी देने से जुड़े हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग इस मामले में कोई नरमी नहीं बरतेगा। आरोप है कि जेम्स कोमी ने 15 मई, 2025 को कथित तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जान से मारने और उन्हें शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी। इस मामले में उत्तरी कैरोलिना के पूर्वी जिले में मुकदमा दायर हुआ है। दूसरे मामले में कोमी ने टेलीफोन संचार या डिजिटल माध्यम से राष्ट्रपति को जान से मारने की धमकी वाला संदेश भेजा था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में टॉड ब्लांच ने कहा कि न्याय विभाग कभी भी राष्ट्रपति को धमकी देने की बात को बर्दाश्त नहीं करेगा। इन दोनों मुकदमों में अगर जेम्स कोमी को दोषी पाया जाता है तो उन्हें 10-10 साल की सजा हो सकती है। जेम्स कोमी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि उन्हें हिरासत में लिया जाएगा या वे खुद आत्मसमर्पण करेंगे। वहीं जेम्स कोमी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया है।

पूर्व राष्ट्रपति येओल की पत्नी को चार साल की कैद, भ्रष्टाचार के मामले में ठहराई गई दोषी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने देश के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की पत्नी किम किओन ही को भ्रष्टाचार के एक और मामले में चार साल की सजा सुनाई है। दो महीने पहले उनके पति को देश में जबरन मार्शल लॉ लगाने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। जनवरी में एक जिला अदालत ने पूर्व प्रथम महिला किम को 20 महीने की सजा सुनाई थी। उन पर आरोप था कि उन्होंने राजनीतिक लाभ देने के वादे के बदले यूनिफिकेशन चर्च से उपहार लिए थे। इन उपहारों में एक ग्राफ कंपनी का हीरे का हार और एक चैनल बैग शामिल था। हालांकि, उसी समय उन्हें एक शेयर कीमत में हेरफेर के मामले में बरी कर दिया गया था, जो मामला उनके प्रथम महिला बनने से पहले का था। बाद में दोनों पक्षों ने इस फैसले के खिलाफ अपील की। मंगलवार को सियोल हाईकोर्ट ने उनकी सजा बढ़ाकर चार साल कर दी। अदालत ने उन्हें यूनिफिकेशन चर्च से एक और चैनल बैग (कीमती हैंडबैग) लेने और शेयरों की कीमत में हेरफेर के मामले में भी दोषी पाया। दंपती की स्थिति उस समय बदली, जब दिसंबर 2024 में यून ने मार्शल लॉ लगाया, जिसके कारण उनके खिलाफ महाभियोग शुरू हुआ और उन्हें पद से हटा दिया गया। इसके बाद उन पर कई आपराधिक मामले चले। जांचकर्ताओं का कहना है कि किम का मार्शल लॉ लागू करने से कोई संबंध नहीं था।

ईरान का नया शांति प्रस्ताव, ट्रंप पर 1 मई के बाद युद्ध जारी रखने को लेकर बढ़ा सियासी संकट

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा स्थिति को वह सामान्य नहीं मानता और उसके लिए हालात अब भी युद्ध जैसे ही बने हुए हैं। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा कि संघर्ष पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। प्रवक्ता ने बताया कि देश की सेना और सुरक्षा एजेंसियां लगातार निगरानी और सर्विलांस में जुटी हैं, ताकि हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके और किसी भी संभावित खतरे का तुरंत जवाब दिया जा सके। ईरान ने अपने विरोधियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर कोई नई कार्रवाई की जाती है, तो उसका जवाब नए हथियारों, नई रणनीतियों और अलग-अलग मोर्चों पर दिया जाएगा। अमेरिका में 'वॉर पावर्स रेजोल्यूशन 1973' नाम का एक कानून लागू है, जिसके अनुसार अगर राष्ट्रपति बिना कांग्रेस की मंजूरी के सैन्य कार्रवाई करते हैं, तो उन्हें 60 दिनों के भीतर संसद से अनुमति लेना अनिवार्य होता है। रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिका ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य कार्रवाई की थी, लेकिन इसकी आधिकारिक जानकारी संसद को 2 मार्च को दी गई। इस स्थिति में ट्रंप प्रशासन के पास 1 मई तक कांग्रेस की मंजूरी लेने का समय है। यदि ऐसा नहीं होता, तो कानून के अनुसार सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ सकती है। कांग्रेस की मंजूरी के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों में साधारण बहुमत की जरूरत होती है, लेकिन अभी तक यह समर्थन नहीं मिल

सका है। बताया जा रहा है कि कम से कम 10 रिपब्लिकन सांसद भी इस कार्रवाई के विरोध में हैं। हालांकि नियम यह कहता है कि मंजूरी न मिलने पर सैन्य कार्रवाई समाप्त होनी चाहिए, लेकिन व्यवहार में ऐसा हमेशा नहीं होता। अतीत में कई अमेरिकी राष्ट्रपति इस कानून की व्याख्या अपने तरीके से करते रहे हैं और इसे लेकर कानूनी बहस भी होती रही है।

ईरान की नई शांति पहल : ईरान आने वाले कुछ दिनों में पाकिस्तान में मौजूद मध्यस्थों के जरिए युद्ध समाप्त करने के लिए एक नया प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि पूर्व में दिया गया प्रस्ताव डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार नहीं किया था।

अमेरिकी सेना ने समुद्र में संदिग्ध जहाज को रोका : अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों की नाकेबंदी के दौरान एक और व्यापारिक जहाज ब्लू स्टार III की तलाशी ली। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि मरीन सैनिकों ने हेलीकॉप्टर से रस्सी के सहारे जहाज पर उतरकर जांच की। जब यह पुष्टि हो गई कि जहाज ईरान के किसी भी बंदरगाह पर नहीं जा रहा है, तो उसे आगे बढ़ने की अनुमति दे दी गई। ट्रंप प्रशासन ने दो हफ्ते पहले ईरान की समुद्री नाकेबंदी शुरू की थी। तब से अब तक अमेरिकी सेना ने कम से कम चार व्यापारिक जहाजों की तलाशी ली है। यह पहला मौका है जब किसी जहाज को हिरासत में लेने के बजाय छोड़ दिया गया। अमेरिका ने यह नाकेबंदी ईरान पर दबाव बनाने के लिए की है।

ईरानी अधिकारी ने ईरान के खिलाफ ट्रंप की धमकियों की निंदा की : भारत में ईरान के सर्वोच्च नेता के उप प्रतिनिधि डॉ मोहम्मद हुसैन जियाईनिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों का कड़ा विरोध किया है। ट्रंप ने शांति समझौता न होने पर ईरान के बुनियादी ढांचे को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। जियाईनिया ने कहा कि ट्रंप खुलेआम अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य संगठन इस पर चुप हैं। दक्षिणी लेबनान पर इस्राइली हवाई हमले में दो की मौत, 13 घायल दक्षिण लेबनान के जेबचित शहर पर इस्राइल ने हवाई हमला किया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, इस हमले में दो लोगों की मौत हो गई। आधिकारिक नेशनल न्यूज एजेंसी ने जानकारी दी कि नबातियेह जिले में हुए इस हमले में 13 अन्य लोग घायल हुए हैं। मंगलवार को लेबनान में हुए अलग-अलग इस्राइली हमलों में कुल मिलाकर कम से कम 11 लोग मारे गए और 30 घायल हुए। इन पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

श्रीलंका चेम्मनी में सामूहिक कब्र की खुदाई फिर शुरू, एबीसी लाइसेंस पर एफसीसी का फैसला- समीक्षा का आदेश जारी

कंपाला, एजेंसी। युगांडा के अधिकारियों ने अवैध प्रवासन और मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारतीयों सहित 231 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने बताया कि यह अभियान सोमवार से शुरू हुआ। इसमें उत्तरी युगांडा में रह रहे नाइजीरियाई नागरिकों और राजधानी कंपाला के एक बंद परिसर में रह रहे विदेशियों को निशाना बनाया गया। कंपाला के जिस परिसर में छापेमारी हुई, वहां 169 लोग मिले, जिनमें 36 महिलाएं थीं। इस समूह में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, घाना, म्यांमार, इथियोपिया, श्रीलंका, कंबोडिया और मलेशिया के नागरिक शामिल हैं। यह परिसर पूरी तरह से प्रतिबंधित था और इसमें अपनी खुद की रेस्टोरेंट जैसी सुविधाएं थीं, ताकि लोगों की आवाजाही को सीमित रखा जा सके। जांच में पता चला कि कई लोगों के पास पासपोर्ट नहीं थे। कुछ ने दावा किया कि उन्हें नौकरी का झांसा देकर युगांडा लाया गया था, जबकि कुछ लोग साइबर ठगी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाए गए। मंत्रालय के प्रवक्ता साइमन पीटर मुंडेयी ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। जिनमें- तस्करी के शिकार लोग, तस्करी करने वाले मुख्य आरोपी और वे लोग जो बिना वीजा के रह रहे थे। कानून तोड़ने वालों पर मुकदमा चलाया जाएगा। तस्करी के शिकार और वीजा अवधि खत्म होने वाले लोगों को टिकट खरीदकर देश छोड़ने में मदद की जाएगी। वहीं, तस्करी के सरगनाओं को सजा और निर्वासन का सामना करना पड़ सकता है। फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन (एफसीसी) ने अमेरिकी ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) के स्थानीय टीवी स्टेशनों के ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समय से पहले समीक्षा करने का आदेश जारी किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप ने कॉमेडियन जिमी किमेल को लेकर सख्त टिप्पणी की थी। एफसीसी का यह निर्णय असामान्य और सख्त माना जा रहा है, क्योंकि आमतौर पर ब्रॉडकास्ट लाइसेंस की समीक्षा तय समय पर ही की जाती है। आदेश के अनुसार एबीसी और उसके सभी लाइसेंस प्राप्त टीवी स्टेशनों को 28 मई 2026 तक अपने लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन करना होगा। यह समीक्षा नेटवर्क के आठ चैनलों से जुड़ी है और एक चल रही जांच का हिस्सा बताई जा रही है, जिसमें एबीसी की विविधता से जुड़ी नीतियों की भी जांच हो रही है। हालांकि, यह कदम उस विवाद के ठीक बाद आया है, जिसमें जिमी किमेल के एक बयान को लेकर राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली।

होर्मुज में समुद्री रास्ता खुलवाना चाहता है भारत; संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जताई चिंता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच, भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन को जल्द से जल्द बहाल करने का आग्रह किया है। भारत ने अपने नाविकों की सुरक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग को बंद करने के कथित प्रयासों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधे परिणाम होते हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' पर एक खुली बहस को संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी राजदूत, योजना पटेल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत समुद्री सुरक्षा और जलमार्गों के संरक्षण को वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक समृद्धि के लिए आवश्यक मानता है। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक वाणिज्य का पूरी तरह से सम्मान किया जाना चाहिए और जल्द से जल्द सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन बहाल किया जाना चाहिए। बता दें कि, भारत दुनिया के शीर्ष तीन नाविक-आपूर्ति करने वाले देशों में से एक है, जो वैश्विक समुद्री कार्यबल का लगभग 13 प्रतिशत योगदान देता है। इसलिए, भारत अपने नाविकों की सुरक्षा और कल्याण को लेकर गहराई से चिंतित है। राजदूत पटेल ने कहा, 'किसी भी महत्वपूर्ण जलमार्ग में व्यवधान, बाधा या कथित बंद होने के वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा और मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर सीधे परिणाम होते हैं।' पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच, विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने कहा था कि क्षेत्र में 'कई घटनाओं' में आठ भारतीय नागरिकों की जान चली गई है, जबकि एक अभी भी लापता है। भारत ने इस बात पर जोर दिया कि तत्काल हल की जाने वाली मुख्य चिंताएं नौवहन की सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं की निरंतरता (विशेष रूप से मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर जोर के साथ), समुद्री जागरूकता में वृद्धि और नाविकों के लिए संचार की सुविधा प्रदान करना है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि विश्व के जलमार्गों की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की परीक्षा बन गई है।

ऑस्ट्रेलिया का बड़ा कदम: मेटा-गूगल और टिकटॉक पर टैक्स का लगाने का प्रस्ताव, पत्रकारों को मिलेगा भुगतान

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने डिजिटल दिग्गज कंपनियों मेटा, गूगल और टिकटॉक पर टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि पत्रकारों और समाचार संस्थानों को आर्थिक सहयोग दिया जा सके। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने कहा कि पत्रकारों के काम की एक आर्थिक कीमत तय करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां पत्रकारों की बनाई सामग्री का इस्तेमाल कर मुनाफा कमाएं और उन्हें उचित भुगतान न मिले। हम मानते हैं कि पत्रकारिता में निवेश एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।

ऑस्ट्रेलिया का ऐसा दूसरा प्रयास : यह ऑस्ट्रेलिया का दूसरा प्रयास है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को समाचार सामग्री टेक्स्ट और इमेज के लिए भुगतान

करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। इससे पहले 2021 में लागू किए गए समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता के जरिए भी कंपनियों पर दबाव बनाया गया था। उस समय प्लेटफॉर्म्स ने मध्यस्थता से बचने के लिए समाचार संस्थानों के साथ व्यावसायिक समझौते किए थे, ताकि कोई जज उनकी कीमत तय न करे। लेकिन बाद में इन कंपनियों ने उन समझौतों को नवीनीकृत करने से बचने के लिए अपने प्लेटफॉर्म्स से समाचार सामग्री हटाना शुरू कर दिया।

क्या है समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन : अब सरकार 'समाचार सौदेबाजी प्रोत्साहन' नाम से नया प्रावधान ला रही है। इसके तहत जो बड़ी डिजिटल कंपनियां समाचार संस्थानों के साथ समझौता नहीं करेंगी, उन पर ऑस्ट्रेलिया में होने वाली उनकी कुल कमाई का 2.25% टैक्स लगाया जाएगा। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अगर कंपनियां पत्रकारिता के लिए भुगतान करने पर सहमत होती हैं, तो उन्हें टैक्स में छूट दी जाएगी, जिससे उनका कुल आर्थिक बोझ कम हो जाएगा। सरकार का अनुमान है कि इस योजना के जरिए हर साल 200 से 250 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 144 से 179 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की राशि जुटाई जा सकती है। यह वही स्तर है, जितना भुगतान प्लेटफॉर्म्स ने उस समय किया था जब समाचार मीडिया सौदेबाजी संहिता अपने चरम पर था। संचार मंत्री अनिका वेल्स ने बताया कि इस राशि को समाचार संगठनों के बीच उनके यहां काम करने वाले पत्रकारों की संख्या के आधार पर वितरित किया जाएगा। यह टैक्स मेटा प्लेटफॉर्म , गूगल और टिकटॉक पर लागू होगा। इस प्रस्ताव का इन कंपनियों ने कड़ा विरोध किया है। मेटा ने कहा कि समाचार संस्थान अपनी इच्छा से उनके प्लेटफॉर्म पर सामग्री साझा करते हैं क्योंकि उन्हें इससे फायदा होता है। कंपनी ने बयान में कहा कि यह कहना गलत है कि हम उनकी खबरें ले लेते हैं। यह प्रस्ताव वास्तव में एक डिजिटल सर्विस टैक्स है, जो बदलते विज्ञापन उद्योग को सही तरह नहीं समझता और टिकाऊ समाचार क्षेत्र बनाने में विफल रहेगा।

बिश्केक में रक्षा मंत्री ने की चीनी समकक्ष से मुलाकात, एलएसी पर शांति-पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

बिश्केक, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन के दौरान अपने चीनी समकक्ष एडमिरल डोंग जुन से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति और स्थिरता बनाए रखने के साथ-साथ पश्चिम एशिया के संकट जैसे क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को खुशी जताई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दोनों मंत्रियों ने वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद भारत और चीन के रिश्तों में काफी तनाव आ गया था, जिसे अब सुधारने

की कोशिश की जा रही है। दोनों देशों ने राजनयिक और सैन्य बातचीत के बाद पूर्वी लद्दाख में कई विवादित जगहों से अपनी सेनाएं पीछे हटाई हैं। अक्टूबर 2024 में डेपसांग और डेमचोक जैसे आखिरी दो विवादित बिंदुओं पर भी सैनिकों को हटाने का समझौता हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कजान में मुलाकात कर रिश्तों को बेहतर बनाने के फैसले लिए थे। पिछले साल अगस्त में पीएम मोदी ने तियानजिन में भी शी जिनपिंग से बात की थी और आपसी विश्वास व सम्मान पर जोर दिया था।

राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री के साथ भी की मुलाकात : इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव से भी मुलाकात की। दोनों के बीच स-400 एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम की सप्लाई सहित कई रक्षा परियोजनाओं पर बात हुई। भारत ने 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। इसमें से तीन मिसाइल सिस्टम भारत को मिल चुके हैं। चौथी यूनिट अगले कुछ दिनों में और पांचवीं नवंबर तक मिलने की उम्मीद है। पिछले महीने ही भारत ने रूस से पांच और स-400 सिस्टम खरीदने को मंजूरी दी है, जिससे इनकी कुल संख्या 10 हो जाएगी। इसके अलावा, राजनाथ सिंह ने बेलारूस के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल विक्टर खेनिन से भी मुलाकात की। उन्होंने रक्षा सहयोग को मजबूत करने और ट्रेनिंग जैसे क्षेत्रों में साझेदारी पर चर्चा की। राजनाथ सिंह ने किर्गिस्तान और कजाकिस्तान के रक्षा मंत्रियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं। किर्गिस्तान के रक्षा मंत्री मेजर जनरल मुकाम्बेटोव रुस्लान मुस्तफेविच के साथ बातचीत में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया गया। राजनाथ सिंह सोमवार को बिश्केक पहुंचे थे।

'हम न होते तो आप फ्रेंच बोल रहे होते': ट्रंप के बड़बोलेपन पर किंग चार्ल्स का मजेदार तंज, इतिहास की दिला दी याद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका दौरे पर पहुंचे ब्रिटेन के किंग चार्ल्स-III ने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ऐसा मजेदार तंज कसा कि माहौल हल्का-फुल्का हो गया, लेकिन संदेश गहरा था। बात इतिहास और भाषा से जुड़ी थी और निशाने पर थे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। पूरी बात को ऐसे समझिए कि दरअसल, ट्रंप ने उनके साथ बातचीत के दौरान कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश आज जर्मन भाषा बोल रहे होते। ट्रंप का इशारा यूरोप और जर्मनी के उस युद्ध की ओर था, जहां संभवतः जर्मनी का यूरोप के देशों पर कब्जा होता और ये देश खासकर ब्रिटेन भी हिटलर की बोली बोलने लगता। देखा जाए तो ये कोई नई बात नहीं है कि ट्रंप ने अपने घर में बुलाकर किसी दूसरे देश के मेहमान के साथ अपना बड़बोलापन दिखाया हो। लेकिन इस बार उनकी ये चाल शायद उनपर भारी पड़ गई, क्योंकि ट्रंप के अंदाज में ही किंग चार्ल्स ने ऐसा जवाब दिया, जो खूब चर्चा में रहा और लोगों ने इसपर जमकर ठहाके भी लगाए।

आप फ्रेंच बोल रहे होते-किंग चार्ल्स : शुरुआत कुछ ऐसे हुई जब ट्रंप ने ये तंज कसा तो इसी बयान को पकड़ते हुए किंग चार्ल्स ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मिस्टर प्रेसिडेंट, आपने कहा कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप जर्मन बोल रहा होता। मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर हम (ब्रिटेन) न होते, तो आप फ्रेंच बोल रहे होते। किंग चार्ल्स का यह जवाब सुनकर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। यह टिप्पणी इतिहास की उस पृष्ठभूमि की ओर इशारा करती है, जब यूरोप में

अलग-अलग ताकतों का प्रभाव था और भाषाओं पर भी उसका असर पड़ता था।

अब समझिए क्या कहता है इतिहास: गौरतलब है कि अमेरिका और यूरोप की ताकत को लेकर दिए गए बयानों के बीच असली इतिहास क्या कहता है, इसे समझना जरूरी है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर अमेरिका न होता तो यूरोप के कई देश जर्मन भाषा बोल रहे होते, जिसका इशारा दूसरे विश्व युद्ध की तरफ माना जा रहा है। वहीं ब्रिटेन के किंग किंग चार्ल्स III ने जवाब में इतिहास का दूसरा पहलू सामने रखा। किंग चार्ल्स का इशारा उस दौर की ओर था जब 1776 में अमेरिका ने ब्रिटेन से आजादी की घोषणा की थी, लेकिन यह जीत अकेले संभव नहीं थी। उस समय फ्रांस ने अमेरिका को अहम सैन्य मदद दी थी, जिसके बिना अमेरिका की आजादी मुश्किल मानी जाती है। इतना ही नहीं, अमेरिका बनने से पहले वहां के कई हिस्सों पर फ्रांस का कब्जा था और उसे न्यू फ्रांस कहा जाता था। हालांकि इसके बाद भी ब्रिटेन और अमेरिका के बीच तनाव खत्म नहीं हुआ और 1812 में दोनों के बीच युद्ध हुआ, जिसे वॉर ऑफ 1812 कहा जाता है। इसी युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने वॉशिंगटन डीसी पर कब्जा कर लिया और 1814 में व्हाइट हाउस को आग के हवाले कर दिया था।

गृह विभाग की फंडिंग खत्म होने की कगार पर, टीएसए कर्मचारियों के वेतन पर भी खतरा; हवाई सुरक्षा पर असर की आशंका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बार फिर सरकारी फंडिंग को लेकर बड़ा संकट खड़ा होता नजर आ रहा है। व्हाइट हाउस ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी और उससे जुड़े अहम विभागों के पास कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए फंड जल्द ही खत्म हो सकता है। इससे देश की हवाई सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। प्रबंधन और बजट कार्यालय ने सांसदों को एक मेमो भेजकर बताया है कि परिवहन सुरक्षा प्रशासन और अन्य कर्मचारियों की सैलरी के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यकारी आदेश से दिया गया पैसा मई तक खत्म हो जाएगा। इससे एयरपोर्ट संचालन और राष्ट्रीय सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। सरकार का कहना है कि अगर जल्द ही बजट पारित नहीं किया गया तो सुरक्षा कर्मियों के वेतन और संचालन दोनों पर संकट गहरा जाएगा। मेमो में कहा गया है कि प्रतिनिधि सभा को सीनेट द्वारा पिछले हफ्ते पास किए गए बजट प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देनी चाहिए, ताकि विभाग को पूरा फंड मिल सके। मेमो के अनुसार होमलैंड सिक्योरिटी विभाग जल्द ही जरूरी फंड से खत्म हो जाएगा, जिससे जरूरी कर्मचारियों और कामकाज पर खतरा पैदा हो सकता है।

बजट पर राजनीतिक गतिरोध जारी : अमेरिकी संसद में बजट को लेकर राजनीतिक खींचतान लगातार जारी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच सहमति न बनने के कारण कई महत्वपूर्ण विभागों की फंडिंग अटक गई है। इस बीच, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भी आंतरिक विवाद के चलते बजट प्रक्रिया धीमी पड़ गई है, जिससे पूरा सिस्टम लगभग ठप जैसा हो गया है।

स्पीकर माइक जॉनसन पर बढ़ा दबाव : ट्रंप प्रशासन का यह दबाव हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के लिए मददगार साबित हो सकता है। उनकी रिपब्लिकन

पार्टी के पास बहुत कम बहुमत है और पार्टी के अंदर कई मुद्दों पर मतभेद चल रहे हैं, जिनमें होमलैंड सिक्योरिटी की फंडिंग भी शामिल है। इसी वजह से सदन का कामकाज लगभग ठप पड़ा हुआ है। अब उम्मीद है कि प्रतिनिधि सभा बुधवार को सीनेट द्वारा पास किए गए बजट प्रस्ताव पर वोट करेगी। यह प्रस्ताव एक ऐसी प्रक्रिया शुरू करेगा जिससे विभाग को पूरी फंडिंग मिल सकेगी। प्रशासन ने रिपब्लिकन सांसदों को चेतावनी दी है कि अगर वे इस प्रस्ताव में बदलाव करते हैं तो बिल पास होने में देरी हो सकती है। मेमो में यह भी कहा गया है कि ष्ठ॥स्के लिए फंडिंग बहाल करना अब पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। इसका कारण हाल की एक घटना है, जब बंदूक और चाकू लेकर एक व्यक्ति व्हाइट हाउस संवाददाता डिनर में घुसने की कोशिश कर रहा था, जहां राष्ट्रपति ट्रंप, उपराष्ट्रपति और कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

होमलैंड सिक्योरिटी शटडाउन: अब तक का सबसे लंबा : होमलैंड सिक्योरिटी दो महीने से अधिक समय से नियमित धन के बिना काम कर रहा है। यह स्थिति तब उत्पन्न हुई जब डेमोक्रेट्स ने ट्रंप की निर्वासन एजेंडे के विरोध में मारे गए अमेरिकियों की मौतों के बाद इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट और बॉर्डर पेट्रोल को धन देने से इनकार कर दिया। हालांकि आप्रवासन प्रवर्तन कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर नए धन के माध्यम से भुगतान किया गया है - कुछ 170 बिलियन अमरीकी डालर - जिसे कांग्रेस ने पिछले साल ट्रंप के कर कटौती विधेयक के हिस्से के रूप में अनुमोदित किया था, अन्य, जिसमें ञ्चह्र भी शामिल है, को अपने वेतन सुनिश्चित करने के लिए ट्रंप के हस्तक्षेप पर निर्भर रहना पड़ा है। लेकिन हर दो सप्ताह में 1.6 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक के वेतन के साथ, डीएचएस सचिव मार्कवेन मल्लिन ने हाल ही में कहा है कि ये धन सूख रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)